बालाघाट एक्सप्रेस
हिन्दी दैनिक
E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
बालाघाट
रविवार 14 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 351
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

प्रकाश महाजन ने मनसे से दिया इस्तीफा

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी में नजरअंदाज किया गया। जबकि उनकी कम से कम उम्मीदें थीं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने एक वीडियो संदेश में अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में उनके काम के लिए उन्हें कभी प्रशंसा नहीं मिली, बल्कि उन गलतियों के लिए उन्हें दोषी ठहराया गया जो उन्होंने कभी नहीं कीं। उन्होंने अपने इस कदम के लिए राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे में सम्मान की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उनकी किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की कोई योजना नहीं है।

विसर्जन जुलूस में ट्रक घुसा, 9 मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के हासन जिले में शुक्रवार रात एक ट्रक ने गणेश विसर्जन जूलूस में शामिल लोगों को कुचल दिया। 9 लोगों की मौत हो गई, 20 लोग घायल हैं। घटना लगभग 8.45 बजे मोसाले होसाहल्ली गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मृतक युवा लडक़े हैं। घायलों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। चश्मदीद ने बताया, ट्रक अरकलागुडु की तरफ से आ रहा था। जुलूस के नजदीक पहुंचते ही ट्रक का कंट्रोल खो गया और वह भीड़ को कुचलता हुआ निकल गया, लोग ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। इधर पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले सभी मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपए देने की घोषणा की है।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग में भाजपा नेता संग तीन को भेजा जेल

आगरा। टीपी नगर (हरीपर्वत) स्थित जैन होटल में युवक का युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग के मामले में न्यू आगरा पुलिस ने तीन और को जेल भेजा है। आरोपियों में भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा का पूर्व पदाधिकारी भी शामिल है। युवक से 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी। आवास विकास कालोनी सेक्टर आठ निवासी युवक की फेसबुक पर एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक ने उसे शादी कराने का झांसा दिया। लड़की से मुलाकात कराने के लिए जैन होटल बुलाया। आरोप है कि युवक को नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। उसके बाद युवती ने युवक को निर्वस्त्र कर दिया। उसके साथ अपनी अश्लील वीडियो बनवाई। वीडियो दिखाकर युवक को धमकाया गया। दुराचार के मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी गई।

कुछ ना कहना

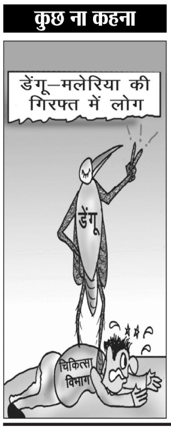

मणिपुर में हिंसा के 2 साल बाद पीएम का दौरा, दी 8,500 करोड़ से ज्यादा की विकास सौगात, कहा

किसी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण, शांति का रास्ता चुनें

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर हैं। राज्य में मई, 2023 में हिंसा भडक़ने के बाद यह उनका पहला दौरा है। पीएम ने इंफाल और चुराचांदपुर में 8,500 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने इंफाल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर की हजारों वर्ष पुरानी समृद्ध विरासत है। यहां किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। ये हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। हमें मणिपुर को शांति और विकास के रास्ते पर लेकर जाना है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हिंसा के दौरान सबसे ज्यादा हिंसा प्रभावित जिला, चुराचांदपुर में रोड शो और जनसभा की। उन्होंने कहा कि मैं सभी संगठनों से शांति के रास्ते पर आगे बढऩे की अपील करता हूं। मैं वादा करता हूं, मैं आपके साथ हूं। पीएम ने इंफाल में 1,200 करोड़ और चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ से ज्यादा की लागत वाली विकास परियोजनाओं की नींव रखी। वे चुराचांदपुर में रिलीफ कैंप में हिंसा पीड़ितों से मिलने गए। इंफाल में कार्यक्रम स्थल पर हिंसा पीड़ितों से बात की।

पीएम ने कहा कि मणिपुर में बुनियादी ढांचे के विकास का एक नया युग शुरू हो गया है। मुझे खुशी है कि नेशनल हाईवे सहित सडक़ निर्माण की गति कई गुना बढ़ गई है। गांवों को सड़कों से जोडऩे के प्रयास भी जारी हैं। इंफाल संभावनाओं का शहर है। मैं इस शहर को विकसित भारत के उन शहरों के रूप में देखता हूं, जो हमारे युवाओं के सपनों को पूरा करेगा। देश के विकास को गति देगा।

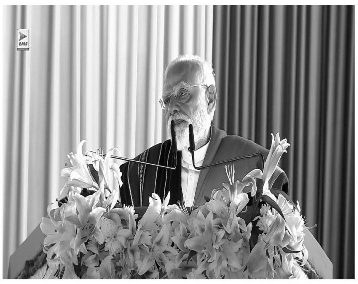

मणिपुर हिंसा भावी पीढ़ी के साथ अन्याय

पीएम ने इंफाल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर की हजारों वर्ष पुरानी समृद्ध विरासत है। यहां संस्कृति की मजबूत जड़ें हैं। मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। ये हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। हमें मणिपुर को लगातार शांति और विकास के रास्ते पर लेकर जाना है।

मणिपुर के खिलाड़ियों के बिना भारत के खेल अधूरे

प्रधानमंत्री ने कहा- मणिपुर के अनेक संतानें देश के अलग-अलग हिस्सों में मां भारती की रक्षा में जुटे हुए हैं। हाल ही में, ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत की सेना लोहा माना। हमारी सेना ने ऐसा कहर बरपाया कि पाकिस्तान त्राहि-त्राहि करने लगा। इसमें मणिपुर का भी बड़ा योगदान है। पीएम मोदी ने कहा- मैंने साल 2014 में कहा था कि मणिपुर की संस्कृति के बिना भारत की संस्कृति और यहां के खिलाडिय़ों के बिना भारत के खेल अधूरे हैं। मणिपुर का युवा, तिरंगे की शान के लिए, तन-मन-धन से समर्पित युवा है।

पीएम ने इंफाल में हिंसा प्रभावित लोगों से बातचीत की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफाल में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने इंफाल के ऐतिहासिक कांगला किला परिसर में विस्थापित लोगों के परिवारों की चिंताओं को सुना और उन्हें राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की। मोदी ने चुराचांदपुर में कहा, कुछ देर पहले, मैं एक राहत शिविर में प्रभावित लोगों से मिला। उनसे मिलने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है।

इंफाल में कार्यक्रम स्थल के पास कांग्रेस-एमपीपी यूथ विंग का प्रदर्शन

कांग्रेस और मणिपुर पीपुल्स पार्टी के यूथ विंग के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को इंफाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थल के पास प्रदर्शन किया। युवाओं ने प्रधानमंत्री के दौरे का विरोध किया और इसे एक राजनीतिक चाल करार दिया। मणिपुर पीपुल्स पार्टी यूथ फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने अपने ऑफिस के पास पोस्टर लेकर नारे लगाए और दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा का मकसद राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना नहीं है। एमपीपी का ऑफिस कंगला किले के पास है, जहां प्रधानमंत्री कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और एक जनसभा करने वाले हैं। कांग्रेस की युवा शाखा के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से लगभग 100 मीटर दूर कांग्रेस भवन के सामने भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर बढऩे से रोक दिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच के खिलाफ सड़कों पर उतरेगा विपक्ष

उद्धव ठाकरे का ऐलान पार्टी महाराष्ट्र में करेगी विरोध

मुंबई। उद्धव ठाकरे और अन्य विपक्षी दलों ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच का विरोध शुरु कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि आतंकवाद के माहौल में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना सैनिकों और राष्ट्रीय भावनाओं का अपमान है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि आतंकवादी देश के साथ मैच खेलना राष्ट्रीय भावना का अपमान है। उन्होंने 14 सितंबर को पूरे महाराष्ट्र में मैच के विरोध में सड़कों पर उतरने का ऐलान किया। उद्धव ठाकरे और कांग्रेस ने तर्क दिया है कि जब भारतीय सैनिक सीमा पर शहीद हो रहे हैं, तब पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना उचित नहीं है। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने अपने पिता दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के पुराने रुख को याद दिलाया, जिन्होंने जावेद मियांदाद से कहा था कि जब तक पाकिस्तान से आतंकी गतिविधियां जारी रहेंगी, तब तक क्रिकेट नहीं खेला जाएगा। कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने भी इस विरोध का समर्थन किया है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने इसे पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों और शहीद सैनिकों का अपमान बताया, जबकि एनसीपी (एसपी) ने सरकार के दोहरे चरित्र को उजागर करने का आरोप लगाया।

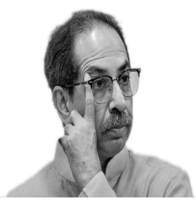

वहीं इस पूरे मामले में महाराष्ट्र के मंत्री और बीसीसीआई प्रतिनिधि आशीष शेलार ने विरोध का जवाब देकर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों को द्विपक्षीय राजनीतिक गतिरोधों से अलग रखना चाहिए। शेलार ने स्पष्ट किया कि भारत का रुख हमेशा से ही पाकिस्तान का दौरा न करने का रहा है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने से टीम को नहीं रोका जा सकता। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत पर भारत विरोधी रुख अपनाने का आरोप लगाया और बालासाहेब ठाकरे द्वारा जावेद मियांदाद की मेजबानी करने की बात याद दिलाई। यह घटनाक्रम भारत-पाकिस्तान संबंधों और खेल कूटनीति पर चल रही बहस को दर्शाता है, जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय सुरक्षा और सैनिकों के सम्मान का मुद्दा है, वहीं दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिबद्धताओं का तर्क दिया जा रहा है।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में चुनाव आयोग ने दाखिल किया जवाबी हलफनामा,

कहा-एसआईआर कराना विशेष अधिकार, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश देना हमारे काम में दखल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा कि पूरे देश में समय-समय पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराना उसका विशेषाधिकार है। कोर्ट इसका निर्देश देगी तो ये अधिकार में दखल होगा। आयोग ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार वोटर लिस्ट बनाना और उसमें समय-समय पर बदलाव करना सिर्फ चुनाव आयोग का अधिकार है। यह काम न किसी और संस्था और न ही अदालत को दिया जा सकता।

चुनाव आयोग ने कहा कि हम अपनी जिम्मेदारी समझते है और वोटर लिस्ट को पारदर्शी रखने के लिए लगातार काम करता है। यह हलफनामा एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया था। याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को भारत में विशेष रूप से चुनावों से पहले समय एसआईआर कराने का निर्देश दिया जाए, ताकि देश की राजनीति और नीति केवल भारतीय नागरिक ही तय करें। चुनाव आयोग ने 5 जुलाई 2025 को बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को पत्र भेजकर 1 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि के आधार पर एसआईआर की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया था।

वोटर लिस्ट में बदलाव हमारा अधिकार

धारा 21 के मुताबिक, वोटर लिस्ट में बदलाव करने की कोई तय समय सीमा नहीं है। बल्कि ये सामान्य जिम्मेदारी है, जिसे हर आम चुनाव, विधानसभा चुनाव या किसी सीट के खाली होने पर होने वाले उपचुनाव से पहले पूरा करना जरूरी है। नियम 25 से साफ है कि मतदाता सूची में थोड़ा-बहुत या बड़े स्तर पर बदलाव करना है या नहीं, यह पूरी तरह चुनाव आयोग के फैसले पर निर्भर करता है। मतदाता सूची को सही और भरोसेमंद रखना चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। इसलिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार आयोग को छूट है कि वह तय करे कि कब समरी रिवीजन किया जाए और कब इंटेंसिव रिवीजन।

याचिका में मांग

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और देश की नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए।

एसआईआर के खिलाफ कई याचिकाएं

बिहार में अगले कुछ महीनों बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रक्रियागत तौर पर वहां मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है। विपक्षी पार्टियों ने इसका विरोध करते हुए छह से अधिक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं। एसआईआर के खिलाफ याचिका दायर करने वालों में एसोसिएशन फिर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, राजद, पीयूसीएल, कांग्रेस आदि हैं।

पटना पहुंचे नड्डा का हुआ जोरदार स्वागत, बिहार में चुनावी सरगर्मी हुई तेज

विपक्ष पर साधा निशाना और बोले- नाच ना आवे आंगन टेड़ा...

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी बीच शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पटना पहुंचे। पार्टी कार्यकर्ताओं व अनेक नेताओं ने पटना एयरपोर्ट पर नड्डा का जोरदार स्वागत किया। पार्टी अध्यक्ष का यह दौरा संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को धार देने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने पटना पहुंच कर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। नड्डा ने एक कॉन्क्लेव में कहा, कि विपक्ष ने देश की सियासत को निचले स्तर पर ला दिया है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री की मां के लिए अपशब्द कहे गए। उन्होंने आगे कहा, कि, आज कुछ लोगों के स्वार्थी प्रयासों और गलत नेतृत्व की वजह से देश को अंधकार में धकेल दिया गया है। चुनाव में हार के बाद विपक्ष का लगातार चुनाव आयोग पर हमलावर रहने को लेकर नड्डा ने नाच न आवे आंगन टेड़ा वाली कहावत कह निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस द्वारा जारी एक एआई वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, कि नाच ना आवे आंगन टेढ़ा। चुनाव लड़ना न आए, जनता का आशीर्वाद न मिले तो इलेक्शन कमीशन को दोषी ठहरा दो। बीजेपी अध्यक्ष ने बिहार में विपक्षी नेताओं की शैक्षिक योग्यता पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कोई 8वीं पास है, तो कोई 9वीं पास। ऐसे नेताओं के हाथों में बिहार का भविष्य कैसे सुरक्षित होगा? उन्होंने 2003 से पहले बिहार में होने वाले 'तेल पिलावन' और 'लाठियाभाज' जैसे आयोजनों को याद कर विपक्ष पर जंगलराज का तंज भी कसा।

गौरतलब है कि बिहार में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चली हैं, इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को पटना पहुंचे हैं। नड्डा का यह दौरा संगठन और चुनावी रणनीति को धार देने के लिए अहम मायने रखता है।

पीएम मोदी भी करेंगे दौरा और देंगे सौगात

यहां बताते चलें कि भाजपा अध्यक्ष नड्डा के इस दौरे के बाद 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी बिहार दौरा संभावित है। इस दौरान पीएम मोदी बिहार को अनेक परियानजों की सौगात दे सकते हैं। इसी के साथ पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन कर एक बड़ी सौगात बिहार वासियों को पीएम मोदी दे सकते हैं।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना ज़रूरी - धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

वाराणसी। बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने वाराणसी में कहा कि अगर भारत को पड़ोसी देशों जैसी स्थिति से बचाना है, तब देश के अंदर सामाजिक समरसता बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि वैमनस्य (दुश्मनी) को दूर करना और भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना भी उतना ही ज़रूरी है। उन्होंने 7 से 16 नवंबर तक सामाजिक समरसता और हिंदू राष्ट्र के उद्देश्य से एक पदयात्रा करने की घोषणा की। इस यात्रा के लिए उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रार्थना भी की। शास्त्री ने कहा कि भारत पहले से ही एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है, लेकिन इसे लोगों के विचारों और दिलों में भी हिंदू राष्ट्र बनाना ज़रूरी है।

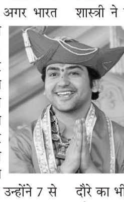

खबर में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के वाराणसी और अयोध्या दौरे का भी ज़िक्र है। उनके इस दौरे को भारत और मॉरीशस के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को मज़बूत करने वाला बताया गया है। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मज़बूत किया है।

उन्होंने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने वाराणसी में पवित्र काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। यह यात्रा भारत और मॉरीशस को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाती है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री वर्तमान में 9 सितंबर से 16 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मेधावी दिव्यांगजन को लेकर दिया एक अहम फैसला

नई दिल्ली। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। इसके अनुसार, जो मेधावी दिव्यांगजन सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के बराबर अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें आरक्षित कोटे की बजाय सामान्य श्रेणी में स्थान दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पीछे का तर्क यह है कि इसतरह प्रतिभाशाली दिव्यांगजनों को उनके प्रदर्शन के आधार पर ऊपर की ओर बढ़ोतरी मिलनी चाहिए, जैसा कि अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए होता है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह स्पष्ट किया कि अगर किसी दिव्यांग उम्मीदवार को सामान्य श्रेणी में स्थान मिलता है, तब वह आरक्षित सीट खाली हो जाएगी। इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अन्य जरूरतमंद दिव्यांग उम्मीदवार को भी मौका मिल सकेगा। यह निर्णय आरक्षण के मूल उद्देश्य को मजबूत करता है। इसका लक्ष्य उन लोगों को अवसर देना है जो ऐतिहासिक और संरचनात्मक रूप से वंचित रहे हैं। अदालत का मानना है कि राज्य के कल्याणकारी उपायों का उद्देश्य केवल औपचारिक समानता नहीं है, बल्कि उन बाधाओं को दूर करना है ताकि सबसे कमजोर और वास्तव में वंचित लोगों तक सहायता पहुँच सके।

हॉट एयर बैलून में लगी आग, सीएम यादव बाल-बाल बचे, बड़ी दुर्घटना टली

मंदसौर, । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को एक बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गए। दरअसल गांधी सागर अभयारण्य में हॉट एयर बैलून एक्टिविटी के दौरान उनके बैलून के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। घटना के समय मुख्यमंत्री बैलून के भीतर ही मौजूद थे। हालांकि, आग भड़कते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत ही सीएम यादव को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसी के साथ ही आग पर भी काबू पा लिया गया। सीएम यादव गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट शनिवार सुबह पहुंचे थे और यहां उन्होंने बोटिंग का लुत्फ भी लिया था। इसके बाद सीएम यादव मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता के साथ हॉट एयर बैलून के सफर का रोमांच लेने निकले थे। इसी बीच यह हादसा सामने आया। हॉट एयर बैलून दुर्घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था, कि जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बैलून में सवार हुए, उस समय हवा तेज हो गई और बैलून के निचले हिस्से में आग लग गई। हॉट एयर बैलून एक्सपर्ट की मानें तो सुबह 6 से 7-30 बजे का समय हवा की रफ्तार न के बराबर होने वाला होता है। चूंकि हॉट एयर बैलून में हवा की रफ्तार जीरो होनी चाहिए, अत: यह समय उचित माना जाता है। दुर्घटना जब हुई उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटा थी। हवा के तेज रुख के चलते बैलून उड़ान नहीं भर पाया और इसी दौरान आग ने बैलून के निचले हिस्से को अपने शिकंजे में ले लिया।

जन्म प्रमाण पत्र से नहीं बनेगा बच्चों का आधार कार्ड, अब माता-पिता का दस्तावेज हुआ अनिवार्य

पटना, । हर भारतीय नागरिक की पहचान का अहम दस्तावेज आधार कार्ड बन चुका है। चाहे बैंक खाता खुलवाना हो या स्कूल में बच्चों का दाखिला करवाना हो या फिर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना हो, सब जगह आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। लेकिन अब बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही पर्याप्त माना जाता था। लेकिन अब भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नियमों में संशोधन किया है। यूआईडीएआई ने स्पष्ट किया है कि बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र पर्याप्त नहीं होगा। अब इसके साथ माता-पिता के पहचान और पते से जुड़े दस्तावेज भी अनिवार्य होंगे। यानी बच्चे का आधार उसके माता या पिता के आधार और पहचान पत्र से लिंक होकर ही बनेगा। इस नियम के तहत बच्चे की उम्र, पहचान और पते की पुष्टि के लिए माता-पिता के दस्तावेज जांचे जाएंगे। इससे आधार प्रक्रिया और भी मजबूत और पारदर्शी बनेगी। साथ ही इससे यह सुनिश्चित होगा कि बच्चे की पहचान सही है और उसका रिकॉर्ड सरकारी डाटाबेस में सुरक्षित है।

माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज होंगे जरूरी

बच्चे का आधार बनवाने के लिए माता-पिता के निम्नलिखित दस्तावेज जरूरी होंगे। माता या पिता का आधार कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट या पैन कार्ड, घर का बिजली बिल, राशन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस आदि। इसके अलावा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र जिसमें बच्चे का नाम और जन्म तिथि साफ-साफ अंकित हो। इसके साथ ही 5 साल से कम उम्र के बच्चों का आधार ब्लू आधार के नाम से जाना जाता है। इसमें बच्चे की बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाती, बल्कि फोटो और माता-पिता से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर कार्ड जारी होता है। जैसे ही बच्चा 5 साल का होता है, उसकी बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन) अपडेट करानी होती है। यूआईडीएआई के नियमों के अनुसार, बच्चे का आधार 15 साल की उम्र में दोबारा अपडेट कराना अनिवार्य है। इस दौरान बच्चे की पूरी बायोमेट्रिक जानकारी दोबारा ली जाती है ताकि उसके रिकॉर्ड भविष्य में भी सही और प्रमाणिक बने रहें।

शराब बंदी की मांग को लेकर महिला समिति ने गांव में निकाली रैली

शराब बिक्री पर रोक लगाने की करी मांग, लामता थाना क्षेत्र के टाकाबर्रा का मामला, कहा-नही हुई पूर्ण शराबबंदी तो बच्चो को नही भेजेंगे स्कूल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले भर में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए रोजाना ही बड़ी संख्या में कार्यवाही की जा रही है।बावजूद इसके भी पुलिस अवैध शराब निर्माण व उसकी बिक्री पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है और संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला लामता थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टाकाबर्रा सहित अन्य आसपास के गावो से सामने आया है।जहां की महिलाओं ने नशा मुक्ति अभियान महिला समिति के बैनर तले रैली निकालकर गाँव मे अवैध शराब के निर्माण,व उसकी बिक्री पर रोक लगाए जाने की मांग की है।जहा उन्होंने आम सभा मे एक प्रस्ताव पारित कर शराब निर्माण, उसकी बिक्री करने वाले, शराब पीकर उत्पाद मचाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की भी मांग की है।

बच्चे युवा भी खुलेआम कर रहे नशो का सेवन

उक्त मांग को लेकर स्कूली बच्चों ,युवाओ और अन्य ग्रामीणों के साथ नशा मुक्ति अभियान से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं ने गांव में रैली निकालकर नशे से दूर रहने का संदेश दिया।महिलाओं ने बताया कि उनके गाँव सहित अन्य आसपास के गावो में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री का कार्य किया जाता है जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है तहसील, थाना, व कलेक्टर कार्यालय में अनेकों बार शिकायत कि गई है, लेकिन कोई कड़ी कार्यवाही नही कि गई है।,गांव में 75 से 80 प्रतिशत युवाओ में सुधार आया है।लेकिन हम चाहते है कि गांव शराब मुक्त बने।

छोटे बच्चे भी हो रहे नशे के शिकार

नशा मुक्त अभियान से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि कुछ लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं।कई बार शिकायत करने पर भी अवैध शराब बेचने वालो पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।जिससे शराब का धन्धा सरेआम हो रहा है।जिससे अवैध काम मे लिप्त लोगो के हौसले बुलंद है।वही ग्रामीण युवा व बच्चे जुआ खेल रहे है।छोटे छोटे बच्चे भी नशे का शिकार हो जाते है। जिसपर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर गांव को नशा मुक्त करने की मांग को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि गांव में पूर्णतः शराबबंदी किए जाने की मांग की जा रही है।जिन्होंने कुछ लोगों पर चोरी छिपे शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए,अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ ठोस कार्यवाही किए जाने की मांग की है। तो वही उन्होंने सम्पूर्ण गाँव में शराबबंदी और नशा मुक्ति की मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

बालाघाट में एमवीयू टीम ने किया जटिल मैमरी ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में पशु चिकित्सा सेवाओं को एक नया आयाम देते हुए 12 सितंबर को मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू-1962) की टीम के डॉक्टर धर्मेंद्र नेताम, पैरावेट प्रीति ने मैमरी ट्यूमर (स्तन ग्रंथि का ट्यूमर) से पीड़ित एक मादा कुत्ते (उम्र 14 वर्ष) का सफल ऑपरेशन किया। इस जटिल शल्यक्रिया का नेतृत्व जिले के युवा व समर्पित पशु शल्य चिकित्सक डॉ. बादल पटले ने किया। वार्ड नंबर 28 बालाघाट के दुर्गेश कोड़ापे के कुत्ते के शरीर में कई दिनों से गांठ जैसी सूजन बनी हुई थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए गंभीर रूप ले चुकी थी। इस पर मालिक दुर्गेश कोड़ापे द्वारा चलित पशु चिकित्सा ईकाई की सेवायें लेने 1962 नंबर पर काल किया गया था। सूचना मिलने पर चलित पशु चिकित्सा ईकाई (एमवीयू) टीम मौके पर पहुँची और जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई। पशु शल्य चिकित्सक डॉ बादल पटले के नेतृत्व में सर्जरी के दौरान पूरी टीम ने समन्वय और धैर्य के साथ कार्य किया। कुत्ते को सुरक्षित एनेस्थीसिया देकर ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला गया। डॉ. पटले ने बताया कि मैमरी ट्यूमर प्रायः मादा कुत्तों में पाए जाते हैं और समय पर पहचान न होने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। लेकिन समय रहते की गई सर्जरी पशु के जीवन को बचा सकती है। ऑपरेशन के बाद कुत्ते की हालत स्थिर बताई जा रही है। वर्तमान में उसे एंटीबायोटिक दवाओं और पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल के तहत निगरानी में रखा गया है। चिकित्सकों का कहना है कि यदि आगे की देखभाल सही ढंग से की गई तो कुत्ता जल्द ही पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाएगा। इस सफल ऑपरेशन से जिले के पशु प्रेमियों और पालतू पशु मालिकों में खुशी की लहर है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कार्यरत एमवीयू स्टाफ का यह प्रयास पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती गुणवत्ता और जन-जन तक पहुँच का प्रतीक माना जा रहा है। पशु मालिक दुर्गेश कोड़ापे ने भी एमवीयू टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, हमारे क्षेत्र में इतनी उन्नत सर्जरी होना हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. पटले और उनकी टीम ने हमारे पालतू मादा श्वान की जान बचाई है। यह उपलब्धि न केवल बालाघाट जिले बल्कि प्रदेश के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण है कि सीमित संसाधनों में भी यदि समर्पण और सेवा भावना हो तो किसी भी चुनौतीपूर्ण शल्यक्रिया को सफलता पूर्वक अंजाम दिया जा सकता है। पशु चिकित्सा विभाग की चलित पशु चिकित्सा ईकाई की सेवा लेने के लिए पशुपालक 1962 नंबर पर काल कर सकते हैं। घर पहुंच सेवा देने वाली इस ईकाई द्वारा शासन द्वारा निर्धारित दर से पशु उपचार का शुल्क लिया जाता है।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शामिल होने बालाघाट की शौर्या पाण्डेय इंदौर रवाना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।इंदौर में 15से19 सितंबर तक शालेय कराटे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन कियाक गया है।जिसमे बालाघाट की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शौर्या पिता श्री चंद्रशेखर पाण्डेय (ओजस ग्लोबल स्कूल) अंडर-14 बालिका वर्ग में चयन किया गया है।जो प्रतियोगिता में शामिल होने शनिवार को इंदौर के लिए रवाना हुई जो इंदौर में आयोजित इस राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में बालाघाट जिला एवं जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगी। उनका प्रशिक्षण योद्धा कराते एन्ड फिटनेश एकेडमी बालाघाट के मुख्य कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी के मार्गदर्शन में हुआ है।बताया गया कि शौर्या पाण्डेय ने मेहनत और लगन से राज्य स्तर तक पहुँचकर जिले का मान बढ़ाया है। अब पूरा बालाघाट उनकी जीत की कामना कर रहा है।इस अवसर पर जिला इंडियन कराटे संघ बालाघाट के अध्यक्ष तपेश असाटी, सचिव सेन्सेई दिनेश कोरे, कोषाध्यक्ष सेन्सेई रूपेंद्र बनकर, एवं आशीष बाघ, राकेश वरकड़े तथा रूपल गौतम ने चयनित खिलाड़ी शौर्या पाण्डेय और उनके कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

कांग्रेस धान के समर्थन मूल्य को लेकर करेगीं बड़ा आंदोलन

प्रेसवार्ता लेकर कांग्रेस पदाधिकारीयों ने दी जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार और किसान कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष द्वारा प्रेस वार्ता लेकर मीडिया को जानकारी दी गई की कांग्रेस जल्द ही किसानों को धान का समर्थन मूल्य सहित अन्य किए गए वादों के खिलाफ आंदोलन करने जा रही है, इसके लिए किसानों के साथ कांग्रेस पदाधिकारीयों ने चर्चा की और जल्द ही अक्टूबर महीने में बड़ा आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई गई है। आपको बता दे कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने सरकार बनने पर मोदी गारंटी के रूप में किसानों को धान का समर्थन मूल्य 31 सौ रूपए और गेंहू का समर्थन मूल्य 27 सौ रूपए देने का वादा किया था लेकिन सरकार बनने के लंबे समय बाद भी सरकार, इन वादों को पूरा नहीं कर सकी है, आगामी समय में फिर समर्थन मूल्य में खरीदी होना है, ऐसे में कांग्रेस ने सरकार के किसानों से किए गए वादाखिलाफी को लेकर अक्टूबर में एक बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की है। जिसको लेकर शनिवार को कांग्रेस ने जिला पंचायत अध्यक्ष के निवास पर बैठक की। यहां किसान कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष भुरू पटेल ने बताया कि आगामी 10 से 15 अक्टूबर के बीच, मुख्यालय में किसानों का एक बड़ा आंदोलन, किसान कांग्रेस की अगुवाही में होगा। जिसमें किसानों से भाजपा के किए गए वादो के साथ-साथ, जिले में नकली बीज, खाद्य की कालाबाजारी और किसानों की अन्य समस्याओं पर उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में समय निकल जाने के बाद सोडा आया है, हमें पता चला है कि बालाघाट पहुंची खाद्य की रैक की रैक गायब हो गई। किसान, कांग्रेस, किसान न्याय आंदोलन के रूप में किसानों की समस्याओं पर किसान साथियो के साथ अपनी आवाज बुलंद करेंगें । जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और विधायको के साथ चर्चा कर जल्द ही आंदोलन की तारीख का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने सरकार पर किसानों से धान और गेंहू के समर्थन मूल्य में खरीदी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए बताया कि सरकार किसानों और कर्मचारियों की बातों को नहीं सुन रही है। कांग्रेस ने हमेशा, किसानो की आवाज को बुलंद किया है और आगामी समय में कृषि बाहुल्य बालाघाट जिले में किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों का एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने किसानों से कांग्रेस के साथ आने का आह्वान करते बताया कि कांग्रेस, किसानों की भलाई के लिए हरसंभव प्रयासरत है।

25 वर्ष बाद विहिप, बजरंगदल का त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम आज

लालबर्रा प्रखंड के हाईस्कूल रोड मंडी काम्पलेक्स में आयोजित होगा कार्यक्रम, आयोजित पत्रकारवार्ता में दी गई जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्राकृतिक आपदा हो चाहे देश व धर्म की रक्षा व सुरक्षा की बात देश का अग्रणी संगठन विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सदैव ही तत्परता के साथ आगे रहता है। इसी कड़ी में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के द्वारा आज रविवार को जिले के लालबर्रा प्रखंड में वृहद स्तर पर त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।आयोजित इस कार्यक्रम में जहां बड़ी संख्या में बजरंगी धर्म की रक्षा की बीड़ा उठाकर त्रिशूल दीक्षा ग्रहण करेंगे वहीं संगठन के क्षेत्र व महाकौशल प्रांत के पदाधिकारी अपनी ओजस्व उद्बोधन से लोगों को प्रेरित करेंगे।

त्रिशूल दीक्षा के बाद निकाला जाएगा शौर्य संचलन

कार्यक्रम को लेकर विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा, बजरंग दल जिला संयोजक सुरेन्द्र नगपुरे ने बताया कि बजरंग दल का त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम करीब 25 साल बाद हो रहा है, और यह कार्यक्रम लालबर्रा प्रखंड के हाईस्कूल रोड मंडी काम्पलेक्स में आयोजित होगा और दोपहर करीब 12 बजे एकत्रकरण के बाद स्वरितयवाचन के बाद त्रिशूल दीक्षा का कार्यक्रम होगा जिसमें सात सौ से अधिक बजरंग दल के कार्यकर्ता त्रिशूल दीक्षा ग्रहण और देश रक्षा, धर्म रक्षा का संकल्प लेकर संगठन पर जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे। जिसके बाद उद्बोधन कार्यक्रम होगा जिसमें कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्ववर्धन भट्ट, क्षेत्र संयोजक बजरंग दल भोपाल व विशिष्ट अथिति जितेन्द्र शर्मा प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत, मायाराम सनोडिया,प्रांत मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख, पंकज बिसेन विभागमंत्री सिवनी विभाग शामिल होंगे। इनके अलावा बाबूलाल बोथरा, अरुण अग्रवाल, बसंत सौलाखे सहित अन्य अतिथि शामिल रहेंगे। जिसके बाद शाम के समय नगर में शौर्य संचलन निकाला जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे।कार्यक्रम को लेकर जानकारी देने के दौरान विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष सुशील ठाकुर, जिला सहसंयोजक सहित अन्य मौजूद रहे।

17 सितम्बर से प्रारम्भ होने वाले स्वस्थ नारी सशक्त अभियान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का संचालन दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक किया जाना है । इसके लिए जिले में ऐसी समस्त महिला शक्ति जिनको किसी भी प्रकार की स्वास्थ समस्या हैं वह इस शिविर का लाभ ले सकते है। इसकेलिए एक द्दश्शद्दद्यद्द Ė¤æò×ühttps://forms.gle/~aWvsvsmVqENKFUd{ दिया गया है इस द्दश्शद्दद्यद्द फॉर्म में ऐसी महिलाएं जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं जैसे मोतियाबिंद, हृदय रोग किसी भी प्रकार का कैंसर रोग, बच्चेदानी की समस्या जिसमें ऑपरेशन की जरूरत हो, शरीर में किसी भी प्रकार की सिस्ट या गठन की समस्या या फिर किसी को महिला नसबंदी कराना हो वह इस द्दश्शद्दद्यद्द फॉर्म में अपना पंजीयन करा लें। उनको जिला स्तर से कॉल करके उपचार के लिए तिथि बताई जाएगी और उनका निःशुल्क उपचार स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कराया जाएगा ।समस्त हितग्राही जब उपचार के लिए आएं तो अपने साथ समग्र आई डी, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं अपनी पुरानी जांच के दस्तावेज अनिवार्य रूप से लाएं । अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें प्रातः 10ः00 बजे से शाम 6ः00 बजे तक जिला हस्तक्षेप केंद्र बालाघाट में संपर्क करें।

कार्यालय तहसीलदार तहसील, लामता जिला बालाघाट म.प्र.

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उत्तम नागतोडे पिता दौलतराम नागतोडे जाति कुनबी निवासी लामता वार्ड नं 3 ने अपने नानी सरस्वती बाई पति सदाशिवराव कासार जाति कुनबी निवासी लामता का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार लामता में प्राप्त हुआ है। जिनकी मृत्यु 24/05/1977 को होना बताया गया है। जिसके संबंध में अखबार के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति इश्तहार जारी हो। यदि किसी को भी मृत्यु दिनांक से संबंधित किसी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो नियत समय के भीतर न्यायालय में आकर पेश करें। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं होगा, पश्चात मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा।

ईंश्तहार मेरी पद मुद्रा से जारी।

तहसीलदार लामता

सहकारिता से समर्पण भाव का विकास होता है- किशोर अमूले पूर्व जनपद अध्यक्ष

ग्राम सिंगोड़ी में सहकारिता सेमिनार सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सिंगोड़ी में 12 सितंबर को सरकारी सेमिनार का आयोजन सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित बालाघाट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किशोर अमूले पूर्व जनपद सदस्य अध्यक्ष वारासिवनी ने कहे की सहकारिता से समर्पण भाव का विकास होता है। कार्य के प्रति निष्ठा तथा लगन इस समर्पण का भी परिणाम होता है।स्वयं सेवा की नीव पर ही सहकारिता का प्रसाद खड़ा हुआ है। शोषकों से मुक्ति पाने के लिए अपने हितों की रक्षा स्वयं करके हर प्रकार से स्वावलंबी बनना इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य है। सहकारिता व्यवहार कुशलता के विकास का पूरा अवसर प्रदान करती है। पारस्परिक विश्वास की उत्पत्ति भी इसी माध्यम से होती है ।कार्यक्रम में समिति के प्रशासक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक सी पी सिह द्वारा आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि कोई भी व्यक्ति जो सहकारिता सदस्यता की जिम्मेदारियां को स्वीकार करने के लिए तैयार है और जो सहकारिता की सेवाओं का उपयोग करना चाहता है, उसका सदस्य बनने के लिए स्वागत है। सहकार के दौरान व्यक्ति अपनी हितों को सामूहिक हितों के साथ जोड़ने लगता है। सबके कल्याण में ही उसको अपना कल्याण प्रतीत होने लगता है। सहकारी निरीक्षक राकेश उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता किसी भी प्रकार के भेदभाव को स्वीकार नहीं करती। सहकारिता की धारा में अनुशासन का आभास प्रतिबंध के रूप में नहीं होता बल्कि स्वयं की अनुशासन जीवन जीने का ढंग बन जाता है। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट आईआर भगत ने कहे कि ऐसे आयोजन से हमें एक सुअवसर प्राप्त हुआ है। कि हम अपनी सहकारी गतिविधियों की निष्पक्ष समीक्षा करें कि हमारी अर्जित उपलब्धियां और हमारी त्रुटियां क्या रही है हमारी समीक्षा के बाद ही हम सहकारिता के विकास के लिए सार्थक योजनाएं तैयार कर सकते हैं कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक अमृतलाल टेम्भरे एवं आभार मुकेश दुबे प्रबंधक जिला सहकारी संघ मर्यादित बालाघाट द्वारा किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल प्राचार्यो की हुई समीक्षा बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दिनांक 13 सितंबर 2025 को दोपहर 01 बजे सांदीपनि (सीएम राईज) वि0 बालाघाट के सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट श्री ए.के. उपाध्यक्ष द्वारा जिले के प्राचार्य की समीक्षा बैठक लेकर विद्यालय में आयोजित होने वाली गतिविधियों, सेवा पखवाड़ा अभियान, मिशन कर्मयोगी, मेगा वृक्षारोपण, समेकित छात्रवृत्ति, असफल भुगतान बैंक खातों का अपडेशन, सीएम हेल्पलाईन, त्रैमासिक परीक्षा परिणाम, समग्र शिक्षा सेकेण्ड्री एजुकेशन डिजीगो पोर्टल अंतर्गत आय-व्यय की समीक्षा, पीएमश्री योजना अंतर्गत एसएनए-स्पर्श एवं निःशुल्क साईकिल योजना के संबंध में निर्देश दिए गए । सभी प्राचार्य को योजनाओं की जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन जाना सुनिश्चित करें । बैठक में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय बालाघाट उपस्थित रहे ।

आवश्यकता है

वारासिवनी स्थित क्लिनिक एवं दवा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है।

पद-3

वेतनमान योग्यतानुसार

सम्पर्क करें- 9893833533, 424019660

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मोः- 8989976858, 9425139998

हिंदी दिवस पर विशेष : हिंदी दिवस आज, अपने ही देश में बेगानी हो रही हिंदी

स्कूल, कॉलेज से लेकर सरकारी और निजी संस्थाओं में भी बढ़ रहा अंग्रेजी भाषा का चलन, साहित्यकारों ने जताई चिंता,कहा सभी हिंदी के लिए करे प्रयास

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हिंदी कहने को तो हमारी मात्र भाषा और प्रथम भाषा है। लेकिन धीरे-धीरे कर हमारी भाषा चलन से बाहर होते जा रही हैं। आज के इस युग मे युवा पीढ़ी तो ठीक ढंग से हिंदी बोल व पढ़ भी नहीं पाती है।कुछ देर की बोलचाल में ही वे कई बार अंग्रेजी के शब्दों का उपयोग करने लगते हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो अपने ही देश में हमारी मात्र भाषा हिंदी बेगानी हो गई है।कुछ इसी तरह के विचार हिंदी दिवस को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पद्मेश न्यूज, बालाघाट एक्सप्रेस अखबार को मिले है।जिसमे जिले के साहित्यकारों ने हिंदी की इस दुर्दशा पर चिंता जाहिर करते हुए, हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए आम लोगो के साथ साथ सरकार से भी कोई पहल करने की बात कही है। जिन्होंने चिंता जताते हुए स्पष्ट कहा है कि यदि अंग्रेजी का चलन इसी तरह बढ़ता रहा तो वह दिन दूर नहीं कि हिंदी की जगह अंग्रेजी भाषा ले लेगी और हिंदी चलन से बाहर हो जाएगी।

सरकारी संस्थाओं में भी अंग्रेजी का बढ़ा चलन

आज हिंदी दिवस को लेकर जब नगर का भ्रमण किया गया तो ऐसे कई शासकीय, अशासकीय कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थान मिले जहां पर हिंदी शब्दों की जगह अंग्रेजी शब्दों का उपयोग बहुताय में किया गया है। इस दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय, पोस्ट ऑफिस, सीएम राइस स्कूल सहित ऐसे कई सरकारी व निजी संस्थान नजर आए जिन्होंने जगह-जगह अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया है। तो वही हिंदी को काफी कम महत्व दिया गया है। वही कई बच्चों को वर्णमाला या हिंदी माह के नाम तक की जानकारी नहीं है।वही कई जानकारों ने चर्चा के दौरान हिंदी में बात करते-करते कई बार अंग्रेजी शब्दों का उपयोग किया।कुल मिलाकर कहा जाए तो अंग्रेजों के जाने के बाद भी अंग्रेजी शब्दों का उपयोग बंद नहीं हुआ। जिसका उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जिसे देखते हुए अब ऐसा लगने लगा है कि अपने ही देश में मातृभाषा हिंदी बेगानी हो गई है और अंग्रेजी भाषा ने पूरे देश में अपना प्रभाव बढ़ा लिया है।

हिंदी की गिनती और हिंदी माह के नाम प्रचलन से हो गए गायब

हिंदी दिवस पर चिंता करने वाली बात यह है कि धीरे-धीरे देश की मातृभाषा हिंदी लगातार अपना अस्तित्व खोते हुए नजर आ रही है। जिसकी जगह अंग्रेजी भाषा लगातार अपनी पकड़ मजबूत बनते दिख रही है। बात अगर हिंदी की गिनती १,२,३,४,५,६.... की करे तो अब हिंदी की इस गिनती की जगह 1,2,3,4,5, 6 ने ले ली है। तो वही हिंदी माह के नाम चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण,भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ तथा फाल्गुन की जगह अब जनवरी-फरवरी मार्च, अप्रैल मई जून जुलाई अगस्त ,सितंबर अक्टूम्बर नवंबर व दिसंबर हो गए हैं। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, टेबल बेंच, स्कूल, कालेज, मोबाइल, शर्ट- टी-शर्ट, बाइक, ब्लैकबोर्ड, नोट बुक, कंप्यूटर, सीलिंग फैन ,टेबल फैन सहित ऐसे कई शब्द है जिसको हिंदी में बोलना ही बंद कर दिया गया है। जहां ज्यादातर लोग इसके हिंदी शब्द का उच्चारण तक नहीं कर पाए तो वही इन शब्दों को हिंदी में बोलना तक पसंद नहीं कर रहे हैं।कुल मिलाकर कहा जाए तो ऐसे कई उदाहरण है जिन्हें देखकर कहा जा सकता है कि हिंदी धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खो रही है और अपने ही देश में बेगानी सी नजर आ रही है।

हिंदी के अंत की एक वजह यह भी

बात अगर हिंदी के अस्तित्व की करें तो लगातार हिंदी भाषा अंत की ओर दिखाई दे रही है जिसकी प्रमुख वजह अंग्रेजी बोलने वालों या फिर अंग्रेजी शब्दों का उपयोग करने वालों को पढ़ा लिखा तबका समझा जाने लगा है। या फिर लोगों को प्रभावित करने, नौकरी पाने, अपने आप को पढ़ा-लिखा दिखाने सहित ऐसे अन्य कारण है जिसके कारण लोग हिंदी की जगह अंग्रेजी को महत्व देने लगे हैं। वही अभिभावक भी अपने बच्चों को हिंदी की पाठशाला में पढाने की जगह अंग्रेजी माध्यम में पढाना पसंद कर रहे हैं। तो वही बचपन से लेकर उन्हें अंग्रेजी में पकड़ मजबूत करने की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा ऐसे कई अभिभावक है जो अपने बच्चों को अन्य बच्चों से प्रभावशील दिखाने के लिए उनसे इंग्लिश में ही वार्तालाप कर रहे हैं।वही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने की सलाह दे रहे है। हिंदी के अस्तित्व का इस बात से भी आंकलन किया जा सकता है कि आज नौनिहाल बच्चे हिंदी वर्णमाला अ, आ, इ, ई, उ ,ऊँ लिखने और पढ़ने की जगह इंग्लिश में ए बी सी डी पढ़ना लिखना अधिक पसंद कर रहे हैं। तो वही इंग्लिश भाषा उन्हें हिंदी से आसान लग रही है।

हिंदी को अब तक नहीं मिला राष्ट्र भाषा का दर्जा

हर साल १४ सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।हिंदी दुनियाभर की उन भाषाओं में शामिल है, जो सबसे ज्यादा बोली जाती हैं।हालांकि हिंदी को लेकर कई लोग भृमित भी रहते हैं, क्योंकि भारत में हिंदी सबसे ज्यादा बोली जाती है।ऐसे में लोगों को लगता है कि ये भारत की राष्ट्रभाषा है,जबकि ऐसा नहीं है।हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है।दरअसल आजादी के बाद कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी और नरसिम्हा गोपालस्वामी आयंगर को भाषा संबंधी कानून बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी।बाबा साहब अंबेडकर की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में हिंदी भाषा को लेकर खूब चर्चा हुई। आखिरकार १४ सितंबर १९४९ को एक कानून बनाया गया।संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 के तहत बने इस कानून में कहा गया कि हिंदी भारत की राजभाषा के तौर पर रहेगी।इसे तब राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया। इसके बाद से ही १४ सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।संविधान निर्माताओं ने ये भी लिखा था कि सरकार का ये कर्तव्य होगा कि वो हिंदी भाषा को प्रचारित करे और उसे आगे बढ़ाए।इसके अलावा ये भी कहा गया कि हिंदी का शब्दकोश और मजबूत किया जाना चाहिए।हालांकि हिंदी को लेकर सरकारों का रुख ऐसा नहीं रहा।

हिंदी शून्य होती जा रही है

साहित्यकारो के अनुसार आज के परिपेक्ष में हिंदी लगातार शून्य होती जा रही है, यह दुर्भाग्य का विषय है। बच्चे भी हिंदी अंक नहीं लिख पाते, किसी मोबाइल नंबर के अंक तक अंग्रेजी में लिखते हैं।आज की हिंदी भाषा में अंग्रेजी के शब्द आ गए हैं।पहले विद्यालयों में हिंदी विषय को लेकर शुद्ध लेखन लिखाया जाता था वह भी आजकल बंद कर दिया गया है।यदि ऐसा ही दौर चलता रहा तो हिंदी समाप्त हो जाएगी यह काफी चिंता का विषय है। इस पर हर किसी ने ध्यान देना चाहिए।

हिंदी को लेकर प्रोत्साहित करना चाहिए- राजेंद्र

वही साहित्यकार व कवि राजेन्द्र शुक्ल के अनुसार सरकारी संस्थाओं में भी हिंदी भाषा की उपेक्षा होगी तो हम कैसे निजी संस्थाओं को हिंदी के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित कर सकेंगे। आज भी हिंदी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है लेकिन ज्यादातर लोग हिंदी भाषा में अंग्रेजी शब्दों का उपयोग करने लगे हैं यह चिंता का विषय है। इस पर हर किसी ने ध्यान देना चाहिए मातृभाषा को आगे बढ़ना चाहिए। सरकार ने भी हिंदी को लेकर प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो पूरे देश में बोली जाती है। हर कोई इस भाषा को समझता है फिर भी पता नहीं क्यों हिंदी के महत्व को काम करके अंग्रेजी भाषा को महत्व दिया जा रहा है।हिंदी के लिए हर किसी ने प्रयास करना चाहिए।

सिर्फ हिंदी दिवस पर आती है हिंदी भाषा की याद- साहेब लाल

वही साहित्यकार साहेबलाल दशरिये (सरल) के अनुसार आज हिंदी दिवस मनाकर हिंदी भाषा के उत्थान को लेकर बातें की जाएगी। लेकिन दिवस गुजरते ही व्यवस्था पुराने ढर्रे पर आ जाती है। एक दिन हिंदी भाषा को लेकर अफसोस मनाने से कुछ नहीं होगा। बल्कि सरकार के साथ ही हर नागरिक व हिंदी भाषा प्रेमी को इसके लिए वृहद जनजागरूकता का अभियान और शुरूआत स्वयं से करनी होगी। तब कुछ हद तक से हिंदी भाषा के पतन को रोका जा सकता है। आज भी देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। जब से अंग्रेजी भाषा की हवा चली है तब से लोग अंग्रेजी की तरफ बढ़ रहे हैं लेकिन हिंदी अपना अस्तित्व बनाये हुए हैं। इसके लिए लगातार प्रयास करने की जरूरत है ।हिंदी में बात करने वाले को कम पढ़ा लिखा और अंग्रेजी में बात करने वाले को अधिक पढ़ा लिखा समझा जाने लगा है जो कि गलत है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन हिंदी पीछे जाएगी।हर किसी ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए।

प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं तो नहीं बन रही मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने किया निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी कतरोलिया ने शहर में बन रही दुर्गा प्रतिमाओं का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने बताया कि शासन के नियम अनुसार वह शहर में बन रही दुर्गा प्रतिमा प्लास्टर ऑफ पेरिस से तो नहीं बनाई जा रही है, इसका निरीक्षण किया गया , जिन्हें शहर के अलग-अलग क्षेत्र में बन रही प्रतिमाओं में सभी प्रतिमाएं मिट्टी की बनाई जा रही हैं , उन्होंने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनने वाली प्रतिमाओं को बैन किया गया है , इसलिए आज उन्होंने प्लास्टर ऑफ पेरिस से प्रतिमाएं तो नहीं बन रही, इसका शहर के अलग-अलग वार्डों में निरीक्षण किया किंतु कहीं भी प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं निर्मित होती नहीं पाई गयी। आपको बता दे की 13 सितंबर को मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी कतरोलिया ने शहर में बन रही दुर्गा प्रतिमाओं के मूर्तिकारों के पास जाकर दुर्गा प्रतिमाओं का निरीक्षण किया और उन्होंने बताया कि पहले लोग प्रतिमाओं को आकर्षित बनाने के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस का सहारा लेते थे , जो विसर्जन के समय पानी में घुलती नहीं और यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है, इसलिए शासन के नियम अनुसार प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनने वाली प्रतिमाओं को बैन किया गया है और उसी का निरीक्षण आज उनके द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्र में प्लास्टर ऑफ पेरिस से प्रतिमाएं नहीं बनाई जा रही है, इसका निरीक्षण किया गया , किंतु सभी जगह शहर में मिट्टी की ही दुर्गा प्रतिमाएं बनाई जा रही है, उन्होंने मूर्तिकारों से भी अपील की है कि वह सिर्फ मिट्टी की ही प्रतिमाएं बनाएं, क्योंकि प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाएं पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाती है और वह विसर्जन के समय पानी में घुलती नहीं इसी का आज उनके द्वारा नपा अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ निरीक्षण किया गया। उन्होंने दुकानदारों से मिट्टी की प्रतिमाएं बनाने और बेचने की अपील की है। साथ ही नागरिकों से भी मिट्टी की मूर्तियां खरीदने की अपील की हैं ।

माँ के बाद बेटे का शव बरामद, पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया शव

बहेला के अमेडा बाघ नदी का मामला, जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गुरुवार की शाम नदी पार करते समय पानी में बहे मां - बेटे के शव को बरामद कर लिया गया है। जहां घटना की दूसरे दिन शुक्रवार को बहेला के ग्राम अमेडा (ब) निवासी 55 वर्षीय महिला कमलाबाई मरकाम का शव बरामद करने के बाद, एसडीईआरएफ की टीम ने महिला के 17 वर्षीय पुत्र गज्जू मरकाम का शव घटना के तीसरे दिन शनिवार की सुबहा बाघ नदी के पानी से बरामद किया। जहां शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।आपको बताएं कि गुरुवार की शाम बहेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमेडा स्थित बाघ नदी में रपटा पार करते समय तेज पानी की धार में मां- बेटे बह गए थे। जिनकी पिछले दो दिनों से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही थी। इन दोनों ही शव को बरामद कर, आवश्यक कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है तो वही स्थानीय पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गुरुवार को नदी का रपटा पार करते समय हुआ था हादसा

ज्ञात हो कि गुरूवार की शाम, महाराष्ट्र के सालेकसा चिंगलुटोला से छोटी बाघ नदी के रास्ते में बने रपटे से गांव अमेड़ा-ब, आते समय छोटी बाघ नदी में आए पानी के तेज बहाव में दोनो मां-बेटे बह गए थे।जिन्हें खोजने के लिए एसडीईआरएफ की टीम तलाशी अभियान चला रही थी, लेकिन नदी में पानी का तेज बहाव होने के कारण, तलाशी में आ रही दिक्कत के बावजूद, शुक्रवार को टीम ने मां कमलाबाई मरकाम और शनिवार को युवक गज्जु मरकाम का शव बरामद करके, पुलिस को सौंप दिया है।

खेड़ेपार पुलिया के पास मिला युवक का शव

नदी में बहे युवक की तलाश कर रही एसडीईआरएफ की टीम ने तलाशी के दौरान बहेला के खेड़ेपार पुल के पास से युवक गज्जु मरकाम का शव शनिवार की सुबह बरामद किया है।बताया गया कि शनिवार को बहेला के खेड़ेपार पुलिया में सुबह सैर करने गए लोगो ने पानी के भीतर युवक की लाश उतराते हुई देखी, जिसकी सूचना उन्होंने गांव के सरपंच को दी।सरपंच ने बहेला पुलिस को जानकारी से अवगत कराया।जिसपर एसडीईआरएफ को मामले की सूचना मिलने पर उन्होंने युवक का शव बरामद कर पुलिस के सुपुर्द किया ।जहां बहेला पुलिस ने थाना अंतर्गत अमेड़ा-ब, निवासी गज्जु मरकाम का शव बरामद कर उसे पीएम के लिए भिजवाया।जहां परिजनों के बयान दर्ज कर मर्ग कायम किया गया।वहीं अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर मां -बेटे दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

दोनो ही शवों का एक ही दिन हुआ अंतिम संस्कार

ज्ञात हो कि अमेड़ा-ब निवासी कमलाबाई मरकाम, अपने बेटी के ससुराल महाराष्ट्र के सालेकसा थाना अंतर्गत चिंगलुटोला, बेटे गज्जु के साथ गई थी। जो गुरूवार को शाम, वापस आ रही थी। इसी दौरान बहेला थाना क्षेत्र के अमेड़ा-ब और सालेकसा थाना क्षेत्र का गांव चिंगलुटोला के बीच बहने वाली छोटी बाघ नदी के रास्ता पार करते समय, दोनो मां-बेटे बह गए थे। जिसके बाद, से महाराष्ट्र की सालेकसा और मध्यप्रदेश की बहेला पुलिस, नदी में बहे मां-बेटे की तलाश कर रही थी। फिलहाल एसडीईआरएफ की टीम ने दो दिनों तक चले तलाशी अभियान के बाद मां-बेटे का शव बरामद कर लिया है।पीएम के बाद परिजनों द्वारा दोनो के शव का अंतिम संस्कार अमेड़ा-ब में किया गया।

रात्रि गश्त के दौरान नवेगांव पुलिस ने 20 मिनट में चोरी हुई मोटर साइकिल की बरामद, शातिर चोर गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । थाना नवेगांव पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए 20 मिनट में चोरी की हुई मोटर साइकिल बरामद कर ली। इस कार्रवाई में एक शातिर चोर गिरफ्तार हुआ है तथा एक नाबालिग को भी बाल न्यायलय अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया है। आपको बता दे कि 12 एवं 13 सितंबर की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे रात्रि गश्त में तैनात आरक्षक हरिराम ने नवेगांव मार्ग पर संदिग्ध अवस्था में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रोका और तत्काल थाना प्रभारी अमित अग्रवाल को सूचना दी । थाना प्रभारी तत्काल थाना स्टाफ के साथ पहुचकर संदिग्ध से पूछताछ की गई । पूछताछ में एक आरोपी की पहचान शातिर चोर मीत बिसेन पिता राजकुमार बिसेन, उम्र 18 वर्ष, निवासी प्रेम नगर, बालाघाट के रूप में हुई। उसने अपने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर गायखुरी क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस जब आरोपियों को लेकर गायखुरी घटनास्थल पहुँची, तो उन्होंने जिस घर की ओर इशारा किया, वहाँ वाहन मालिक नरेश नगपुरे पिता गणेश नगपुरे , निवासी वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी पहले से ही अपनी चोरी हुई मोटरसाइकिल को ढूँढने के लिए परेशान घूम रहा था । बात करने पर पता चला कि उन्ही के घर से कुछ ही मिनटो पहले मोटरसाइकिल चोरी की गयी थी । तब पुलिस ने उन्हें बताया की रात्रि गस्त कर वाहन चोर को मोटरसाइकिल सहित चंद मिनटो पहले गिरफ्तार किया है तब नरेश नगपुरे ने बालाघाट पुलिस की तत्परता से कार्यवाही की सराहना की । नरेश नगपुरे ने यह भी बताया कि उनके द्वारा अपने बेटे के लिए बीते 4 महीने पहले ही दो पहिया वाहन 1,18000 रूपये में खरीदा है और अभी मोटरसाइकिल किस्तों में ही चल रही है , 12 सितंबर की रात्रि में उनका बेटा बाहर से आया और गाड़ी में चाबी लगी हुई ही छोड़ दिया था , किंतु वह रात्रि लगभग 1:00 बजे के बाद उन्होंने देखा तो उनकी मोटरसाइकिल घर पर नहीं थी और उनके घर के दरवाजे को भी बाहर से चोरों द्वारा लाक कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने दरवाजा खोलकर अपने घर के आस-पास अपनी गाड़ी को ढूंढ रहे थे, तभी पुलिस चोर और गाड़ी को लेकर वहां पहुंच गई , उन्हें आश्चर्य हुआ कि उनकी गाड़ी इतनी जल्दी पुलिस ने ढूंढ दी, उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को सराहनीय बताया । आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत प्रकरण पंजीबद्ध करते हुये मामले की विवेचना कोतवाली पुलिस कर रही है।

भालू के शावक के हमले में कृषक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मगरदर्रा की हिरमुटोला में कृषक पर भालू के शावक ने हमला कर। उसके जांघ को अपने जबड़े से पकड़ लिया। 12 सितंबर की रात्रि 8:00 बजे यह घटना उस समय हुई जब यह कृषक अपने खेत से घर लौट रहा था। भालू के शावक के हमले में घायल कृषक दयाराम पिता बिच्छूसिह नेती 56 वर्ष ग्राम हिरमु टोला निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दयाराम नेती अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 12 सितंबर की शाम कृषक दयाराम नेती अपने खेत बंदर खेदने के लिए गए थे। इसी दौरान पानी गिरने से वह खेत में बनी झोपड़ी में चले गए थे। रात्रि 8:00 बजे पानी गिरना बंद होने पर कृषक दयाराम नेती अपने खेत से पैदल अपने घर जाने निकले थे। तभी नाले किनारे खेत में एक भालू और उसके दो शावक मिले जिनमे भालू के एक शावक ने कृषक दयाराम नेती पर हमला करके उसके बाएं पैर की जांघ को अपने जबड़े में पकड़ लिया। तभी कृषक दयाराम नेती ने भालू के शावक को पकड़कर पटक दिया। इसके बाद भालू अपने दो शावक के साथ वहा से भाग खड़ी हुई। भालू के शावक के हमले में घायल कृषक दयाराम नेती जैसे तैसे लकड़ी टेकते हुए अपने घर पहुंचा। 13 सितंबर को कृषक दयाराम नेती को उसके परिवार वालों ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है।

खमरिया हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने भौतिक शास्त्र की शिक्षिका की पढ़ाई के प्रति जताया असंतोष

विद्यार्थियों ने शिक्षिका पर मारपीट करने, समय पर पीरियड नही लेने, मानसिक रूप से परेशान करने का लगाया आरोप

शिक्षिका को स्कूल से हटाने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन, नहीं हटाने पर स्कूल नहीं आने की विद्यार्थियों ने दी चेतावनी, समझाईश के बाद आक्रोश हुआ शांत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत खमरिया स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थी भौतिक शास्त्र की शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन की पढ़ाई से संतुष्ट नही (असंतोष) है। जिससे परेशान स्कूल के विद्यार्थियों ने शनिवार को स्कूल परिसर से बाहर निकलकर शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन को स्कूल से अन्यंत्र स्कूल स्थान भेजने, उनसे पढ़ाई नही करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वहीं विद्यार्थियों ने शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन पर कक्षा में समय पर नही आने, सही तरीके से नही पढ़ाने, मारपीट करने सहित थोड़ी-थोड़ी बातों के लिए दुव्यर्वहार करने का आरोप लगाते हुए स्कूल से हटाने (स्थानांतरण) करने की मांग की है। विद्यार्थियों के द्वारा शिक्षिका श्रीमती बिसेन का विरोध करने की जानकारी लगने के बाद स्कूल प्राचार्य, ग्राम सरपंच एवं जनपद सदस्य स्कूल परिसर पहुंचकर विद्यार्थियों को समझाईश देते हुए कहा कि आपकी जो भी मांगे है पूरी कर दी जायेगी। जिसके बाद विद्यार्थियों का आक्रोश शांत हुआ तत्पश्चात सभी विद्यार्थी कक्षा में प्रवेश कर शिक्षा अध्यापन कार्य किये। वहीं विद्यार्थियों के आक्रोश को देखते हुए शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन स्कूल से चले गई और माध्यमिक स्कूल में रूकी रही। अगर वह स्कूल में उपस्थित रहती तो विद्यार्थियों का आक्रोश और बढ़ सकता था। वही विद्यार्थियों ने शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन के स्कूल परिसर में दिखाई देने पर पुनः विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी स्कूल प्रशासन को दी है।

मांगे पूरी नही होने पर पुनः विरोध प्रदर्शन की दी चेतावनी

आपकों बता दे कि खमरिया स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में भौतिक शास्त्र की शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन वर्ष 2011 से पदस्थ है जिनके द्वारा बच्चों को शिक्षा प्रदान की जा रही है और इसके पूर्व के परीक्षा परिणाम भी अच्छे रहे है। वहीं विद्यालय में कक्षा 9 से 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित होती है और गत दिवस ही त्रैमासिक परीक्षा संपन्न हुई है जिसकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन कार्य स्कूल में जारी है। शिक्षिका श्रीमती बिसेन भौतिक शास्त्र विषय पढ़ाने का कार्य करती है। लेकिन स्कूल में अध्यनरत विद्यार्थियों का कहना है कि उनके द्वारा जो पढ़ाया जाता है वह समझ में नही आता है एवं हम लोग संतुष्ट नही है। साथ वह कालखण्ड शुरू होने के 20 से 25 मिनट बाद कक्षा में पहुंचती है एवं ठीक तरह से नही पढ़ाती है। साथ ही थोड़ी-थोड़ी बातों में गुस्से में आकर मारपीट एवं गलत व्यवहार करती है, जिससे हम लोग परेशान है। विद्यार्थियों ने शनिवार को शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन के खिलाफ मोर्चा खोलकर उसे स्कूल से हटाने (स्थानांतरण) किये जाने एवं मांगे पूरी नही होने पर स्कूल नही आने की चेतावनी दी हैं। जिसके बाद स्कूल प्राचार्य एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आक्रोशित विद्यार्थियों को समझाईश दिये जिसके बाद उनका आक्रोश शांत हुआ।

शिकायत करने पर प्रैक्टिकल में कम नंबर देती है मेम - खुशी

छात्रा खुशी बिसेन ने बताया कि भौतिक शास्त्र की शिक्षिका श्रीमती बिसेन मेम जो पढ़ाती है वह समझ में नही आता है एवं समय पर पीरियड भी नही लेती है एवं समय पर कक्षा में भी नही पहुंचती है। अगर शिकायत करते है तो उनकी प्रति घृणा रखते हुए प्रैक्टिकल में कम नंबर दिया जाता है, होमवर्क नही करने पर दीवाल में खड़ाकर कर परेशान करती है जिससे सभी विद्यार्थी परेशान है। शनिवार को सभी विद्यार्थियों ने भारती बिसेन मेम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर उन्हे स्कूल से अन्यंत्र स्थान पर भेजने की मांग की है और मेडम स्कूल आती है तो हम लोग स्कूल नही आयेगें।

शिक्षिका भारती बिसेन का किया जाये स्थानांतरण - मयंक

छात्र मयंक हरिनखेड़े ने बताया कि भारती मेम के द्वारा सही तरीके से पढ़ाया नही जाता है एवं बच्चों को किसी प्रश्न पर डाउट होता है और मेडम से पूछते है तो उन्हे कक्षा से बाहर कर दिया जाता है। साथ ही जो पाठ्यक्रम 10 दिन चलना चाहिए उसे 7 दिन में ही खत्म कर देती है एवं उनके द्वारा जो भी पढ़ाया जाता है वह समझ में भी नही आता है और ब'चों की नाक को दीवाल पर रगड़ती है। इसलिए हमारी मांग है कि भारती बिसेन मेम का स्कूल से स्थानांतरण कर दिया जाये, उनसे कोई भी ब'चा पढ़ाई नही करेगें।

सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है - भारती

दूरभाष पर चर्चा में शास. उमावि. खमरिया की भौतिक शास्त्र की शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन ने बताया कि मैं स्कूल में वर्ष 2011 से पदस्थ हूं और मेरे विषय का परीक्षा परिणाम हर वर्ष बेहतर रहता है। स्कूल के एक-दो शिक्षक मेरे से वैमनस्यता रखते हुए विद्यार्थियों को मेरे खिलाफ उकसाने का काम कर रहे है और उन्ही के कहने पर विद्यार्थी मेरा विरोध कर रहे है। जबकि मेरे द्वारा समय पर कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों को पढ़ाने का काम किया जाता है। समय पर कक्षा में नही पहुंचने, गलत व्यवहार सहित अन्य आरोप जो विद्यार्थियों के द्वारा लगाये गये है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है।

समझाइश के बाद विद्यार्थियों का आक्रोश हो गया शांत - दिलीप

वरिष्ठ अध्यापक दिलीपकुमार मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों के द्वारा शिक्षिका भारती बिसेन की पढ़ाई को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई है कि मेडम समय पर पीरियड नही लेती है, उनके द्वारा जो पढ़ाया जाता है वह समझ में नही आता है। जबकि उनके विषय का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष शत प्रतिशत रहा है, विद्यार्थियों में अचानक उनके प्रति नाराजगी कैसे आ गई समझ नही आया। श्री मिश्रा ने बताया कि समय पर पीरियड नही लेने, मारने सहित अन्य शिकायत पूर्व में बच्चों के द्वारा नही की गई है, आज अचानक सभी ब'चें बाहर निकलकर मेडम का विरोध करने लगे। जिसके बाद सरपंच एवं शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को समझाया गया उसके बाद मामला शांत हो गया और सभी विद्यार्थी कक्ष में पहुंचकर अध्यापन कार्य किये।

बजरंग दल प्रांत संयोजक यतेन्द्र पाठक का हुआ नगरागमन

भगवा बाईक रैली निकालकर किया गया नगर भ्रमण, विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित राजाभोज जैविक प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल के तत्वाधान में 14 सितंबर को दोपहर 12 बजे से विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम के एक दिन पूर्व 13 सितंबर को बजरंग दल प्रांत संयोजक यतेन्द्र पाठक का लालबर्रा नगरागमन हुआ। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जिला बालाघाट एवं प्रखंड लालबर्रा के कार्यकर्ताओं के द्वारा श्री पाठक को भगवा गमछा भेंट कर स्वागत किया। तत्पश्चात प्रांत संयोजक यतेन्द्र पाठक के द्वारा विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। जिसके बाद माँ सरस्वती मंच के सामने स्थित शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल पहुंचकर भगवा ध्वज का अनावरण किया गया तत्पश्चात मंडी काम्पलेक्स परिसर से त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन जनजागरण हेतु भगवा बाईक रैली डीजे की धुन एवं जय श्री राम, भारत माता की जय के जयकारे के साथ निकाली गई। यह भगवा बाईक रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए मंडी प्रांगण पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। इस भगवा बाईक रैली के माध्यम से नगरवासियों से 14 सितंबर को आयोजित विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। चर्चा में बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि महाकौशल प्रांत अंतर्गत विश्व हिंदु परिषद जिला बालाघाट के प्रखंड लालबर्रा में 14 सितंबर को दोपहर 12 बजे से विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन गया है। कार्यक्रम के एक दिन पूर्व 13 सितंबर को बजरंग दल प्रांत संयोजक यतेन्द्र पाठक जी का नगरागमन हुआ जिनका भव्य स्वागत किया गया एवं भगवा बाईक रैली निकालकर लोगों को 14 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की गई है। इस अवसर पर बजरंग दल प्रांत संयोजक यतेन्द्र पाठक जी के साथ विभाग संयोजक सिवनी विभाग देवेन्द्र सेन, विभाग मंत्री पंकज बिसेन, जिला, प्रखंड पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

क्षेत्र में झमाझम बारिश होने से नदी-नाले उफान पर

कंजई, कटंगटोला, जबलटोला सहित अन्य नालों पर बने पुल के ऊपर से बह रहा पानी, आवागमन हुआ बाधित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार की रात में तेज बादल गर्जना के साथ झमाझम बारिश होने से क्षेत्र के अधिकांश नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो चुकी है। साथ ही बालाघाट से सिवनी हाई मार्ग स्थित कटंगटोला, सिहोरा, कंजई गायत्री मंदिर के समीप, कंजई बेरियर, जबलटोला से बिठली पहुंच मार्ग पर बने पुल सहित अन्य नालों के ऊपर बने पुल से अत्यधिक पानी बहने के कारण आवागमन बाधित हो चुका था। उसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर नाला पार कर आवागमन कर रहे है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं कंजई के गायत्री मंदिर के समीप स्थित नाले के ऊपर से अत्यधिक पानी बहने एवं नाला में बाढ़ आने के कारण नाला के समीप निवासरत लोगों के मकानों के अंदर तक पानी चले जाने से काफी नुकसान हुआ है और नाला में जल का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। जिससे जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। साथ ही हाईवे मार्ग स्थित कटंगटोला, कंजई स्थित नाले के ऊपर बने पुल के ऊपर से अत्यधिक पानी बहने की स्थिति में पुल के दोनों साईड चौपहिया सहित अन्य वाहनों की लंबी कतार लग दोपहर तक लग गई थी। किन्तु शाम में पानी का स्तर कम होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से प्रारंभ हुआ है। लेकिन पहाड़ी क्षेत्र में तेज बारिश होने के कारण अचानक पानी का स्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। इस तरह से शुक्रवार की रात एवं शनिवार की अलसुबह हुई तेज बारिश के कारण क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर चल रहे है। वहीं स्थानीय प्रशासन के द्वारा भी नदी-नालों के समीप पहुंचकर आने-जाने वालों को पुल के ऊपर अत्यधिक पानी बहने पर आवागमन न करने समझाईश भी दी गई। लेकिन कुछ लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जिस तरह से शुक्रवार की रात्रि में हुई बारिश की तरह अगर शनिवार की रात्रि में एवं रविवार को तेज बारिश होती है तो पूरा क्षेत्र जलमग्न हो सकता है। साथ ही खेत में लगी धान जो गर्भ में आ चुकी है उसे काफी नुकसान होने की संभावना बनी हुई है। वहीं लंबे समय बाद तेज बारिश नही होने से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है और टेल क्षेत्र में पानी के अभाव में जो फसल प्रभावित हो रही थी उसके लिए यह बारिश संजीवनी का काम किया है। शुक्रवार की रात्रि में तेज बादल-गर्जना के साथ हुई झमाझम बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर चल रहे है। लेकिन अब तक क्षेत्र में किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने की कोई जानकारी सामने नही आई है।

भाजपाईयों ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पानी टंकी, पशु चिकित्सालय एवं पीडब्ल्यूडी की भूमि को सीएम राइज स्कूल परिसर में शामिल करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भाजपा मंडल लालबर्रा के बैनर तले भाजपाई बड़ी संख्या में शनिवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा के समीप स्थित 40 वर्ष पुरानी पानी टंकी, जवाहर भवन को डिस्मेंटल किया गया है। उसके साथ ही पशु चिकित्सालय व पीडब्ल्यूडी विभाग की कुछ भूमि खाली पड़ी हुई है जिसे सीएम राइज स्कूल लालबर्रा परिसर में शामिल करने। यानि सीएम राइज स्कूल के लिए जमीन संरक्षित करने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी भी दी है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि शास. सीएम राइज स्कूल लालबर्रा नगर मुख्यालय के बीचों-बीच स्थित है और इसी मार्ग पर अस्पताल, तहसील, जनपद, कालेज संचालित हो रहा है। साथ ही विगत वर्ष से लालबर्रा में सीएम राइज स्कूल स्वीकृत है, जमीन के अभाव में भवन निर्माण हेतु परेशानी होगी। वहीं स्कूल खेल परिसर के समीप स्थित पानी टंकी व जवाहर भवन को डिस्मेंटल कर दिया गया है और स्कूल के पास 3 एकड़ 82 डिस्मिल भूमि उपलब्ध है। जबकि सीएम राइज स्कूल के लिए लगभग 4 एकड़ 80 डिस्मिल भूमि की आवश्यकता है। सीएम राइज स्कूल के आसपास शास. भूमि अन्य विभाग की है, इस शास. भूमि को संरक्षित कर सीएम राइज स्कूल में शामिल कर दिया जाता है तो सीएम राइज स्कूल का नवीन भवन बनाने में सुविधा होगी। स्कूल परिसर से लगी हुई शासकीय भूमि पर ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच काम्पलेक्स का निर्माण करवाना चाह रही है जिस पर तत्काल रोक लगाकर उक्त भूमि को सीएम राइज स्कूल के लिए संरक्षित करने की मांग की है। इसी मांग को लेकर शनिवार को भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर पानी टंकी, पशु चिकित्सालय एवं पीडब्यूडी की भूमि को सीएम राइज स्कूल परिसर में शामिल करने की मांग की है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता मात्ते, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पांढरवानी उपसरपंच राकेश अग्रवाल, नगराध्यक्ष संजीव अवधिया, राहुल शुक्ला, ठानेन्द्र ठाकरे, मयंक मात्ते सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम राइज स्कूल का भवन बनना प्रस्तावित है

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता मात्ते, नगराध्यक्ष संजीव अवधिया ने संयुक्त रूप से बताया कि लालबर्रा उत्कृष्ट विद्यालय को सीएम राइज स्कूल की सौगात प्रदेश सरकार ने दे दी है और स्कूल का भवन बनना प्रस्तावित है एवं भवन के लिए 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। लेकिन स्कूल के पास 3 एकड़ 82 डिस्मिल भूमि है इसलिए हमारी मांग है कि पानी टंकी, जवाहर भवन को डिस्मेंटल कर दिया गया है एवं पीडब्ल्यूडी, पशु चिकित्सालय की जो भूमि रिक्त है ये सभी शास. भूमि को स्कूल परिसर में शामिल कर सीएम राइज स्कूल भवन के लिए संरक्षित किया जाये। जिससे जो भवन निर्माण के लिए जमीन की समस्या बनी हुई है वह दुर हो जायेगी। आगे बताया कि इसी मांग को लेकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है और कलेक्टर महोदय स्वयं या अपने प्रतिनिधि के तौर पर एसडीएम महोदय को भेज कर स्थल का निरीक्षण कर स्कूल के हित में इन जमीन को स्कूल परिसर में शामिल करने की प्रक्रिया पूर्ण करें ताकि भविष्य में सर्वसुविधायुक्त स्कूल का भवन बन सके।

अंतर्राष्ट्रीय संत बौध्दिक मंच आदि शक्ति सेना की जिलाध्यक्ष बनी रीता त्रिवेदी

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा की पूर्व सरपंच श्रीमती रीना त्रिवेदी को नरेन्द्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान. रवि चाणक्य जी की सहमति से अंतर्राष्ट्रीय संत बौध्दिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री स्वदेशानंद जी महाराज (सूरज ब्रम्हों) के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संत बौध्दिक मंच का आदि शक्ति सेना बालाघाट का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गर्रा पूर्व सरपंच श्रीमती रीना त्रिवेदी के अंतर्राष्ट्रीय संत बौध्दिक मंच आदि शक्ति सेना की जिलाध्यक्ष बनने पर उनके शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है और सभी ने शुभकामनाएं प्रेषित की है। चर्चा में अंतर्राष्ट्रीय संत बौध्दिक मंच का आदि शक्ति सेना नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीमती रीना त्रिवेदी ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन को मजबूत बनाने सहित अन्य क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में ताकि सभी का विकास हो सके।

वारासिवनी में नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के नेतृत्व में वर्ष २०२५ की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ कार्यक्रम प्रातः १०.३० बजे व्यवहार न्यायालय वारासिवनी के समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मचारीगण साथ ही पक्षकारों की उपस्थिति में विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के कर कमलों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर पुष्प सुमन एवं प्रसाद अर्पित कर प्रारंभ किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में कुल ५ खण्डपीठों का गठन किया गया। गठित खण्डपीठ जिसमें से खण्डपीठ क्रमांक १६ के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती कविता इवनाती, की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के १० मामलों का निराकरण किया जाकर

५९१५००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित १ मामलों का निराकरण किया गया एवं अन्य सिविल संबंधी

२ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १३ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल ५९१५०० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता आर.के. सोनवाने उपस्थित रहे। खण्डपीठ क्रमांक १७ के पीठासीन अधिकारी कमलेश मीणा प्रथम ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, वारासिवनी की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित १६ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ३३५२५०० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। निष्पादनवाद के ३ मामले, का निराकरण किया जाकर ६०००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई एवं आपराधिक अपील के ३ मामले, विद्युत के विशेष प्रकरणों में ७ मामलों का निराकरण किया जाकर ९६२७६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल २९ मामलों का निराकरण किया जाकर ३५०८७७६ रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। उक्त खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता संदीप पटले उपस्थित रहे। खण्डपीठ क्रमांक १८ के पीठासीन अधिकारी श्रीमती दिव्या सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खण्डपीठ में आपराधिक शमनीय प्रकृति के प्रकरणों में १ प्रकरण निराकृत हुये एवं चेक बाउंस के प्रकरणों में ४ प्रकरणों का निराकरण किया गया, जाकर २७५००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। अन्य सिविल प्रकृति का १ प्रकरण निराकृत किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल ६ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर २७५००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक १९ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषभ डॉनल सिंह के न्यायालय के द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति का ७ प्रकरण निराकृत किये गए एवं परक्राम्य लिखत अधिनियम के ५ मामलों का निराकरण किया जाकर १३१९२२८० रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल १२ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक२० के पीठासीन अधिकारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री नेहा बाथरी के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के ३ प्रकरणों का निराकरण किया गया, धारा १३८ के २ मामलों का निराकरण किया जाकर १२०००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। धारा १२५ के २० मामलों का निराकरण किया गया। अन्य आपराधिक प्रकृति के ३ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल २८ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २१ के पीठासीन अधिकारी न्याायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी देवांश यादव के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के २३ प्रकरणों का निराकरण किया गया। धारा १३८ के ४ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ४९५००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल २७ प्रकरणों का निराकरण किया गया। कुल ६ खण्डपीठों में कुल ११५ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ११७०६०५६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों में बैंक के ऋण संबंधी रखे गए २ मामलों का निराकरण किया जाकर ७५०००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। प्रिलिटिगेशन प्रकरण में विद्युत अधिनियम के १२० प्रकरण निराकृत हुये एवं कुल २०८०७८५ रू. की समझौता राशि की वसूली की गई। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में नगर पालिका द्वारा जलकर के १० प्रकरणों में ९ प्रकरणों में समझौता होकर २०८३७ रूपये एवं नजूल के १६ प्रकरणों में समझौता होकर २५२४३८ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार नगर पालिका से कुल २५ प्रकरणों /-रूपये लोक अदालत के माध्यम से वसूल किये गए। इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल प्रकरणों में २७३२७५ रूपये वसूल किये गए। उक्त नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में समस्त न्यायालयीन कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, म.प्र. विद्युत मण्डल, नगरपालिका, समस्त बैंक के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण का योगदान रहा। नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने में तहसील विधिक सेवा समिति, वारासिवनी के कर्मचारीगण का विशेष सहयोग रहा।

साल के पुरे 365 दिन संगठनात्मक कार्यो के कारण ही आज विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र की सबसे बडी पार्टी है भाजपा-प्रदीप जायसवाल

ग्राम बासी मे मंडल प्रभारी व जिला उपाध्यक्ष की उपस्थिती मे विपरित मौसम मे भी भाजपा कार्यकर्ताओ ने दिखवाया उत्साह

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी....भाजपा मंडल बुदबुदा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बासी मे प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस १७ सिंतबर से लेकर २ अक्टूबर महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस तक चलने वाले सेवा पखवाडा अभियान की कार्यशाला बेहद उत्साह के साथ संपन्न हुयी। जिसमे विधानसभा के प्रभारी प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जिला नेतृत्व से नियुक्त किये गये मंडल प्रभारी सोनू जैन, मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप शरणागत ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओ को मार्गदर्शित कर विस्त्रत कार्ययोजना भी बनायी। बरसते पानी और बिजली गूल के बीच भी अनेको ग्रामों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने पार्टीगत कार्यो को लेकर रूची व उत्साह दिखाया। उक्त बैठक में प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री ने कहा की सबसे पहले हमे भाजपा सरकारो के सेवामयी कार्यो को जन जन तक जवाबदेही के साथ पहुचाकर सेवा पखवाडा के तहत लगने वाले स्वास्थ्य शिविर मे अधिक से अधिक महिलाओ को लाभ पहुचाना है। इस स्वास्थ्य शिविर मे बडे बडे चिकित्सको की सुविधा मिलने के साथ गंभीर रोगो के आपरेशन तक निशुल्क रूप से किये जायेगे। हमने अगर अपने बूथ को मजबूत कर लिया तो कोई भी चुनाव हो भाजपा की निर्णायक जीत तय है। जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले ने जानकारी देते हुये कहा की सेवा पखवाडे मे भाजपा नगर मंडल द्वारा रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, नमो मेराथन,विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम विशाल स्तर पर आयोजित किये जा रहे है। मंडल प्रभारी सोनू जैन ने कहा की बुदबुदा मंडल मे क्रंमाक एक बूथ से पुरे ५२ बूथो मे सन २०१३, सन २०१८ व सन २०२३ के विधानसभा चुनाव मे भाजपा को अधिक मतो की बढत हासिल हुयी थी। और हम पार्टी को विश्वास दिलाते है की सन २०२८ के चुनाव मे यह बढत दस हजार से अधिक मतो की रहेगी। आज पुरे साल भर संगठनात्मक कार्यो के कारण ही भाजपा विश्व की सबसे बडी पार्टी बन गयी है। मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल ने कहा की मन की बात कार्यक्रम को समूचा मंडल बेहद गंभीर रूप से ले रहा है। आज एकात्म मानववाद के कारण ही केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ ग्रामीण क्षेत्र मे भी प्रत्येक घरो को मिल रहा है। बैठक मे विशेष रूप से बूथ अध्यक्षो के कार्यो की समीक्षा कर बीएलए के चयन पर भी नितिगत निर्णय लिये गये। साथ ही प्रथक से शक्तिकेन्द्र की बैठक कर पार्टी के निर्णयो से अवगत भी कराया गया। बैठक मे विशेष रूप से सर्वश्री शारदा प्रसाद शिव, नरेन्द्र बिसेन, प्रंशात बिसेन,सुरेन्द्र जैतवार,अशोक मंडलेकर, कन्हैया पारधी, विजय सहारे, गिरधारी कावडे, इंद्रेश टेंभरे, धूरनलाल जैतवार,दीपक आडे, सूर्यपाल नागेश्वर,चंदविजय ठाकुर आदि उपस्थित रहे। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओ ने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले को नये दायित्व की बधाई प्रेषित करते हुये जय भाजपा विजय भाजपा के जयघोष भी लगाये।

मदनपुर मार्ग की हालत खस्ताहाल राहगीर परेशान

सडक़ की डामर उखडऩे से हो रहे गड्ढे दुर्घटना की बड़ी संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर पहुंच मार्ग की स्थिति खस्ताहाल हो गई है। आवागमन कर रहे लोगों को कई प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो वही सडक़ पर दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बड़ी हुई है। जिसको लेकर लंबे समय से मार्ग के सुधार कार्य की मांग की जा रही है। परंतु वर्तमान तक कोई सुधार कार्य नहीं किए जाने से बारिश का मौसम प्रारंभ होने से और ज्यादा समस्या लोगों को आने.जाने में होने लगी है। क्योंकि जगह.जगह जो गड्ढे थे वहां जल भराव के कारण सडक़ की डामर की परत उखाडक़र बड़े गड्ढे बनते जा रहे हैं। तो वहीं इन गड्ढों में पानी भरा रहने से पर्याप्त गहराई पता न होने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो रही है। तो वही सडक़ के दोनों तरफ साइड सोल्डर में चिकनी मिट्टी जैसी स्थिति होने से वाहन भी स्लिप हो रहे हैं। यह मार्ग नगर के रामपायली रोड स्थित एफसीआई मैदान के सामने से सीधा मदनपुर के लिए निकलता है। जो आगे कासपुर आलेझरी और सीधा बालाघाट को जोड़ता है। जहां से प्रतिदिन हजारों लोग ग्रामीण क्षेत्र से नगर मुख्यालय और जिला मुख्यालय के लिए आवागमन करते हैं। इस दौरान दिन के समय तो लोगों का सुरक्षित आवागमन हो जाता है किंतु रात्रि के समय गड्ढों की स्थिति समझ ना आने से अत्यधिक दुर्घटनाएं घटित होती है तो वही बड़ी दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। उक्त सडक़ पर पिछले कुछ महीना पहले पैच वर्क भी किया गया था किंतु यह पूरा कार्य कई प्रकार के गड्ढों को छोडक़र कुछ ही स्थान पर किया गया था जिसका परिणाम है कि वर्तमान में सडक़ पर जगह.जगह गड्ढे देखने मिल रहे हैं। यह कार्य के दूसरे दिन है डामर और गिट्टी उखडऩे लगी थी सडक़ की यह स्थिति बीते दो वर्षों से बनी हुई है। जहां पर सबसे ज्यादा समस्या रोजाना आवागमन करने वाले विद्यार्थियों को होती है क्योंकि कई बार वाहनों के आने जाने से उनके कपड़े पर सडक़ के गड्ढे में भरा पानी उछलकर उन्हें गंदे कर रहा है। ऐसे में कई बार विद्यार्थियों को अपने घरों को वापस भी लौटना पड़ रहा है राहगीर को ऐसी कई प्रकार की समस्या होने से वहां परेशान है। जो मार्ग के व्यवस्थित मरम्मत किए जाने की मांग शासन प्रशासन से कर रहे हैं।

सडक़ पर गड्ढे होने से हो रही दुर्घनायें-अविनाश गाड़ेकर

राहगीर अविनाश गाड़ेकर ने बताया कि यह मार्ग मदनपुर की ओर जाता है इसमें चलने पर कई समस्याएं हो रही है। क्योंकि सडक़ पर छोटे.बड़े कई प्रकार के गड्ढे हो गए हैं यहां पर मोटरसाइकिल चलाते समय हर किसी को दिक्कत होती है। क्योंकि कभी भी दुर्घटना हो सकती है सडक़ पर गड्ढे है पानी से भरे होने से समझ नहीं आते हैं कुछ बार तो मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो जाती है। कई स्थानों पर डर लगा रहता है इसकी मरम्मत अभी तक नहीं की गई है जो की जानी चाहिए। यह मार्ग बालाघाट की ओर जाने के लिए सीधा पड़ता है क्षेत्र के हजारों लोग रोज आना.जाना करते हैं। विभाग को गंभीरता से इस पर ध्यान देना चाहिए।

मार्ग के खराब होने से राहगीरो को परेशानी का सामना करना पड़ता है-जयराम बिसेन

राहगीर जयराम बिसेन ने बताया कि यहां से प्रतिदिन वारासिवनी के लिए मेरा आना.जाना लगा रहता है। सडक़ पर कुछ स्थानों पर गड्ढे है परंतु मदनपुर से वारासिवनी के बीच बहुत ज्यादा गड्ढे में देखने मिलते हैं। वहां पर पानी भर गया है ऐसे में दुर्घटनाएं भी हो रही है गढ़ों का पानी उडऩे से लोगों के कपड़े भी खराब हो जाते हैं। यह मार्ग सीधे मदनपुर ,कासपुर और बालाघाट के लिए आना.जाना होता है। दो वर्ष से यहां पर यह समस्या बनी हुई है मरम्मत की गई थी फिर परंतु वह उतने अच्छे से नहीं हुई थी। बारिश में फिर गड्ढे खुल गए हैं सुधार कार्य यहां पर होना चाहिए गड्ढे भरे जाने चाहिए ताकि लोग सुरक्षित आना.जाना करें दुर्घटना की बहुत ज्यादा संभावनाएं बनी हुई है।

खैरलांजी जनपद की शिक्षा समिति की बैठक में हुआ हंगामा

प्रधानपाठकों ने बीआरसी लेखपाल वरुण देव पर लगाये गंभीर आरोप

झवारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत के सभाकक्ष में शिक्षा समिति की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी प्रधानपाठको एवं जनपद के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें शिक्षकों के द्वारा बैठक के दौरान जमकर हंगामा कर समस्त विषयों पर अपनी बात रखी गई। वहीं बीआरसी कार्यालय के लेखपाल वरुण देव पर उनकी डीजीगो आईडी अपने पास रखकर स्वयं के द्वारा भुगतान करने का आरोप लगाया गया। वहीं उपस्थित अधिकारियों को शिकायत पत्र भी एक राय होकर दिया गया। जिसमें उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा आक्रोश व्यक्त कर मामले में जल्द जांच कर कार्यवाही करने की बात कही गई। वहीं जनप्रतिनिधि और प्रधान पाठकों के द्वारा मामले में कार्यवाही न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। प्रधानपाठक यामिनी मर्सकोले ने बताया कि वह शासकीय प्राथमिक कन्या शाला कटोरी में प्रधान पाठक के रूप में पदस्थ है। उन्हें पेमेंट करने के लिए समस्या आ रही थी तो किसी स्तर से मेरे द्वारा अपनी आईडी ले ली गई है। पर मैं चाहूंगी कि जो शिक्षक साथी हमसे जुड़े हैं उन्हें भी डीजीगो आईडी मिले ताकि वह प्रसन्न होकर काम कर सके ना की डर दबाव में। लेखपाल शिक्षकों के प्रति भाव ठीक नहीं रखते हैं सम्मान की जगह नौकर की तरह पेश आते हैं। हमारे ब्लॉक में ऐसा व्यवहार दुखदाई है उन पर कार्यवाही होना चाहिए उन्हें हटाया जाना चाहिए यदि नहीं हुआ तो संगठन के माध्यम से प्रयास करेंगे। शिक्षक धमेंद्र कुमार मंडरेले ने बताया कि शिक्षा समिति की बैठक में बताया गया की तीन-चार वर्ष से हमें आईडी पासवर्ड के रूप में भ्रमित कर बीआरसी कार्यालय में पदस्थ लेखपाल वरुण देव के द्वारा हमें ना देकर स्वयं संचालन किया जा रहा है। भुगतान भी वही करते हैं हमें कार्यालय बुलाकर हमारी आईडी वह चलते हैं। उनके द्वारा हमारे सभी वित्तीय लेखा-जोखा स्वयं के पास रखे गए हैं हमें डरा कर रखा गया है। यदि किसी भी प्रधान पाठक की वित्तीय गड़बड़ी आती है तो उसकी जिम्मेदारी बीआरसी कार्यालय और लेखपाल की होगी। सभी प्रधान पाठक को गुमराह करके उनके द्वारा रखा गया है हमारे द्वारा शिकायत भी की गई है। जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार ने बताया कि शिक्षा समिति की बैठक में हम आए थे। बीआरसी कार्यालय के लेखपाल वरुण देव के खिलाफ १५६ प्रधान पाठक आए थे उन्होंने बताया कि डीजीगो आईडी सभी की उनके पास है। भुगतान भी वह करते हैं उन्हें डरा कर रखा हुआ है धमकाया जाता है। इसकी लिखित शिकायत जिले में भी की गई है जिला पंचायत सीईओ का आवेदन दिए हैं जिला शिक्षा अधिकारी को भी आवेदन दिए हैं। यदि जल्दी इसमें जांच होकर कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन होगा मुखिया को सब पता रहता है इसमें यह आश्चर्य है कि १५६ लोगों की बात क्यों नहीं सुनी गई। जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे ने बताया कि सात विषय को लेकर शिक्षा समिति की बैठक रखी गई थी। जिसमें ओलंपियाड परीक्षा की समीक्षा, कन्या आत्मरक्षा पर प्रशिक्षण, डीजीगो आईडी पासवर्ड और शौचालय सहित अन्य विषय थे। जिसमें शिक्षकों ने हमें गंभीर जानकारी बताई की शासन की गाइडलाइंस के अनुसार ओलंपियाड परीक्षा में छात्र का खर्चा आता है। परंतु उसमें भारी अनियमित बारती गई है प्रशिक्षण में १५००० मिलते हैं वह फर्जी तरीके से कोच को भुगतान किया गया है। यह जानकारी वरुण देव को पूरे भुगतान की है उन्होंने शिक्षकों को गुमराह करके रखा था ११४ शिक्षक आज उपस्थित हुए थे जिसमें १०० से अधिक शिक्षकों ने एक साथ वरुण देव पर रुपए लेने डराने और स्वयं उनके द्वारा भुगतान करने का आरोप लगाया है। शौचालय की राशि में भी गड़बड़ी है कुछ स्कूलों को तो पता ही नहीं कि उनकी राशि आई है जांच होनी चाहिए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान १७ सितंबर से प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका के द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ १७ सितंबर से किया जाना है। यह आयोजन १७ सितंबर से २ अक्टूबर तक स्वच्छोत्सव थीम पर आयोजित किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधिगण ,सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठन, विद्यालयीन छात्र छात्राओं गणमान्य नागरिक स्वसहायता समूह की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए यह संचालित किया जाना है। इस सबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके ने बताया की अभियान के सुचारू संपादन हेतु श्रीमती अंशिका चौहान उपयंत्री को नोडल एवं राजदीप तुरकने को सीटी मिशन मैनेजर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए विभिन्न प्रभारियों को दायित्व अनुसार गतिविधि संपादन हेतु गतिविधि कलेण्डर जारी किया गया है। विदित हो की शासन के द्वारा स्वच्छता को ध्यान में रखकर प्रतिवर्ष गाँधी जयंती से पूर्व से वृहद स्वच्छता अभियान संचालित किया जाता है। उसी क्रम मे इस वर्ष भी स्वच्छता का उत्सव को दिनांक १७ सितंबर से प्रारंभ हो रहा है जिसमे विभिन्न गतिविधियां जैसे अभियान का शुभारम्भ श्रमदान से प्रारम्भ कर शहर के ऐसे सभी स्थल जो नियमित स्वच्छता मे छूट जाते है उनकी पहचान एवं स्वच्छता स्वच्छता कर्मियों एवं परिजनो का स्वास्थ परिक्षण रक्तदान शिविर प्रधानमंत्री आवास लाभ हेतु शिविर नशा मुक्ति अभियान का संचालन स्वच्छता कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभान्वित करना सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जुर्माना क्लीन ग्रीन उत्सव स्वच्छ भारत दिवस जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जानी है। सूर्य प्रकाश ऊके मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा सभी सामाजिक स्वयं सेवी संघटन सभी संम्मानीय नागरिकगणों माननीय जनप्रतिनिधिगण से स्वच्छता के उत्सव मे सभी को भागीदारी लेने अपील की हैं जिससे हम नगर के प्रत्येक वार्ड हर गली और नगर को स्वच्छ और सुन्दर बना सके।

भारत की आत्मा, संस्कृति और जनमानस की पहचान है हिन्दी

आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय ही आज भले ही अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझतें हों परन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जिसे आज दुनिया के अनेक देशों में भी सम्मानजनक दर्जा मिल रहा है और हमारी राजभाषा हिन्दी प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिला रही है। हिन्दी विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली जाती है। हिन्दी भाषा को और ज्यादा समृद्ध बनाने के लिए ही प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है और अगले 15 दिनों तक हिन्दी पखवा? का आयोजन किया जाता है। अब प्रश्न यह है कि हिन्दी दिवस प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को ही क्यों मनाया जाता है और इसे मनाए जाने की शुरूआत कब हुई? दरअसल भारत बहुत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। यही कारण रहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे। जब देश आजाद हुआ तो सर्वप्रथम 12 सितम्बर 1947 को संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने के प्रावधान का प्रस्ताव गोपालस्वामी आयंगर ने रखा था, जो स्वयं एक अहिन्दीभाषी दूरदर्शी नेता थे। सभा की 12 से 14 सितम्बर तक चली तीनदिवसीय बहस में कुल 71 लोगों ने हिस्सा लिया था। लंबे विचार-विमर्श के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। उसके बाद भारतीय संविधान के भाग 17 के अध्याय की धारा 343 (1) में हिन्दी को राजभाषा बनाए जाने के संदर्भ में अंकित कर दिया गया, "संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा।" इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के अनुरोध पर 1953 से देशभर में 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को ही मनाए जाने के लिए इसी दिन का चयन इसीलिए किया गया क्योंकि हिन्दी को भारत की राजभाषा का दर्जा देने के लिए पहली बार 14 सितम्बर 1949 को ही संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया था, इसलिए इस दिवस के आयोजन के लिए इसी तारीख को श्रेष्ठ माना गया। 14 सितम्बर 1953 को जब हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में लागू कर दिया गया तो गैर-हिन्दी भाषी राज्यों के लोगों ने इसका पुरजोर विरोध शुरू कर दिया और ब्रिटिश शासनकाल के दौरान मनोमस्तिष्क में रच-बस गई अंग्रेजी भाषा की वकालत करने लगे। उस विरोध को देखते हुए तब अंग्रेजी को भी राजभाषा का दर्जा देना प?ा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। वर्ष 1917 का ऐसा एक किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंधी कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात् उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। हिन्दी भाषा की चुनौतियों के बारे में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त वरिष्ठ साहित्यकार मृदुला गर्ग कहती हैं कि हिन्दी के समक्ष सबसे ब?ी चुनौती यही है कि अब बड़ा युवा वर्ग अंग्रेजी की ओर जा रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि अंग्रेजी में ही रोजगार के अवसर हैं और इसलिए वही इस समय की भाषा बन गई है। इसी प्रकार महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अशोक वाजपेयी कहते हैं कि संख्याबल के आधार पर हिन्दी अवश्य विश्वभाषा बन सकती है किन्तु हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी भाषा बिना साहित्य, विचार, आर्थिकी के ऐसा दर्जा हासिल नहीं कर सकती और हिन्दी में इस तरह की तमाम आवाजाही बीते वर्षों में लगातार घटती गई है। देखा जाए तो हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का विशाल समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का भी धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं।

भारतीय दिल खतरे में, एक गंभीर चुनौती की टंकार

आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे ब?ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहाँ तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है।

नमूना पंजीयन सर्वेक्षण के नए आंकड़े विशेषकर दिल के प्रति सजग रहने की वकालत करते हैं। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। यदि हम यहां पर भारत में मोटापे की राष्ट्रीय स्थिति की बात करें तो भारत में मोटापे की औसत दर लगभग 40.3 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं में यह दर 41.88 प्रतिशत और पुरुषों में 38.67 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में यह दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। आंकड़े बताते हैं कि पुडुचेरी, चंडीगढ़, और दिल्ली जैसे राज्यों में मोटापे की दर उच्चतम है। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। सर्वेक्षण में यह पता चला है कि 30 से अधिक उम्र वाले लोगों में मौत की सबसे बड़ी वजह यही है। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित क्षेत्रों में करीब 88 लाख लोगों पर किए गए इस सर्वेक्षण से यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि भारत में मौत की वजह क्या है और किस बीमारी से कितनी जान जा रही है? एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण मृत्यु दर में वृद्धि हुई। हालांकि, 2022 और 2023 में स्थिति में सुधार देखा गया, लेकिन महामारी के प्रभाव से उत्पन्न स्वास्थ्य संकटों का असर अभी भी महसूस किया जा रहा है।

दिल की बीमारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को केवल चिकित्सा या आनुवंशिक कारणों से नहीं समझा जा सकता। इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक और जीवनशैली संबंधी कारण हैं। आज का युवा वर्ग फास्ट फूड, जंक फूड और प्रोसेस्ड भोजन पर अधिक निर्भर है। इसमें उच्च मात्रा में तेल, नमक और चीनी होती है, जो हृदय की धमनियों को अवरुद्ध कर देती है। पारंपरिक संतुलित आहार जिसमें दाल, सब्जियां, अनाज और फल शामिल थे, अब जीवन से गायब होते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की दौड़-भाग, नौकरी और कैरियर की अनिश्चितता, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ युवाओं को लगातार मानसिक तनाव में रखती हैं। तनाव से हार्मोनल असंतुलन होता है और यह हृदय की ध?कन तथा रक्तचाप को प्रभावित करता है। धूम्रपान, शराब और अन्य नशे की वस्तुएँ दिल की बीमारी के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। धूम्रपान से रक्त नलिकाएँ सिकुड जाती हैं और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यही स्थिति शराब और ड्रग्स से भी उत्पन्न होती है।

शहरी जीवनशैली ने युवाओं को गतिहीन बना दिया है। दिनभर दफ्तर या कंप्यूटर पर बैठकर काम करने से शारीरिक गतिविधियाँ नगण्य हो जाती हैं। मोटापा, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज इसी निष्क्रिय जीवनशैली की उपज हैं और ये तीनों मिलकर दिल की बीमारी का बड़ा खतरा पैदा करते हैं। महानगरों की हवा में जहरीले कणों की बढ़ती मात्रा भी दिल की धड़कन और श्वसन तंत्र को प्रभावित करती है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि प्रदूषण से हृदयाघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जिन परिवारों में पहले से दिल की बीमारियाँ रही हैं, उनमें यह जोखिम अधिक रहता है। लेकिन पहले केवल यही एक बड़ा कारण माना जाता था, जबकि अब जीवनशैली के कारक अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। दिल की बीमारियाँ केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की समस्या नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम हैं। जब कोई 30 या 40 वर्ष का युवा अचानक दिल का शिकार होकर मर जाता है तो उसके परिवार की आर्थिक रीढ़ टूट जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में जहाँ युवाओं को सबसे बड़ी पूंजी और शक्ति माना जाता है, वहाँ उनका इस प्रकार बीमार होना राष्ट्र के भविष्य को भी खतरे में डालता है।

दिल की बीमारियों से बचाव संभव है, यदि समाज और व्यक्ति दोनों ही स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएँ। भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें और कम वसा वाला भोजन शामिल किया जाए। नमक, चीनी और तैलीय भोजन का सेवन सीमित किया जाए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, प्राणायाम और हल्की कसरत को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। ध्यान, मेडिटेशन और समय प्रबंधन की आदतें तनाव को कम कर सकती हैं। धूम्रपान, शराब और अन्य नशों से दूर रहना हृदय को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी कुंजी है। ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय-समय पर जांच से बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लग सकता है। सरकार, सामाजिक संस्थाएँ और चिकित्सा जगत को मिलकर दिल की बीमारियों के प्रति जनजागरण अभियान चलाना चाहिए।

दिल की बीमारी आज 'साइलेंट किलर' बन चुकी है। यह अचानक प्रकट होकर जीवन को समाप्त कर देती है। लेकिन यह पूरी तरह अनियंत्रित नहीं है। यदि हम अपने जीवन में अनुशासन, संतुलन और संयम को स्थान दें, तो हृदय रोग से बड़ी हद तक बचा जा सकता है। कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट केवल एक चेतावनी है कि अब समय आ गया है जब समाज और व्यक्ति दोनों को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा। यह केवल चिकित्सकों या अस्पतालों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है कि वह अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए सजग और सतर्क रहे। दिल की धड़कनें जीवन का संगीत हैं, इन्हें समय से पहले मौन होने से बचाना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे।

-ललित गर्ग

मोह का कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं

मोह का कोई वास्तविक अस्तित्व ही नहीं होता।मोहतत्व, अज्ञान, भ्रम, कर्म, काल, शून्य, निराकार और निरगुन यह सभी नींद रुपि माया के ही विविध नाम हैं, जो अक्षर ब्रह्म से उत्पन्न हुई है। जीव के मन, चित्त, बुद्धि और वचन इस मोहतत्वके कालमायिक ब्रह्माँड तक ही पहुँचते है। जीव अपनी अटकल से इसके आगे का ज्ञान कहता तो है, लेकिन पुनः निराकार भगवान राम में ही समा जाता है।यहाँ जितने भी आकार नजर आते हैं, वे सब मोहतत्व की ही पैदाईश हैं। इससे परे और अलग बेहद भूमिका है, जो सत्य है, भगवान राम ही सत्य हैऔर जिसे योगमाया का ब्रह्माँड कहते हैं। सत् योगमाया तकअसत्य मोहतत्व कभी नहीं पहुँच सकता। इस तरह से वहाँ कीम हिमा को यहाँ के शब्द नहीं लग सकते। और यह मोह इतना प्रबल है कि इसके प्रभाव में आकर लोग जहाँ कुछ है हीनहीं, वहाँ ही सब कुछ बताते हैं और निराकार में ही सत को दर्शातेहैं। इनके झूठे और सत्य - दोनों प्रकार के वचन मोहजन्य है। दिल में यह बात उठती है कि धनी के सुखों का रस अपने अन्दर भरती रहूँ औरबाहर से तो बस चुप ही रहूँ। यह संसार द्वैत स्वरुप माया का ही विस्तार है, जो अपनी शक्ति से निराकार होते हुए भी आकार धर लेती है। अपने बल से वह जड़को चेतन, और चेतन को जड़ बना देती है। माया रुपि काले पेड़को पूर्णतः किसी ने भी नहीं देखा है। सब पेड़ की छाया में ही उलझ कर रह गए हैं। जब कोई छाया के बाहर कहीं दूर निकलेगातभी तो वह पेड़ के पूर्ण स्वरुप को देख पाएगा। पंच तत्वों का यह संसार, जो मोहतत्व से है, वह महाप्रलय वश है। वेद कहते है कि, "संसार मिथ्या है और एक पारब्रह्म भगवान राम ही सत्य है,जिन्हें बुद्धि, वचन, नजर या कानों से कभी भी नहीं पाया जाता।"वेदान्ती भी पारब्रह्म भगवान राम के विषय में ऐसा कहकर चुप रह गए हैं कि एकअद्वैत पारब्रह्म भगवान राम तो षट् प्रमाण - मन, चित, बुद्धि, द्रष्टि, श्रवण और शब्द से रहित है। वेद भी इस संसार का पार नहीं पा सके है, तो फिर इसमें चल रहे अनेक धर्म पंथ मोह सागर से कैसे पार करा सकते है? यह ब्रह्माँड स्वप्निल है, जहाँ की सभी बुद्धियों के मालिक भगवान राम हैं, और दसों दिशाओं में भटकने वाले मन के मालिक हनुमानजी हैं। वेदों के ज्ञान को व्याकरण के वाद-विवाद का विषय बना देने से संसार के लोग विवेक और विचार से शून्य होगए हैं।यहाँ पंडित लोग अपनी अटकलों से वेदों के एक ही शब्द के बारहअर्थ करके उसके मूल अर्थ को ही उल्टा कर देते हैं। मूल हकीकतोंको छिपाने के लिए वे बीच बीच में मन-घड़ंत कहानियाँ सुनाकर लोगों को गुमराह करते हैं। और फिर, संस्कृत भाषा के अर्थघटन मेंअनेक संशयों की सम्भावना होने से कोई एक अर्थ दृढ़ हो ही कैसेसकता है? इसलिए, संसार के साधूजनोंको यह संसार सत्य लगरहा है, और वे अपनी बुद्धि के अनुसार ही बोल देते हैं। सच्चाई से मेहेनत करने पर भी इस संसार में आज दिन तक कोईभी अपनी आतम को जगाकर भवसागर से पार नहीं जा पाया है! राजा जनक जैसे विदेही भी हो गए, लेकिन उन्हें भी निराकार के पार स्थित पारब्रह्म राम की पहचान नहीं हुई, जो इस वक्त आप सब को तारतम ग्यान से हो रही है। निज-बुद्धि युक्त ईमान बाहरी परिस्थितियों में आने वाले परिवर्तन के आधिन नहीं है। ऐसा ईमान, जो धनी को मिलाने वाला है, उसी में ही वास्तविक शान्ति है।इस नश्वर तन का भरोसा ही क्या? बाहरी परिस्थितियों में आने वाले परिवर्तन से अपने ईमान में कोई फर्क न पड़ने दो।सदा ही धनी के वचनों को सुन कर उनकी इशारतों के राड़ पालेने की चाहत बनाये रखो। अपनी निस्बत का दावा कायम रखतेहुए अपने शिर को श्रीफल और अपने शरीर को लकड़ी मान करविरह की अग्नि जला कर होम करो, ताकि सोते, जागते, स्वप्न में बस 'राम राम' ही की रट चलती रहे।लूट सके तो लूट ले, राम नाम की लूट।पाछे फिरे पछताओगे, प्राण जाहिं जब छूट। साहब कबीर कहते हैं कि - ईश्वर के नाम का सिमरन (स्मरण) एक अनमोल अवसर है, जिसे जितना हो सके, ग्रहण कर लेना चाहिए। साहब कबीर ने इसे लूट की संज्ञा दी है, जिसका अर्थ यह है कि यह एक ऐसा खज़ाना है, जो हर किसी को बिना किसी मूल्य के उपलब्ध है। लेकिन, इसे पाने के लिए प्रयास करना आवश्यक है—इसे यूँ ही छोड़ देना हमारी सबसे बड़ी भूल होगी।साहब कबीर हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि इस अवसर को गंवा दिया, तो मृत्यु के समय पछतावा होगा, लेकिन तब कुछ करने का समय नहीं बचा होगा। जब प्राण शरीर से निकल जाते हैं, तब किसी भी प्रकार का प्रयास निरर्थक हो जाता है। इसलिए, जीवन रहते हुए ही प्रभु भजन और आत्मिक चेतना को जागृत करना आवश्यक है।सार यह है कि मनुष्य को जीवन में समय रहते ईश्वर की भक्ति में लगना चाहिए। सांसारिक मोह-माया में उलझकर यदि हम प्रभु स्मरण को टालते रहे, तो जीवन के अंत में केवल पछतावा ही रह जाएगा।दशहरे में देश भर में रावण का पुतला फूंककर लोग बुराई में अच्छाई की जीत का संदेश दे रहे थे। वहीं एक गांव ऐसा था जहां पर लोगों ने श्री राम का पुतला फूंक दिया। यही नहीं इसका वीडियो बनाकर बकायदा वाट्सएप पर भी वायरल कर दिया। फिर जो हुआ वह हैरान कर देने वाला था।आज का युग में संस्कार नस्ट हो गया है मैं मर सकता हूँ लेकिन प्रभु राम ने जो संस्कार दिए है कभी किसी भी परिस्थिति में इस तरह की बातें नहीं कर सकता ना ही किसी अन्य मजहब में उनकी धार्मिक भावना को ठेस पहुँचाना है पुतला का मतलब , कपड़े का बना हुआ पुरुष का आकार या घास फुस से भरा हुआ ढाँचा जो विशेषत: विनोद या क्रीड़ा (खेल) के लिये हो लेकिन भगवान श्री राम विनोद या क्रीड़ा के लिए नहीं है यह एक विश्वास है ईश्वर का जो कभी मिट नहीं सकता क्योंकि वो सत्य है ऐसा बोलना सही नहीं है ।ऐ घोर कलयुग है मैं जब 3साल का था तो मुझे हनुमानजी की मूर्ति खरीदने गया और मेले में पिता से अलग हो गया, उस समय मैं 3या 4साल का था भगदड़ हुआ और अलग हो गया फिर खोजने पर नहीं मिले तभी मेरे पास एक मूर्ति पिताजी ने खरीदाई थी और जिसमें भगवान राम और हनुमान जी थे और उन्होंने अंदर ही से साहस दिया कि आगे बड़ो कुछ समझ में नहीं आ रहा था बाद में आगे बढ़ता गया करीब 9बजे रात थी,और आगे आगे बढ़ते गए बस अब 2किलोमीटर का फासला बचा था और जब घर के करीब रोड पर था तभी रात के 10 बज गए और मेरे पिताजी के परिचित ने गोद में बिठाया इधर पिताजी को फिट पर फिट आ रहा था बाद में उन्होंने घर तक पहुंचा दिया और मेरे दादाजी को पिता जी की चिंता होने लगी और उन्होंने मेले में किसी को जाने को कहा और बाद में पिताजी को बताया तब पिता जी घर आएं ताज्जुब करने लगें की कैसे ऐ सब हो गया ऐ तो बहुत पहले की बात है कुछ साल पहले भगवान राम मुझे एक बार नहीं कई बार मौत के मुँह से बाहर निकाले हैं 2002 में मुझे हाई फीवर सीवर टाईफड था 105 -6 बुखार से लतफद था और बर्फ की सिल्ली से भी 101 तक पहुंचता था 1महीने तक ऐसा ही चलता रहा कोई भी दवाई सूट नहीं कर रहा था और अंत में इमरजेंसी वार्ड में रख दिया जहाँ पटापट लोग मर रहें थे मुझे कोई होश नहीं था बस एक ही इच्छा थी प्रभु के चरणों में स्थान मिले और बेहोशी की हालत में था मेरे माता पिता रो रहें थे अचानक रात में सपने में लगा चन्दन की खुसबू से कोई आया है मुझे गोद में लिया है और दूसरे ही दिन डॉ ने अंतिम प्रयास किया और नस में मोनोसेफ का इंजेक्शन दिया और उसके अगले दिन सब ठीक हुआ प्रभु के चरणों में वो शक्ति है कि मौत भी टल जाएगी।

-संजय गोंस्वामी

एक नई उम्मीद इंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन- वैश्विक शोध जगत में इस खोज को एक संभावित गेम-चेंजर माना जा रहा है

विश्व स्वास्थ्य जगत में कैंसर एक ऐसा सार्वभौमिक संकट रहा है जिसने अनेक बार वैज्ञानिकों को अचम्भित किया है। बढ़ते कैंसर के मामलों और उसके आर्थिक व सामाजिक प्रभावों की चुनौतियों ने एक से अधिक बार चिकित्सा अनुसंधान को अग्रसर किया है।कैंसर आज के समय में इंसानों को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है, पहले यह बड़े उम्र के लोगों में ज्यादा होता था,लेकिन आज कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में हैं, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि अगर सरल शब्दों में कहा जाए तो स्त्री से लेकर पुरुष तक हर कोई कैंसर से परेशान है,इसके अलावा इसके इलाज में काफी खर्च आता है जो आम इंसान कभी-कभी उतना दे नहीं पाता और इसके चलते हर साल बड़ी संख्या में इससे लोगों की मौत हो जाती है, अब इसी बीमारी को काउंटर करने के लिए रूस ने वैक्सीन का निर्माण किया है,यह वैक्सीन अगर इंसानों पर पूरी तरह सफल होती है, तो यह मानव सभ्यता के सबसे महान खोजों में से एक होने वाली है, 8 सितंबर 25 को देर रात्रि आई जानकारी के अनुसार,अभी तक एम- आरएनए बेस्ड वैक्सीन एंटरोमिक्स ने प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100 प्रतिशत तक प्रभावशील और सुरक्षित दिखी है, इस वैक्सीन को रूस के नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजी सेंटर और रूस के ही एकेडमी ऑफ साइंस के एंगेलहार्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ने साथ मिलकर तैयार किया है।समाचारों में अक्सरनई वैक्सीन,नया इलाज क्रांतिकारी शोध जैसी बातें सामने आती हैं परंतु सच्चाई अक्सर संतोषजनक नहीं होती। इसलिए रूस की वैज्ञानिक टीम द्वारा प्रकाशित हालिया रिपोर्ट, जिसमें दावा है कि 卐इंटरोमिक्स卐 नामक एम-आरएनए कैंसर वैक्सीन ग्लोबली प्रीक्लिनिकल से लेकर क्लिनिकल ट्रायल्स में 100 पर्सेंट सफल रही है,वास्तव में एक व्यापक और सावधानी पूर्वक मूल्यांकन मांगती है।चूँकि एक नई उम्मीद इंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन- कैंसर को वैक्सीन से हराने की पहल, वैश्विक शोध जगत में इस खोज को एक संभावित गेम-चेंजर माना जा रहा है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,कैंसर के इलाज में रूस की क्रांतिकारी खोज-नई वैक्सीन नया इलाज,क्रांतिकारी शोध- इंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन।

साथियों बात अगर हम शोध का दायरा और वैक्सीन का निर्माण व ट्रायल के प्रारंभिक नतीजों की करें तो,रूसी

नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजिकल सेंटर एवं एंगेल्हार्डट इंस्टिट्यूट ऑफ मोलेक्युलर बायोलॉजी (रूसी विज्ञान अकादमी) द्वारा मिलकर विकसित की गई इंटरोमिक्स वैक्सीन का आधार वही एम-आरएनए तकनीक है जो कोविड-19 वैक्सीन में प्रयोग हुई थी। इसकी खासियत है,यह व्यक्तिगत ट्यूमर जीनोमिक प्रोफ़ाइलिंग पर आधारित,पूर्णतया कस्टमाइज़्ड थेरेपी है। इसका मतलब है कि प्रत्येक मरीज के ट्यूमर की जीन-म्युटेशनल विश्लेषण के आधार पर वैक्सीन तैयार की जाती है ताकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उन्हें लक्ष्य कर सके। यह प्रयास केवल वर्गगत प्रतिरक्षा (स्टैंडर्ड कैंसर वैक्सीन) से हटकर, सटीक, तेज और प्रभावी चिकित्सा का नेतृत्व करता है। ट्रायल के प्रारंभिक नतीजे--फेज-1 क्लिनिकल ट्रायल, जिसमें लगभग 48 स्वैच्छिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया था,में मरीजों में ट्यूमर में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई और कोई गंभीर साइड-इफेक्ट्स नहीं दर्ज हुए। यह दुर्लभ उपलब्धि है, क्योंकि कैंसर उपचार में अक्सर कष्टप्रद स्वास्थ्य प्रभाव आते हैं,विशेषकर कीमोथेरेपी, रेडिएशन या सर्जरी में। ट्रायल में प्राप्त परिणामों के आधार पर दावा किया जा रहा है कि वैक्सीन सुरक्षित और अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है। साथियों बात अगर हम कोलोरेक्टल कैंसर पर पहली सफलता व दावे और दूसरी परीक्षण पोकियाँ की करें तो हम देखेंगे कि इंटरोमिक्स की पहली लक्षित उपयोगिता कोलोरेक्टल कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) पर केंद्रित रही। इस कैंसर का वैश्विक स्तर पर प्रसार और मृत्यु दर काफ़ी उच्च है।प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार,इंटरोमिक्स ने कोलोरेक्टल कैंसर से ग्रसित रोगियों में ट्यूमर सिकुड़ने और वृद्धि में बाधा डालने में सफलता हासिल की है।दावे और दूसरी परीक्षण पोकियाँ- रूसी एजेंसी एफएमबीए (फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी) ने घोषणा की है कि कई वर्षों की अनुसंधान अवधि और कम से कम तीन साल के अनिवार्य प्रीक्लिनिकल अध्ययनों के बाद अब यह वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार है,लेकिन आधिकारिक अप्रूवल अभी अग्रसर है।रिपोर्ट अनुसार, ट्यूमर की वृद्धि दर में 60 पर्सेंट से 80 पर्सेंट तक की गिरावट दिखाई गई और जीवनकाल में सुधार भी हुआ।

साथियों बात अगर हम अगली चुनौतियों– ग्लोबल ज़रूरतों और अवरोधों पर नजर डालकर समझने की करें तो, वैश्विक शोध जगत में इस खोज को एक संभावित गेम-चेंजर माना जा रहा है। अगर अगले चरण के ट्रायल—फेज -2, फेज-3,में यह वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, तो यह कैंसर उपचार के आसपास के परिदृश्य को बदलने का दम रखती है। हालांकि, वैज्ञानिक विश्व में सामान्यतः फेज-1 की सफलता अंतिम मंज़िल नहीं होती। फेज-2 और फेज-3 के बड़े, व्यापक ट्रायल्स, दीर्घकालिक प्रभाव, उत्पादन- लागत, वितरण व्यवस्था और नियामकीय मंजूरी जैसीचुनौतियाँ अभी बाकी हैं।फिर भी, आज 8 सितंबर 2025 की तारीख में, वैश्विक स्वास्थ्य और कैंसर अनुसंधान की दुनिया में रूस की यह खोज निश्चित रूप से एक उल्लेखनीय और प्रेरणादायी मोड़ बन चुकी है, जो नई उम्मीदों को जन्म देती है।यह व्यक्तिगत, मुँहतोड़ और साइड-इफेक्ट- रहित चिकित्सा का भविष्य का प्रवाह हो सकता है।भारत जैसे देशों में, जहाँ कैंसर की बीमारी आर्थिक बोझ और चिकित्सा पहुँच की चुनौतियों के बीच एक गंभीर समस्या है, ऐसी सफलता आशा की किरण बन सकती है,बशर्ते लागत, इंफ्रास्ट्रक्चर और नियामक अवरोधों का समाधान हो सके।भारत में कैंसर के इलाज पर अनुमानत– 29,000 करोड़ रूपए सालाना खर्च होता है, जिससे अनेक परिवार आर्थिक रूप से बुरी तरह प्रभावित होते हैं।बच्चों, वृद्धों और समाज पर प्रभाव-कैंसर कोई उम्र-विशिष्ट बीमारी नहीं है,यह बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक किसी को भी प्रभावित कर सकता है। कई बार इस बीमारी से युवा जीवन की संभावना छिन जाती है, या जो लोग बच जाते हैं, उन्हें सारा जीवन आर्थिक और मानसिक संघर्ष करना पड़ता है। अगर इंटरोमिक्स जैसी वैक्सीन हर उम्र वर्ग में सफल हो जाती है, तो यह मानवीय विकास का सबसे महान योगदानों में से एक बन सकती है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य– इतिहास में सामने आई अन्य कोशिशें तथा डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों की करें तो,पहले भी कुछ देशों और संस्थानों ने कैंसर वैक्सीन विकास की पहल की,जैसे अमेरिका कीऑनकफज (विटेस्पेन) नामक वैक्सीन, जिसे रूस ने भी अप्रूवल दिया था (2008 में शुरुआती-स्टेज किडनी कैंसर के लिए)। लेकिन इसके बावजूद वैश्विक स्तरपर यह वैक्सीन व्यावसायिक रूप से सफल नहीं हो सकीइसलिए इंटरोमिक्स की सफलता सिर्फ एक वैज्ञानिक अध्याय नहीं, बल्कि एक व्यापक वैश्विक चुनौती और संभावनाओं का भाग हो सकती है। यदि व्यापक परीक्षणों और वैश्विक मान्यता में यह सफल हो जाती है, तो चिकित्सा जगत की चुनौतियाँ और उपचार दृष्टिकोण दोनों परिवर्तित हो सकते हैं।वैश्विक दृष्टिकोण से,विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग 2 करोड़ नए कैंसर के मामलों का सामना विश्व करता है, और करीब 1 करोड़ कैंसर के कारण मर जाते हैं।

अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किरूस का लाइलाज बीमारी कैंसर को वैक्सीन से हराने की क्रांतिकारी खोज -नई वैक्सीन,नया इलाज, क्रांतिकारी शोधइंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीनएक नई उम्मीद इंटरोमिक्स卐 कैंसर वैक्सीन– वैश्विक शोध जगत में इस खोज को एक संभावित गेम-चेंजर माना जा रहा है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली ठहरने से शनिवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। उड़द-मूंग में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। सोयाबीन में आवकों से भावों में सुस्ती आयी। किराना जिंसों में शक्कर बनी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख ठंडी-ठंडी रहने से भावों में मंदी आयी। चना 100 रू. प्रति क्विंटल टूटकर 6000 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उड़द व मूंग में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में आवकों से सोयाबीन घटाकर बोला गया। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बनी रही। नारियलों में तेजी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4240, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2750-2900, विरूद्ध नगर 2950-3150, मीडियम 2900-3150, बोल्ड 3200-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3375-3400, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 825-850, एस.एस. डब्ल्यू 800-825, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3750, (160) 4300-4350, (200) 5200-5400, (250) 5800-6000

तेल- सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2150-2160, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1245, कपास्या 1280, धूलिया 1285, कड़ी 1285,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1265, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5500-5600, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी पर कायम रहे। ग्राहकी सामान्य रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 130000, चाँदी (99) 129800, टंच 129000, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 112600,

खुदरा ऋण में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी चिंता का विषय - केवी कामथ

मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन केवी कामथ ने खुदरा ऋण में हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी पर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि अगर जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तब बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बही-खाते की गुणवत्ता पर बुरा असर हो सकता है। कामथ ने बताया कि कुछ फिनटेक कंपनियां 550 के क्रेडिट स्कोर तक पर भी लोन दे रही हैं। उन्होंने एक सीईओ से बातचीत का हवाला देकर कहा कि जब उन्होंने इस बारे में पूछा, तब पता चला कि कुछ ग्राहकों के पास एक साथ पाँच क्रेडिट कार्डों का बकाया है। कामथ ने इस स्थिति को अत्यधिक ऋण वितरण का संकेत बताया, जिससे भविष्य में ऋण डूबने का खतरा बढ़ सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है, तभी आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकेगी। परिवार वालों के साथ समय बिताने से जो टेंशन थी, तो वह भी कम होगी। भाई और बहनों से आपकी खूब पटेगी। आप अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतें। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं। अपने पिताजी से यदि आप किसी काम को लेकर धन उधार लेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको संतान पक्ष की ओर से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थी किसी परीक्षा की तैयारी के लिए कोई कोचिंग लेने की सोच सकते हैं। आप अपने मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बनाएंगे। आपको किसी सरकारी मामले में टेंशन बनी रहेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए संघर्षो से भरा रहेगा। आपके कामों में कुछ रुकावटें आएंगी, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएंगी। आपको किसी भी मामले को थोड़ा धैर्य से निपटना होगा। आपकी कोई गलती आपको टेंशन दे सकती है। आप अपने किसी विरोधी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें, नहीं तो वह इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको जीवनसाथी के अनुसार कोई गिफ्ट मिल सकता है। आप लोगों के साथ कहीं वेकेशन पर जाने के प्लानिंग करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको धन कमाने के नए-नए अफसर मिलेंगे। आप अपनी योजनाओं पर पूरा ध्यान लगाए और रुपये पैसे को लेकर कोई मामला यदि अटका हुआ था, तो वह भी दूर हो सकता है। आपको अपनी भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात हो सकती हैं। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा और अपने बॉस से रिश्ते बेहतर रहेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है, इसलिए आप कोई निवेश बहुत ही समझदारी से करें और अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में किसी को भी बिना मांगे सलाह देने से बचें। आप किसी दूसरी नौकरी के लिए आप अप्लाई कर सकते हैं। आप सेहत को लेकर आप थोड़ा एहतियात बरतें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आपको कुछ अनजान लोगों से दूरियां बनाकर रखनी होगी। वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियां आएंगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। पूजा-पाठ में आपका खूब मन लगेगा। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आवश्यक करें। आप अपनी वाणी पर संयम रखें और कारोबार में आपको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो कदम उठाएंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और नौकरी में आपको प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप कहीं घूमने-फिरने जाए, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा रहने से आप प्रत्येक कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपनी सेहत को लेकर भी थोड़ा एतियात बरतें और शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी, जिससे आपको अपनी बिजनेस में भी अच्छा फायदा मिलेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपके सामने कुछ दिक्कतें बनी रहेंगी। किसी बड़े प्रोजेक्ट से भी आपको धोखा मिल सकता है। आप किसी काम को लेकर मेहनत अधिक करेंगे। घरेलू मामलों को आप मिल बैठकर निपटेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी मित्र से आपकी खटपट होने की संभावना है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा, नहीं तो वह कानूनी हो सकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए कोई निर्णय बहुत ही सोच समझकर लेने के लिए रहेगा। जल्दबाजी में किसी काम को हां ना करें। बिजनेस के कामों में कोई बदलाव करना आपके लिए अच्छा रहेगा, लेकिन आप पार्टनरशिप से सलाह मशवरा अवश्य करें। आप अपने वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं को लेकर अपने किसी ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से बातचीत कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों में कर्मनिष्ठ होकर आगे बढ़ेंगे। आप किसी दूसरे पर काम को लेकर डिपेंड ना रहेंगे। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपको यदि कोई जिम्मेदारी दी जाए, तो उसको लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशियों से सराबोर रहने वाला है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लगने से माहौल खुशनुमा रहेगा। नौकरी में आपको मनमुताबिक काम मिलेगा और कहीं बाहर भी भेजा जा सकता है। आप अपनी संतान की पढ़ाई-लिखाई को लेकर थोड़ा एतियात बरतें, क्योंकि वह लापरवाही कर सकती हैं, जिसका बाद में उन्हें भुगतान करना पड़ेगा। आप अच्छे खानपान का आनंद लेंगे।

शब्दजाल - 8020

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ड़ा	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	लं	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

अल्मोडा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल,हरिद्वार,नैनीताल,रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

शब्दजाल - 8019 का हल

ब	क	दो	यु	ला	प	ब	रे	ली	झ	क
जे	ल	ल	प	आ	रिं	पू	ना	दि	शा	ऊ
अं	इ	रा	म	स	ग	ल	श	र	न	ल
क	कु	दा	म	धा	ब	रा	प	ख	श	र
क	ति	ब	न	पु	क	र	ल	ग	वी	इ
ब	स्ती	ल	लि	व	र	र्त	ऐ	ढ़	प	ला
ती	अ	ल	श	या	प	म	ग	कौ	ला	ह
क	ली	अ	ब	त	क	म	प्प	न	श	बा
क	ग	थो	तें	व	ज	ज	द	शा	जू	द
द	ढ़	ल	प	आ	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	त	सा	बि	ज	नौ	र	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6964

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली - 6963

घ	गैं	दा		जा	लि	म		आ	
र		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		व			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हाँ		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आँ	सू	
शा	न			औ	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			श	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		ना		ना	गि	न		श्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8488

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8487 का हल

म	न		श	री	र		ज	ला
त		ह	र	म		न	हा	ना
	आ	रा	म		रा	ज	न	
क	स	म		ल	ह	र		त
र	न		ग	ल	त		भ	ला
म		स	ब	क		का	र	क
	आ	ब	रू		ह	र	ना	
म	ह	ल		का	र	ण		त
न	ट		क	ल	म		शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.13 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.27 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.48 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.18 बजे से
		मिथुन	23.16 बजे से
		कर्क	01.30 बजे से
		सिंह	03.46 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 257 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.41 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 07.35 बजे तदनन्तर सिद्धि (असृक) 04.55 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** बालव 16.03 बजे तदनन्तर कौलव 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872467 **जूलियन दिन** 2460932.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, अष्टमी रोहिणी, हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा कलाकार

प्रख्यात चित्रकार माइकल एंजेलो से कई चित्रकार ईर्ष्या करते थे। उन्हीं में से एक चित्रकार ने सोचा कि मैं एक ऐसा चित्र बनाऊंगा जिसके आगे एंजेलो की कलाकृति फीकी पड़ जाएगी। यह सोचकर उसने काफी मेहनत से एक महिला का चित्र बनाया। उसने उस चित्र को एक ऊंचे स्थान पर रखा ताकि वहां से गुजरते लोग उसे आसानी से देख सकें। यद्यपि चित्र बहुत सुंदर था, फिर भी चित्रकार को अहसास हो रहा था कि इसमें कुछ कमी रह गई है। पर कमी कहां है और क्या है, यह जानने में वह खुद को असमर्थ पा रहा था। एक दिन एंजेलो उस रास्ते से जा रहे थे। उनकी नजर उस चित्र पर पड़ी। उन्हें वह चित्र बड़ा खूबसूरत लगा और उसमें जो कमी थी, वह भी उनके ध्यान में आ गई। एंजेलो चित्रकार के घर पहुंचे। चित्रकार ने एंजेलो को पहले कभी देखा नहीं था। उसने उनका स्वागत किया और आने का कारण पूछा। एंजेलो ने कहा, 'तुमने चित्र तो बहुत सुंदर बनाया है, पर मुझे इसमें एक कमी लग रही है। 'चित्रकार बोला, 'हां मुझे भी आभास हो रहा है कि कुछ कमी रह गई है।' एंजेलो ने कहा, 'जरा तुम अपनी कूची देना, मैं उस कमी को पूरा कर देता हूं।' चित्रकार बोला, 'मैंने उसे बड़ी मेहनत से बनाया है, कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारे हाथ से मेरा चित्र बिगड़ जाए।' एंजेलो ने कहा, ' विश्वास करो, मैं तुम्हारा चित्र खराब नहीं करूंगा।' उस चित्रकार से कूची लेकर एंजेलो ने चित्र की दोनों आंखों में दो बिंदी लगा दी। दरअसल चित्रकार आंखों में दो काली बिंदियां लगाना भूल गया था, जिस कारण चित्र अपूर्ण लग रहा था। अब वह चित्र सजीव प्रतीत होने लगा। उसका सौंदर्य बढ़ गया। उस चित्रकार के पूछने पर जब एंजेलो ने अपना नाम बताया तो चित्रकार के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। उसने एंजेलो को बताया कि वह उनके बारे में क्या सोचता रहा था। उसने एंजेलो से क्षमा मांगी।

सूडोकु नवताल- 7273

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7272 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद हर महीने सरकार को देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 9 सितंबर को जारी सर्कुलर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों से कहा कि वे 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू होने के बाद मक्खन, पनीर, शैंपू, टूथपेस्ट, बिस्कुट, चॉकलेट, सीमेंट और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलावों पर नजर रखें और मासिक रिपोर्ट पेश करें। सर्कुलर में सीबीआईसी ने प्रधान मुख्य आयुक्तों को निर्देश दिया है कि वे व्यापार संघों और क्षेत्रीय इकाइयों से वस्तुवार कीमत के आंकड़े जमा करें, जिसमें नई दरें लागू होने के पहले और बाद के दाम शामिल हों। यह कवायद 6 महीने तक जारी रहेगी, जिससे यह जाना जा सके कि कम हुई जीएसटी दरों का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है या नहीं। इस सिलसिले में पहली रिपोर्ट 30 सितंबर तक भेजी जानी है। उसके बाद हर महीने की 20 तारीख को मार्च 2026 तक दरों की रिपोर्ट भेजनी होगी। सूचीबद्ध 54 वस्तुओं की दरों की अद्यतन जानकारी देनी है, उनमें मक्खन, चीज और घी जैसे डेरी उत्पाद, बिस्कुट, चॉकलेट और आइसक्रीम जैसे पैकेज्ड फूड शामिल हैं। इन वस्तुओं में साबुन, शैंपू और टूथपेस्ट जैसे प्रसाधनों के साथ-साथ सीमेंट, दवाइयां, साइकिल, खिलौने जैसी महंगी वस्तुएं और टेलीविजन और एयर कंडीशनर जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं भी शामिल हैं। नाम सार्वजनिक न किए जाने को इच्छुक एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि केंद्र का ध्यान रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले सामान पर है और फील्ड में काम करने वाली यूनिट व्यापार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे कि इसका लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्र रूप से भी अनुपालन की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय सीधे बाजार की जांच करेंगे और केवल व्यापार संघों या उद्योग निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर निर्भर नहीं रहेंगे। केपीएमजी में पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख ने कहा कि यह निर्देश सरकार के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होने कहा कि सरकार ने इस पर जोर दिया है कि उद्योग को यह तय करना होगा कि जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

भारत में श्रम मानकों में सुधार से अमेरिकी कंपनियों के लिए व्यापार के मौके बढ़े

नई दिल्ली। अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार, भारत में श्रम मानकों में सुधार से अमेरिकी कंपनियों के लिए व्यापार के मौके बढ़े है। सीनेट में अपनी नियुक्ति की सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि श्रम कानूनों में सुधार से भारत के बाजारों तक पहुँच आसान होगी, जिससे अमेरिकी कंपनियों को एक समान मौका पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा। गोर ने कहा कि उनका लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 बिलियन डालर तक पहुँचाना है, इस उन्होंने मिशन 500 का नाम दिया गया है। उनका मानना है कि इससे अमेरिकी निर्यात बढ़ेगा और रोज़गार के नए अवसर पैदा होने वाले है। अमेरिका के मनोनीत राजदूत गोर ने भारत की संरक्षणवादी नीतियों और नियामक बाधाओं को दोनों देशों के बीच व्यापारिक साझेदारी में मुख्य रुकावट बताया। उनका कहना है कि भारत की 1.4 अरब से ज़्यादा की आबादी और तेज़ी से बढ़ते मध्यम वर्ग से अमेरिकी कारोबार के लिए बड़े मौके पैदा हो सकते हैं, लेकिन ये नीतियाँ इन अवसरों को सीमित कर रही हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता कुछ समय से रुकी हुई थी, क्योंकि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए खोलने से मना कर दिया था। इसके अलावा, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क (टैरिफ) से भी तनाव बढ़ा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर तनाव कम करने के संकेत दिए थे। भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा है कि दोनों देश नवंबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

कम महंगाई और ब्याज दरें घरेलू मांग को समर्थन देंगी

नई दिल्ली। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महंगाई और ब्याज दरें कम होने से घरेलू मांग को मबूत समर्थन मिलने की उम्मीद है, भले ही वैश्विक स्तर पर चुनौतियां मौजूद हों। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में हेडलाइन मुद्रास्फीति 3.2 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जो पहले 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान था। वित्त वर्ष 2026 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति में 1.4 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। यह गिरावट मौद्रिक नीति में ढील देने की गुंजाइश बनाएगी। क्रिसिल का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस साल ब्याज दरों में अतिरिक्त 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। अगस्त में भारत का सीपीआई-आधारित मुद्रास्फीति मामूली रूप से बढ़कर 2.1 प्रतिशत हो गया, जो जुलाई में 1.6 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य मुद्रास्फीति जुलाई में -1.74 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में -0.70 प्रतिशत हो गई है। यह दिखाता है कि खाद्य कीमतों में स्थिरता आ रही है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अत्यधिक बारिश खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है, जिससे खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। गैर-खाद्य मुद्रास्फीति या तो स्थिर बनी हुई है या इसमें और कमी आने की उम्मीद है। ऐसा तेल की कम कीमतों और जीएसटी दरों में कटौती के कारण हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि अत्यधिक बारिश खरीफ फसलों के लिए जोखिम पैदा कर सकती है, जिसका संभावित रूप से खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी ने यह भी नोट किया कि गैर-खाद्य मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है या आगे भी कम होने की उम्मीद है, जिसे तेल की कम कीमतों और जीएसटी दरों में कटौती के कारण कोर मुद्रास्फीति में नरमी का समर्थन प्राप्त है। केरोसिन, बिजली और जलाऊ लकड़ी की कम कीमतों के कारण ईंधन मुद्रास्फीति 2.7 प्रतिशत से घटकर 2.4 प्रतिशत हो गई। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कोर मुद्रास्फीति 4.1 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई, जबकि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में मुद्रास्फीति में गिरावट आई।

नेशनल लोक अदालत में लांजी व्यवहार न्यायालय ने किया 96 प्रकरणों का निराकरण, 7.24 लाख रुपये के अवार्ड पारित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायालय, बालाघाट के मार्गदर्शन में शनिवार, 13 सितंबर 2025 को व्यवहार न्यायालय, लांजी में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में लंबित और प्रीलिटिगेशन प्रकरणों सहित कुल 96 मामलों का निराकरण किया गया, जिसमें 7,24,886 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे सिविल न्यायालय, लांजी में श्री प्रीतम शाह, न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति, लांजी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मां सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उद्घाटन समारोह में अभिभाषक संघ के अध्यक्ष सी.एच. मचिया, अधिवक्तागण, बैंक अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, न्यायालयीन कर्मचारी, पक्षकार और तहसील विधिक सेवा समिति, लांजी के पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने लोक अदालत के उद्देश्यों को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। लोक अदालत का आयोजन और प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के लिए व्यवहार न्यायालय, लांजी में खण्डपीठ कमांक 15 का गठन किया गया था, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री प्रीतम शाह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, लांजी थे। इस खण्डपीठ के समक्ष कुल 138 लंबित राजीनामा योग्य प्रकरण रैफर किए गए थे, जिनमें से 35 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 4,55,170 रुपये (चार लाख पचपन हजार एक सौ सत्तर रुपये) के अवार्ड पारित किए गए। इसके अतिरिक्त, बैंक, नगरपालिका (जल कर, संपत्ति कर) और अन्य विभागों से संबंधित प्रीलिटिगेशन के कुल 559 प्रकरण लोक अदालत में रखे गए थे। इनमें से 61 प्रकरणों का निराकरण किया गया, और इनके लिए 2,69,716 रुपये (दो लाख उनसत्तर हजार सात सौ सोलह रुपये) के अवार्ड पारित किए गए। इस प्रकार, लंबित और प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को मिलाकर कुल 96 मामलों का निपटारा किया गया, जिससे पक्षकारों को त्वरित और सौहार्दपूर्ण न्याय प्राप्त हुआ।

प्रमुख अधिकारियों का मार्गदर्शन

इस आयोजन को जिला एवं सत्र न्यायालय, बालाघाट के श्री प्राणेश कुमार प्राण, प्रधान जिला न्यायाधीश और अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट तथा श्री सतीश शर्मा, न्यायाधीश और सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। उनके दिशा-निर्देशों ने लोक अदालत की कार्यवाही को सुचारू और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेशनल लोक अदालत का आयोजन पक्षकारों को त्वरित, कम खर्चीला और सौहार्दपूर्ण तरीके से विवादों के समाधान का अवसर प्रदान करता है। इस आयोजन ने न केवल लंबित प्रकरणों का बोझ कम किया, बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी समझौते को भी बढ़ावा दिया। विशेष रूप से बैंक, नगरपालिका और अन्य विभागों से संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निपटारे से आम जनता को राहत मिली। लोक अदालत की इस सफलता में अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, नगरपालिका कर्मचारियों, अन्य विभागीय कर्मचारियों और पैरालीगल वालेंटियर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी पक्षकारों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई और आपसी सहमति से प्रकरणों के निराकरण में सहयोग किया।

सहकारिता में नवाचार का प्रयोग आज की आवश्यकता- नरेंद्र शुक्ला मंडल अध्यक्ष

पिंडकेपार में सहकारी कार्यशाला का हुआ समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर ग्राम पिंडकेपार में 11 सितंबर को सहकारिता कार्यशाला का आयोजन सहकारिता विभाग,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित बालाघाट के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र शुक्ला मंडल अध्यक्ष ने अपने उदबोधन में कहा कि सहकारिता से एकता शक्ति और शांति की स्थापना होती है इससे व्यक्ति के अंदर छुपे गुणों को पल्लवित होने का अवसर मिलता है। आपने सहकारिता में नवाचार का प्रयोग आज की आवश्यकता बताएं एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजन अधिक से अधिक किए जाने पर बल दिए। कार्यक्रम में सहकारिता निरीक्षक राकेश उइके ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित जानकारी उपस्थित जन समुदाय को देते हुए कहे कि सहकारिता के आदर्श सिद्धांतों के कारण तुलनात्मक दृष्टि से वर्तमान वातावरण में भी सहकारी संस्थाओं में जाने अनजाने में होने वाली अनियमिताएं नगण्य में है। आपने कहा कि अगर हम सहकारिता को समझने की बात करें तो सहकारिता आंदोलनकारी समितियां के ऐसे संघो और उद्यमों के रूप में स्वीकार किया गया है। जिनके माध्यम से नागरिक अपने समुदाय और राष्ट्र की आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक उन्नति में योगदान करते हुए अपने जीवन को प्रभावी ढंग से बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक चंद्रभान सिंह ने अपने उद्बोधन में कहे कि सहकारिता एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें लोग स्वेच्छा से एक साथ मिलकर कार्य करते हैं। ताकि वह अपने सामान्य आर्थिक सामाजिक या सांस्कृतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। कार्यक्रम का संचालन अमृतलाल टेम्भरे प्रबंधक समिति पिंडकेपार तथा आभार जिला सहकारी संघ मर्यादित बालाघाट के प्रबंधक मुकेश दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में घनश्याम मारवाड़ी, सीताराम अटराहे, गजराज आड़े, फत्तूलाल आड़े, ग्रामीण जनों एवं समिति के अधिकारी कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

ग्राम मोहेझरी के छात्र धर्मेंद्र पारधी का मध्यप्रदेश की मां तुझे प्रणाम योजना के तहत चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)।मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत ग्राम मोहेझरी के होनहार छात्र धर्मेंद्र पारधी, पिता ज्ञानीराम पारधी, का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना श्रेणी में हुआ है। इस योजना का उद्देश्य महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की यात्रा के साथ-साथ मध्यप्रदेश के साहित्य, कला, संस्कृति, पुरातात्विक संग्रहालयों और ऐतिहासिक धरोहरों से परिचित कराना है। यह योजना युवाओं में सांस्कृतिक जागरूकता और देश की समृद्ध विरासत के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है। धर्मेंद्र का चयन इस प्रतिष्ठित योजना के लिए कठिन चयन प्रक्रिया के तहत हुआ। इस प्रक्रिया में आवेदन जमा करने के बाद लॉटरी सिस्टम के आधार पर योग्यता का निर्धारण किया जाता है। चयनित छात्रों को मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा का अवसर प्राप्त होता है। धर्मेंद्र की यह यात्रा 11 सितंबर 2025 से 15 सितंबर 2025 तक होगी, जिसमें वे ओंकारेश्वर, मांडव और महेश्वर जैसे मध्यप्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण और दर्शन करेंगे। ये स्थान अपनी प्राचीन संस्कृति, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। धर्मेंद्र ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों, सहपाठियों, पूर्व शिक्षण संस्थानों, जिला खेल विभाग बालाघाट, मध्यप्रदेश शासन और अपने समस्त सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। इस चयन से न केवल धर्मेंद्र, बल्कि पूरे ग्राम मोहेझरी को गर्व का अनुभव हो रहा है। मां तुझे प्रणाम योजना के तहत यह यात्रा धर्मेंद्र के लिए न केवल एक शैक्षिक अनुभव होगी, बल्कि यह उन्हें मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को और करीब से समझने का अवसर भी प्रदान करेगी। इस उपलब्धि के लिए धर्मेंद्र को उनके गांव और जिले के लोग बधाई दे रहे हैं।

शासकीय हाई स्कूल सुनारककोड़ी में हुआ जागरूकता अभियान एवं स्वास्थ्य परीक्षण

लांजी (पद्मेश न्यूज)।ग्राम सुनारककोड़ी के शासकीय हाई स्कूल में 9 सितंबर 2025 को सघन जागरूकता अभियान के तहत स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आईसीटीसी काउंसलर प्रमिला कटरे ने कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं को एचआईवी/एड्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत एएमओ डॉ. विद्या ऊके ने छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया और स्वस्थ रहने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। विकासखंड स्तरीय उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) की जानकारी देते हुए पोषण का महत्व, कुपोषण रोकथाम, एनीमिया नियंत्रण और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। जीवन कौशल शिक्षा %उमंग% के तहत किशोरों के व्यवहार परिवर्तन, चोट, हिंसा, लिंग आधारित भेदभाव, कम उम्र में विवाह के दुष्प्रभाव, गर्भधारण और करियर संबंधी जानकारी दी गई। उमंग स्वास्थ्य केंद्र ने इन सभी मुद्दों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में श्री डोहरे ने मलेरिया और इसके रोकथाम के उपायों की जानकारी दी, जबकि श्री आरिफ हुसैन ने कुष्ठ रोग और चर्मरोगों के उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया। उमंग हेल्पलाइन, मन हित ऐप, जस्ट आस्क चैट और एड्स हेल्पलाइन के उपयोग की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय प्रभारी एम.एल. एड़े, उमंग एंबेसेडर एन. गजभिये, एएनएम सावित्री बाहेश्वर, आशा कार्यकर्ता पद्मा बड़घैया, शिक्षक पी.के. भिमटे, एस. सोनवाने, एच. कटरे, कपिल पटले, संगीता घोरमारे, छात्राध्यापक महेश चौके, छात्राध्यापिका आरती घोरमारे, रश्मि वाकड़े और भृत्य सुनिता बाई उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में लांजी नगर परिषद ने की 1,19,836 रुपये की रिकॉर्ड वसूली

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर 2025 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक नगर परिषद लांजी में किया गया। उक्त आयोजन प्रीतम साह, व्यवहार न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडपीठ लांजी

के मार्गदर्शन में एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने की उपस्थिति में संपत्ति कर और जलकर के बकायादारों से वसूली की गई। नगर परिषद लांजी ने 130 संपत्ति कर और 123 जलकर बिल वितरित किए, जिनमें से 17 संपत्ति कर और 33 जलकर मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान संपत्ति कर से 63,476 रुपये और जलकर से 56,360 रुपये की वसूली हुई, कुल मिलाकर 1,19,836 रुपये की राशि प्राप्त की गई। साथ ही, 4 संपत्ति कर और 28 जलकर करदाताओं को छूट प्रदान की गई। कार्यक्रम में ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन कर जमा करवाया गया और करदाताओं को ई-रसीद प्रदान की गई। आयोजन में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, सभापति किशोर रामटेक्कर सहित राजस्व शाखा प्रभारी संतोष भार्गव, सहायक विनोद रहमतकर, कंप्यूटर ऑपरेटर गोविंद राऊत, तकनीकी सहायक रोहित पिछोडे और अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय योगदान दिया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने ने सभी करदाताओं और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन से बकायादारों को छूट का लाभ मिला और नगर परिषद की वसूली में महत्वपूर्ण योगदान हुआ।

55 वनखंडों में वन व्यवस्थापन को लेकर ग्रामीण अफवाहों एवं भ्रामक प्रचार के प्रति सतर्क और सचेत रहें-एसडीएम अर्पित गुप्ता

वन व्यवस्थापन की प्रक्रिया आगामी आदेश तक के लिए स्थगित की गई है

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने उत्तर वन मंडल के 55 वन खंडों में वन व्यवस्थापन के संबंध में ग्रामीणों से अपील की है कि वे अफवाहों, भ्रामक प्रचार व दुष्प्रचार पर ध्यान न दें, बल्कि इसके प्रति सतर्क एवं सचेत रहें। वन व्यवस्थापन की प्रक्रिया आगामी आदेश तक के लिए स्थगित की गई है । इन 55 वनखण्डों में निवासरत जनजातीय एवं अन्य समूहों के लोगों के अधिकारों को चिन्हित कर निराकृत किया जाएगा। इसके पश्चात ही वन व्यवस्थापन की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाएगी। बैहर एसडीएम श्री गुप्ता ने बताया कि दिनांक 30 जनवरी 2025 को वनमंडलाधिकारी, उत्तर सामान्य वनमंडल, बालाघाट से प्राप्त पत्र के परिप्रेक्ष्य में बैहर क्षेत्र के अंतर्गत स्थित 55 वनखंडों में वन व्यवस्थापन प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। यह कार्यवाही भारतीय वन अधिनियम, 1927 तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2009 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। वन व्यवस्थापन प्रक्रिया का उद्देश्य वनों का सतत एवं वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करना होता है, जिसमें जैव विविधता का संरक्षण, वन संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग तथा स्थानीय समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा प्रमुख है। इसके अंतर्गत परिशिष्ट-5 एवं परिशिष्ट-6 का प्रकाशन किया गया था, जिसकी विधिवत सूचना संबंधित प्रत्येक बीट एवं ग्राम में सार्वजनिक रूप से दी गई थी। यह देखा जा रहा है कि इस प्रक्रिया को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रकार की भ्रांतियाँ, अफवाहें एवं भ्रामक प्रचार फैलाया जा रहा है, जिससे आमजन, विशेषकर आदिवासी समुदायों में आशंका उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में एसडीएम श्री गुप्ता ने बालाघाट, जिला प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया है कि वन व्यवस्थापन की यह प्रक्रिया किसी भी व्यक्ति अथवा समुदाय के पारंपरिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है।जब तक संबंधित वन क्षेत्रों में निवासरत सभी पारंपरिक वनवासी समुदायों के व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकारों की पहचान और निराकरण पूर्ण रूप से नहीं हो जाता, तब तक वन व्यवस्थापन की कार्यवाही को पूर्ण नहीं किया जाएगा। बालाघाट जिला प्रशासन जनजातीय समुदायों के अधिकारों को लेकर पूर्णतः संवेदनशील है और वर्तमान में बड़ी संख्या में वनाधिकार दावों का परीक्षण कर पात्र व्यक्तियों को अधिकार-पत्र (पट्टे) वितरित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक दूरस्थ ग्राम में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण स्वयं उपस्थित होकर आपकी समस्याओं को सुन रहे हैं एवं त्वरित समाधान भी कर रहे हैं। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार, वर्तमान में उत्पन्न भ्रांतियों एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वन व्यवस्थापन की प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित करते हुए सर्वप्रथम इन 55 वनखण्डों में निवासरत जनजातीय एवं अन्य समूहों के लोगों के अधिकारों को चिन्हित कर निराकृत किया जाएगा। इसके पश्चात ही वन व्यवस्थापन की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाएगी। ताकि सभी हितधारकों के वन अधिकारों की समुचित रूप से पहचान, परीक्षण और निराकरण हो सके। जिला प्रशासन, बालाघाट इन वनखंडों में निवासरत सभी लागों को विश्वास दिलाता है कि आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना एवं उनके हितों को सर्वोपरि रखना हमारी प्रतिबद्धता है। बैहर एसडीएम श्री गुप्ता ने बालाघाट जिला प्रशासन की ओर से बैहर क्षेत्र के समस्त निवासियों से अपील की है कि वे प्रशासन पर विश्वास रखें और किसी भी प्रकार की अफवाहों अथवा दुष्प्रचार पर ध्यान न दें। यदि उन्हें कोई शंका हो तो अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर से सीधे संपर्क करें।

पीजी कॉलेज बालाघाट में सायनोबैक्टीरिया की ट्रेनिंग का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र तथा वनस्पतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13 सितम्बर 2025 को MPCST के प्रोजेक्ट के अंतर्गत सायनोबैक्टीरिया आइसोलेशन आईडेंटिफिकेशन एण्ड कल्चर टेक्निक पर कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यकम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के निर्देशन में किया गया जिसमें राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़ वारासिवनी के आये विषय विशेषज्ञ डॉ. शरद बिसेन के द्वारा व्याख्यान दिया गया जिसमें खेत की मिट्टी में मौजूद सायनोबैक्टेरिया को किस प्रकार आईसोलेट करके पहचाना जा सकता है और उसका कल्चर बनाकर खेतों में पैदावार बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है यह बताया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ शाजिया तबस्सुम सहा.प्रा. प्राणीशास्त्र एवं महाविद्यालय डॉ. एम.एस. मरकाम, डॉ. बी.के. ब्रम्हे. डॉ. प्रतिमा बिसेन सहा.प्रा. वनस्पतिशास्त्र, डॉ. पुष्पलता कमलेशिया सहा.प्रा. प्राणीशास्त्र उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मौसम की दगाबाजी से फसलें चौपट...पहले सूखा और फिर लगातार बारिश से सोयाबीन, कपास और सब्जियों की फसल चौपट

लागत तो दूर कर्ज में धंसे किसान

-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अफसरों को दिया खराब फसलों का सर्वे करने का निर्देश

-कांग्रेस की मांग-किसानों को राहत पहुंचाने सरकार जल्द से जल्द दे मुआवजा

भोपाल। मप्र में जहां एक ओर किसान खाद की कमी से परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ मौसम की दगाबाजी से फसलें चौपट हो रही हैं। पहले सूखा और फिर लगातार बारिश से सोयाबीन, कपास और सब्जियों की फसलें खराब हो गई हैं। इससे लागत निकलना तो दूर उलटे किसान कर्ज में धंस गए हैं। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के कई इलाकों में सोयाबीन की फसल लगभग 100 प्रतिशत नष्ट हो चुकी है। खेतों में न तो फल दिखाई दे रहे हैं और न ही किसी उत्पादन की उम्मीद बची है। किसानों की सालभर की मेहनत पूरी तरह बर्बाद हो गई है। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अफसरों को खराब फसलों का सर्वे करने का निर्देश दिया है। वहीं कांग्रेस ने किसानों को राहत पहुंचाने जल्द से जल्द देने की मांग की है।

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, कम बारिश से परेशान मालवा समेत कई क्षेत्रों के किसानों को इस बार सोयाबीन की फसल ने भी तगड़ा झटका दिया है। कम बारिश के बाद सोयाबीन फसल को येलो मोजैक वायरस ने घेरकर बर्बाद कर दिया। मालवा के कई जिलों में येलो मोजैक वायरस से सोयाबन की फसल चौपट हो गई। अब खेत खाली करने और अगली फसल की उम्मीद में किसानों ने सोयाबीन की खड़ी फसल पर ट्रैक्टर चलाना शुरू कर दिया है। येलो मोजैक वायरस की वजह से हरी भरी सोयाबीन की फसल पीली पड़ गई और सूखने लगी है। रतलाम, मंदसौर और नीमच के कई गांवों में यही दृश्य देखने को मिल रहे हैं। येलो मोजैक वायरस से सोयाबीन के पत्ते पीले पडने् लगे हैं और फसल सूखने लगी है। इस वायरस के प्रभाव से पौधों की पत्तियों और तनों पर पीले धब्बे बन जाते हैं और पौधे की वृद्धि रुक जाती है। इसके बाद सोयाबीन का पौधा कमजोर होकर सूखने लगता है। यह वायरस व्हाइटफ्लाइज और थ्रिप्स जैसे कीड़ों द्वारा फसल में फैलता है। इन वाहकों की वजह से देखते ही देखते पूरा खेत इसकी चपेट में आ जाता है आसपास के खेतों पर भी इस वायरस का संक्रमण तेजी से फैलता है।

कपास के पौधे मुरझा रहे

कपास की फसल पर ज्यादा बारिश और कीट का हमला हुआ है। फसल बर्बाद होने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। सरकार से मुआवजे की मांग की जा रही है। इस साल प्रदेश के कई जिलों में किसानों के लिए खरीफ सीजन किसी संकट से कम साबित नहीं हुआ। लगातार हो रही बारिश और गुलाबी इल्ली के हमले से कपास की फसल बर्बादी के कगार पर पहुंच गई है। खेतों में खड़े कपास के पौधे मुरझा रहे हैं, झेंडे काले पडने् लगे हैं और उत्पादन की संभावनाएं आधे से भी कम हो गई है।

ज्यादा बारिश से जलभराव, सड़ गई फसल

पिछले कुछ हफ्तों से हो रही लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। जलभराव के कारण न केवल कपास के पौधे गलने लगे हैं, बल्कि झेंडे (कपास के बॉल्स) भी काले पडक़र सडने् लगे हैं। किसान कमल सिंह तोमर बताते हैं लगातार बारिश से खेतों में पानी भरा है। झेंडों के काले पडने् और सडने् से फसल चौपट हो रही है। पहले प्रति एकड़ 10 से 15 क्विंटल कपास मिल जाती थी, अब मुश्किल से 3 से 5 क्विंटल ही निकल पाएगी।

कपास की फसल में गुलाबी इल्ली का प्रकोप

प्राकृतिक आपदा से जूझते किसानों की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। खेतों में गुलाबी इल्ली का हमला भी अब तेजी से फैल रहा है। यह कीट न केवल कपास के झेंडों को बर्बाद कर रहा है, बल्कि उत्पादन और गुणवत्ता को भी भारी नुकसान पहुंचा रहा है। राजपुर के किसान मंशाराम पंचोले ने बताया कि हर झेंडे में 3-4 गुलाबी इल्ली मिल रही है। यह कपास और काकड़ा दोनों को नुकसान पहुंचा रही है। सरकार को इसे प्राकृतिक आपदा मानते हुए मुआवजा देना चाहिए।

घरेलू कपास के भाव गिरे

इस संकट के बीच किसानों को बाजार से भी राहत नहीं मिल रही। हाल ही में विदेशी कपास पर आयात शुल्क कम किए जाने से घरेलू कपास की कीमतों में भारी गिरावट आई है। किसानों का आरोप है कि सरकार की नीतियों के कारण उन्हें उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। इसके अलावा भारतीय कपास निगम की खरीदी प्रक्रिया में भी देर हो रही है, जिससे किसानों को अपनी उपज को लंबे समय तक घर में या खेत पर ही संग्रहित करना पड़ रहा है।

10 हजार एमएसपी हो

भारतीय किसान संघ के तहसील मंत्री जितेंद्र तोमर ने बताया कि 15 सितंबर को किसान आक्रोश रैली का आयोजन किया जाएगा। हमारी मांग है कि कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य 10 हजार रुपये प्रति क्विंटल किया जाए और इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा मिले। बता दें कि फसल अभी खेत में है। मंडियों में खरीदी शुरू हो गई। लेकिन अधिकांश खेतों में कपास की तुड़ाई अभी 10 से 15 दिन बाद शुरू होगी। किसानों के अनुसार यदि मौसम ऐसे ही बना रहा तो और अधिक नुकसान होगा।

लोकसेवकों के लिए सर्वाधिक डिजिटल प्रशिक्षण कोर्स तैयार करने वाला पहला राज्य बना मध्यप्रदेश

भोपाल। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रदेश के सभी विभागों में कार्यरत लोक सेवकों की कार्यदक्षता बढ़ाने उन्हें डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म द्वत्तह्ञ पोर्टल पर पंजीकृत कर लिया गया है। अभी तक 3 लाख 34 हजार लोक सेवकों को आवश्यक विषयों में प्रशिक्षण भी आवंटित किया गया जा चुका है।

मध्यप्रदेश सर्वाधिक डिजिटल प्रशिक्षण द्वत्तह्ञ पोर्टल पर निर्मित करने वाला पहला राज्य बन गया है और सबसे अधिक लोकसेवकों को द्वत्तह्ञ पोर्टल पर पंजीकृत करने वाला तीसरा राज्य है। सभी राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण अकादमियों में म.प्र. की आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी अपने प्रयासों में अग्रणी अकादमी है। आईगाट - द्वत्तह्ञ पोर्टल पर 1800 से अधिक अंग्रेजी तथा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल द्वारा तैयार 200 से अधिक हिंदी के प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार द्वारा लोकसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और उनको नागरिक केन्द्र?त होकर कर्मयोगी के रूप में दक्षतापूर्वक अपनी भूमिका निभाने मिशन कर्मयोगी वर्ष 2020 में लागू किया गया था। यह आनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने का ऐसा प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से सरकारी अधिकारी-कर्मचारी कहीं भी - कभी भी - किसी भी स्थान से अपनी सुविधानुसार स्व-प्रशिक्ष?त हो सकते हैं। वे अपनी दक्षता और ज्ञान बढ़ाने अपने विभाग से संबंधित विषयों पर उपलब्ध पाठयक्रमों में प्रशिक्ष?त हो सकते हैं। इसके अलावा अपनी रूचि अनुसान अन्य विभागों के लिए बने पाठयक्रमों में भी प्रशिक्ष?त हो सकते हैं।

15 से 19 सितम्बर तक कर्मयोगी iGOT पर सीखें सप्ताह का आयोजन

यह प्रशिक्षण सभी विभागों में कार्यरत विभिन्न कैडर्स के लोक सेवकों के लिए प्रासंगिक है। इनमें ह्क्क, सिविल सेवा आचरण नियम, यात्रा भत्ता नियम, भंडार क्रय नियम, ऋञ्ज्ञ, श्च-श्द्धह्लद्बष्द्म, जैसे अन्य कई विषयों पर पाठ्यक्रम बनाए गए हैं, जिन पर लोक सेवक प्रशिक्षित हो सकते हैं। साथ ही सभी विभागों की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यों पर विभिन्न डिजिटल पाठ्यक्रम निर्मित किए गए हैं, जिनसे अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षण प्राप्त कर दक्ष हो सकें। अकादमी के महानिदेशक, सचिन सिन्हा के नेतृत्व में आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी द्वारा 15 से 19 सितम्बर तक सभी विभागों में कर्मयोगी द्वत्तह्ञ पर सीखें सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 15 सितम्बर को इसका शुभारंभ किया जाना प्रस्तावित है। क्षमता निर्माण आयोग से मिले इनपुट को शामिल कर बनी क्षमता निर्माण नीति लागू करने में मध्यप्रदेश अग्रणी है। सभी विभागों में क्षमता निर्माण इकाइयाँ स्थापित हो गई हैं और प्रशिक्षण की आवश्यकता का विश्लेषण करने के बाद कैडर-वार क्षमता निर्माण कार्य योजनाएँ तैयार की जा रही हैं।

आरक्षक संवर्ग की सीधी भरती हेतु चयन परीक्षा-2025

ऑनलाइन आवेदन 15 सितम्बर से, परीक्षा 30 अक्टूबर को

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा पुलिस मुख्यालय, गृह विभाग (पुलिस) के अंतर्गत पुलिस आरक्षक के 7500 पदों के लिए आरक्षक संवर्ग की सीधी भरती हेतु चयन परीक्षा-2025 का विज्ञापन 14 सितम्बर 2025 को प्रकाशित किया जा रहा है। परीक्षा के आवेदन-पत्र 15 सितम्बर से 29 सितम्बर 2025 तक ऑनलाईन लिये जायेंगे। परीक्षा का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 से प्रदेश के संभावित 11 शहरों- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रीवा, रतलाम, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन में किया जायेगा। परीक्षा की नियम पुस्तिका मंडल की वेबसाईट 222.द्गह्यड्ढ.द्बश्च.द्दश1.द्बठ्ठ पर प्रदर्शित की गई है। आवेदक इसे डाउनलोड कर प्रावधान अनुसार अपना आवेदन पत्र भर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा पर शुरू हुआ अमल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस आरक्षकों की भर्ती संबंधी घोषणा पर अमल शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आगामी सिंहस्थ के मद्देनजर 22 हजार 500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती का निर्णय लिया। उन्होंने कहा था कि ये सभी भर्तियां आगामी 3 साल में कर दी जाएंगी। प्रत्येक वर्ष 7500 भर्तियां का लक्ष्य रखा गया है। पहले वर्ष में की जाने वाली भर्ती कर्मचारी चयन मंडल से और आगामी 2 वर्षों की भर्तियां म.प्र. पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा की जाएँगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आरक्षक भर्ती के लिये पुलिस भर्ती बोर्ड गठन की भी घोषणा की है।

लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

भोपाल । राजधानी भोपाल में टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के आरोपी साद और साहिल के अवैध मकानों पर शनिवार को जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। तीसरे आरोपी फरहान के घर पर कार्रवाई फिलहाल टाल दी गई है। शनिवार को 11 बजे कोर्ट में उसकी पेशी होनी थी, लेकिन लोक अदालत के चलते नहीं हो पाई।

आरोपी फरहान के पिता रिजवान ने कहा, पुलिस ने हमसे 10 लाख रुपए की डिमांड की गई थी। करीब 15 दिन तक इस मामले को दबाए रखा। हम 2 लाख रुपए ही दे पाए, 8 लाख की व्यवस्था नहीं हुई तो मिसरोद थाने के रंजीत सिंह ने मेरे बच्चे पर लव जिहाद का केस दर्ज कर दिया। अदालत का फैसला नहीं आया है, उससे पहले ही हमारे मकान गिराए जा रहे हैं।

सुबह 5 बजे से शुरू हुई कार्रवाई

शनिवार सुबह 5 बजे अर्जुन नगर में भारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी पक्ष की ओर से आवेदन लगाने के बावजूद कार्रवाई पर स्टे नहीं लगाया। फरहान, साद, साहिल, नबील, अली और अबरार पर निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप हैं। मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नियमानुसार कार्रवाई होगी। पुलिस की मौजूदगी में सरकारी जमीन पर बने अवैध कब्जे को हटाया गया। फरहान के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई फिलहाल के लिए स्थगित हो गई है। कोर्ट में लोक अदालत चल रही है, जिसके कारण लव जिहाद मामले में सुनवाई नहीं हो सकी।

इस मामले में आरोपी बनाए गए युवकों ने गिरोह बनाकर टीआईटी कॉलेज की हिंदू छात्राओं से पहले दोस्ती की, फिर उनके साथ दुष्कर्म किया। छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया और धर्म बदलकर निकाह करने के लिए दबाव बनाया गया। इतना ही नहीं, इन लड़कियों से अन्य छात्राओं को भी गिरोह में फंसाने के लिए मजबूर किया जाता था।

सुप्रीम कोर्ट में होगा ओबीसी आरक्षण का रास्ता साफ

मप्र सरकार और याचिकाकर्ताओं के बीच बनी सहमति

भोपाल। ओबीसी आरक्षण को लेकर एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह की उपस्थिति में याचिकाकर्ताओं और अधिवक्ताओं के साथ हुई बैठक में महत्वपूर्ण सहमति बनी है। बैठक के दौरान ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने पर आम सहमति बनी है। एडवोकेट जनरल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश रखा कि मप्र सरकार और मुख्यमंत्री खुद चाहते हैं कि ओबीसी को पूरा 27 प्रतिशत आरक्षण मिले। 2019 से अब तक 13त्न होल्ड पर रोके गए सभी पद ओबीसी समाज द्वारा भरे जाएं। यह मांग ओबीसी महासभा की भी रही है।

राजधानी के एक होटल में शनिवार को ओबीसी आरक्षण को लेकर बुलाई गई बैठक दो घंटे तक चली जिसमें सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर, रामेश्वर ठाकुर समेत ओबीसी वर्ग के अन्य अधिवक्ताओं, ओबीसी महासभा और ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिलाने की लड़ाई लड़ रहे संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा कि सरकार यह कह रही है कि हम 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं लेकिन पीएससी की परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती में वर्ष 2019 से जो 13 प्रतिशत पद होल्ड किए जा रहे हैं, उन पदों को अनहोल्ड नहीं किया जा रहा है जबकि सुप्रीम कोर्ट भी साफ कर चुका है कि आपको हमारे पास आने की जरूरत नहीं है। आगामी 23 सितंबर से सुप्रीम कोर्ट में शुरू होने वाली सुनवाई में सरकार और याचिकाकर्ता मिलकर संयुक्त रूप से अपना पक्ष रखेंगे। सरकार के वकीलों के साथ-साथ ओबीसी महासभा की ओर से भी अधिवक्ता नियुक्त किए जा रहे हैं। 13 प्रतिशत होल्ड हटाने और 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की दिशा में ओबीसी महासभा, याचिकाकर्ता एवं ओबीसी समाज के अधिवक्ताओं द्वारा एक अभिमत एडवोकेट जनरल को सौंपा जाएगा। यह स्पष्ट किया गया कि मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाना अब साझा लक्ष्य है, जिसे एकजुट होकर सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से लड़ा जाएगा। बैठक में शामिल अधिवक्ताओं ने बताया कि सबकी बात सुनने के बाद महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा है कि सरकार सही फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि इस बात के लिए सभी सहमति दें कि सुप्रीम कोर्ट में सभी सरकार के साथ ओबीसी आरक्षण पर पक्ष रखेंगे क्योंकि सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहती है। इसके लिए बैठक में शामिल अधिवक्ताओं और प्रतिनिधियों से हाथ उठवाकर सहमति ली गई।

बैठक में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने 13 प्रतिशत पद अनहोल्ड किए जाने को लेकर सभी अधिवक्ताओं से लिखित में सुझाव मांगे हैं, ताकि बाकी लोग कोर्ट न जा सकें और कोर्ट जाएं तो सरकार उस पर अपना पक्ष मजबूती से रख सके। इसके आधार पर वे मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। अधिवक्ताओं ने कहा है कि 52 प्रतिशत ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए वे जल्दी ही महाधिवक्ता को ड्राफ्ट बनाकर सुझाव भी देंगे।

एमपी पीसीएस फाइनल रिजल्ट घोषित, विजयपुर के देवांशु शिवहरे टॉपर

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा परीक्षा (पीसीएस-2024) का फाइनल परिणाम घोषित कर दिया है। जारी परिणाम के अनुसार विजयपुर के देवांशु शिवहरे ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर टॉपर बनने का गौरव पाया है। उन्होंने यह रैंक डिप्टी कलेक्टर पद पर प्राप्त की है। दूसरे स्थान पर ऋषव अवस्थी और तीसरे पर अंकित रहे हैं।

एमपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट एमपीपीएससी डॉट एमपी डॉट जीओवी डॉट इन पर परिणाम उपलब्ध कराए गए हैं। आयोग ने फिलहाल 87 प्रतिशत पदों का परिणाम जारी किया है, जबकि शेष 13 प्रतिशत पदों का रिजल्ट होल्ड पर रखा गया है। कुल 110 पदों में से अभी 96 पर ही परिणाम घोषित हुए हैं। एमपीपीएससी ने स्पष्ट किया है कि शेष परिणाम भी जल्द घोषित कर दिए जाएंगे।

टॉप-10 सूची (1685 अंकों में से)

देवांशु शिवहरे -	953 अंक
ऋषव अवस्थी -	945.50 अंक
अंकित -	942 अंक
शुभम -	913 अंक
हर्षिता दवे -	893.75 अंक
रुचि जाट -	891 अंक
नम्रता जैन -	890 अंक
गिरीराज परिहार -	859.75 अंक
स्वर्णा दीवान -	833.75 अंक
विक्रमदेव सर्यम -	765.50 अंक

इस तरह से टॉप-10 सूची में चार महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है, जिनमें हर्षिता दवे (5वीं रैंक), रुचि जाट (6वीं), नम्रता जैन (7वीं) और स्वर्णा दीवान (9वीं) शामिल हैं।

टॉपर देवांशु आखिर हैं कौन?

देवांशु शिवहरे वर्तमान में गुना में वाणिज्यिक कर निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनका चयन 2022 में भी एमपीपीएससी में हुआ था, लेकिन उनका सपना डिप्टी कलेक्टर बनने का था। नौकरी के साथ उन्होंने तैयारी जारी रखी और इस बार प्रथम स्थान हासिल किया। देवांशु ने आईईटी से बीटेक की पढ़ाई पूरी की और इंदौर में रहकर पीसीएस की तैयारी शुरू की।

मध्य प्रदेश में भी पूरी हुई एसआईआर की तैयारी पूरी, जल्द हो सकती है शुरुआत

भोपाल। बिहार की तर्ज पर पूरे देश में होने वाले मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन- एसआईआर) के लिए मध्य प्रदेश पूरी तरह तैयार है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं और व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। इसी के साथ संभावना जाहिर की जा रही है कि इसकी शुरुआत अगले माह से हो जाएगी।

मध्य प्रदेश में मौजूद 65 हजार से अधिक बूथ लेवल ऑफिसरों (बीएलओ) को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साथ ही नए बीएलओ की नियुक्ति के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश में आखिरी बार 2003 में एसआईआर कराया गया था। उस समय का डेटा अब सीईओ एमपी पोर्टल पर उपलब्ध है। चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए एक विशेष क्यूआर कोड भी जारी किया है। इसे स्कैन कर मतदाता 1 जनवरी 2003 की स्थिति में जारी सूची में अपना नाम देख सकते हैं।

मतदाता सूची की वर्तमान स्थिति

फिलहाल प्रदेश में कुल 5 करोड़, 65 लाख, 94 हजार, 963 मतदाता दर्ज हैं। एसआईआर के दौरान सबसे पहले यह जांच होगी कि इनमें से कितने नाम 1 जनवरी 2003 की अंतिम गहन पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल हैं। जिन मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में हैं, उन्हें दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। जिन मतदाताओं के माता या पिता का नाम उस सूची में दर्ज है, वे भी केवल एपिक नंबर देकर नामांकन कर सकेंगे। लेकिन 1987 के बाद जन्में वे मतदाता, जिनका नाम 2003 के बाद वोटर लिस्ट में शामिल हुआ, उन्हें नागरिकता और परिवार की पूर्व प्रविष्टि साबित करने वाले दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

11 हजार नए पोलिंग बूथ बनेंगे

प्रदेश में वर्तमान में 65,014 पोलिंग बूथ हैं। औसतन 1,500 मतदाता प्रति बूथ पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग की नई गाइडलाइन के अनुसार अब एक बूथ पर अधिकतम 1,200 मतदाता ही होंगे। इसी कारण करीब 11 हजार नए बूथ बनाए जाएंगे, जिससे कुल संख्या 76 हजार से अधिक हो जाएगी।

एसआईआर का इतिहास

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत अब तक 15 बार विशेष सघन पुनरीक्षण कराए जा चुके हैं। पहली बार यह 1952 में हुआ था और आखिरी बार 2003 में। इस प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई पात्र नागरिक सूची से छूटा न हो और कोई अपात्र नाम शामिल न रह जाए। चुनाव आयोग की मंशा है कि इस बार की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची और भी पारदर्शी व अद्यतन हो सके।

भोपाल में आरजीपीवी में बनेगी पुलिस चौकी

- रैगिंग और विवाद की घटनाओं को रोकने उठाया कदम

भोपाल। अक्सर अपराध पर नियंत्रण के लिए शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पुलिस चौकी बनाई जाती है, लेकिन अब राजधानी के एक विश्वविद्यालय में रैगिंग पर रोकथाम के लिए पुलिस की चौकसी बढ़ाई जाएगी। भोपाल का राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में रैगिंग व मारपीट जैसे विवादों का गढ़ बनते जा रहा है। पिछले साल सात मामले यूजी की रैगिंग हेल्पलाइन में दर्ज हुए हैं। वहीं इस साल अब तक आठ माह में आठ से अधिक मामले दर्ज हो गए।

इस पर अंकुश लगाने के लिए आरजीपीवी के कुलगुरु ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर विवि में पुलिस चौकी बनाने के लिए कहा है। साथ ही विवि ने यूजीसी से रैगिंग के रोकथाम के लिए जारी की गई गाइडलाइन को हर जगह चस्पा किया जा रहा है।साथ ही कनिष्ठ व वरिष्ठ विद्यार्थियों को रैगिंग में शामिल होने पर उसके दुष्परिणाम को समझाया जा रहा है। इस साल राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय(एनएलआईयू) में दो और बरकतउल्लाह विवि में चार मामले सामने आए हैं। राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों में बीते आठ माह में करीब 15 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं।

विद्यार्थियों को अलग-अलग छात्रावास में रखा जाए

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को छात्रावास में इस सत्र से जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों को अलग-अलग रखने के लिए निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालयों ने इसका पालन भी इस सत्र से करना शुरू कर दिया है। आरजीपीवी, बीयू, एनएलआइयू व मैनिट सभी संस्थानों में जूनियर को अलग छात्रावास में रखा जा रहा है। आरजीपीवी विद्यार्थियों को दंडित भी कर रहा है। इसके अलावा सभी विद्यार्थियों से एंटी-रैगिंग की अंडरटेकिंग लेकर जमा कराया जा रहा है।

आज होगा भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला

दुबई। एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नोमेंट में रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत हासिल करने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम हालांकि इस मैच में जीत की प्रबल दावेवारी है क्योंकि उसकी बल्लेबाज और गेंदबाजी पाकिस्तान से बेहतर है। अभी तक दोनो ही टीमों ने अपनी शुरुआती मैच जीत लिए है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज की जबकि पाक का ओमान से जीत में जमकर पसीना बहाना पड़ा। अंक तालिका में अभी भारतीय टीम पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम के सुपर 4 में पहुंचने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम ने आठ बार खिताब जीता है, वहीं पाकिस्तान ने केवल दो बार ही जीत हासिल की है।

भारत और पाक टीमों ने दुबई मैदान में पहले भी खेला है। इस मैदान पर स्पिनरों को अधिक सहायता मिलती है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर है जिसका लाभ वे उठाना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों की जीत उनकी अंतिम ग्यारह पर भी निर्भर करेगी।

पाक के खिलाफ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ही करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खासकर अर्शदीप सिंह को इस मैच में जगह मिलती है या नहीं ये देखना होगा। वहीं मध्य क्रम की .कमान सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे पर रहेगी। .

ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या,अक्षर पटेल और शिवम दुबे को अवसर मिलेगा सैमसन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, पंड्या, दुबे, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के पास रहेगी।

पाकिस्तान की टीम में सैम अयूब, शाहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस, फखर जमां और सलमान आगा पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी रही। वहीं गेंदबाजी की कमान स्पिनर मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम और अबरार अहमद पर रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

भारत – सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह।

पाकिस्तान– सलमान आगा (कप्तान), सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

एशिया कप में पाकिस्तान पर हमेशा भारी पडी है भारतीय टीम

दुबई । भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर रविवार को एशिया कप में टकरायेंगी। इस मैच को लेकर भारी रोमांच रहता है। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के लिए सभी तैयारियों हो गयी हैं और दोनो ही टीमें आपस में टकराने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम ने अपने अपने पहले ही मैच में मेजबान यूएई को एकतरफा मुकाबले में हराकर अपने इरादे जता दिये हैं। वहीं पाकिस्तान ने पहले मुकाबले में कड़े संघर्ष के बाद ओमान को हराया है। दोनों टीमें एक ही ग्रुप में है। भारतीय टीम अंक तालिक में पहले जबकि पाक दूसरे नंबर पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो एशिया कप में अब तक दोनों ही टीमों के बीच 18 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को 10 बार जबकि पाकिस्तान को 6 बार जीत मिली है। भारतीय टीम रिकॉर्ड 8 बार एशिया कप ट्रॉफी जीती है। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का फाइनल कभी नहीं हुआ है। एशिया कप की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। भारत और पाकिस्तान की टीमें तब से अभी तक 18 बार आमने-सामने आई हैं। दोनों टीमों के बीच 1997 और 2023 में एक एक मुकाबला परिणाम रहित रहा।

15 बार एशिया कप एकदिवसीय प्रारुप में हुआ। फॉर्मेट में इसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि पाकिस्तान ने 5 बार जीत हासिल की है। दो मुकाबलों का परिणाम नहीं मिला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए एशिया कप मुकाबलों में विराट कोहली ने सबसे अधिक रन बनाए हैं।

आदित्य और नाइशा ने अंडर-15 टेबल टेनिस खिताब जीते

नई दिल्लीस्र। त्यागराज स्टेडियम में आयोजित दूसरी यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-15 वर्ग के फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। पश्चिम बंगाल के आदित्य दास ने लड़कों के फाइनल में अपने ही राज्य के ऋषान चट्टोपाध्याय को 3-2 (11-4, 7-11, 11-13, 11-3, 13-11) से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, लड़कियों के फाइनल में महाराष्ट्र की नाइशा रेवास्कर ने शानदार वापसी करते हुए पश्चिम बंगाल की अहोना रे को 3-2 (8-11, 11-6, 14-12, 2-11, 11-9) से मात देकर खिताब अपने नाम किया।

लड़कों के फाइनल में, आदित्य ने मजबूत शुरुआत की लेकिन 1-2 से पिछड़ गए। उन्होंने शानदार वापसी करते हुए चौथा गेम जीता और मैच को निर्णायक गेम तक खींचा। दबाव में भी शांत रहते हुए, उन्होंने अपने दूसरे मैच प्वाइंट को भुनाया और 13-11 से जीत हासिल कर अपने करियर का एक और खिताब जीता। लड़कियों के फाइनल में नाइशा ने अपनी दृढ़ता का परिचय दिया। पहला गेम हारने के बाद, उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो गेम जीते। तीसरा गेम 14-12 के कड़े मुकाबले के बाद उनके नाम रहा। हालांकि, अहोना ने चौथे गेम में वापसी की, लेकिन नाइशा ने निर्णायक गेम में धैर्य बनाए रखा और महत्वपूर्ण अंक बटोरकर 11-9 से जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में, आदित्य ने हरियाणा के वत्सल दुलकन को 3-1 (11-9, 11-8, 8-11, 11-9) से और ऋषान ने तमिलनाडु के आकाश राजावेलु को 3-1 (11-9, 11-9, 10-12, 11-7) से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। लड़कियों के वर्ग में, नाइशा ने सीधे गेमों में श्रीजानी चक्रवर्ती को 3-0 (11-6, 11-2, 11-8) से हराया, जबकि अहोना ने एक रोमांचक मुकाबले में अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-2 (11-8, 14-12, 5-11, 9-11, 11-7) से मात दी।

हरभजन को मिल सकती है बीसीसीआई में बड़ी जिम्मेदारी

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने उन्हें 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना आम बैठक के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया है। गौरतलब है कि एजीएम में बीसीसीआई पांच प्रमुख पदाधिकारियों का चुनाव करेगा। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सौरव गांगुली को अपना नियुक्त किया है। ऐसे में गांगुली को भी बोर्ड के अगले अध्यक्ष पद का दावेदार माना जा रहा है। वह पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष रहे हैं।

बीसीसीआई एजीएम के मुख्य एजेंडे में बीसीसीआई बोर्ड अध्यक्ष सहित शीर्ष पदाधिकारियों के चुनाव और नियुक्ति भी शामिल है। जिनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष शामिल है। बैठक में शीर्ष परिषद के लिए एक आम सभा प्रतिनिधि और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए दो सदस्यों के नाम पर भी फैसला होगा। हरभजन भारत की 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सलाहकार रहे हैं। इस बार वह अपने राज्य संघ के प्रतिनिधि के रूप में पहली बार उपस्थित रहेंगे।

वहीं इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम भी बीसीसीआई अध्यक्ष के लिए सामने आया था पर सचिन ने इससे इंकार कर दिया था। वहीं हभजन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।

बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों एजीएम को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया सचिव, प्रभतेज सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष और रोहन देसाई संयुक्त सचिव जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है।

पाकिस्तान के साथ नहीं खेलना चाहिये- केदार जाघव

पुणे । पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच का विरोध तेज हो गया है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, मनोज तिवारी के बाद अब केदार जाघव ने भी कहा है कि ये मैच नहीं होना चाहिये। यहां पुणे वॉकेथॉन में पहुंचे जाधव ने कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए पर रविवार को मैच होने जा रहा है। वहीं कुछ दिनों पहले ही पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने भी कहा था कि भारतीय टीम को पाक से संबंध नहीं रखने चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें पर सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, इसमें खेल भी शामिल हैं।

वहीं इससे पहले भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ये मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा पर पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी का मानना है कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। वहीं मनोज तिवारी ने कहा थ कि पहलगाम हमले के बाद पाक के साथ खेलने का भी नहीं सोचा जा सकता है।

ओमान पर जीत के बाद भी अंक तालिका में भारत से पीछे हैं पाकिस्तान

दुबई। मोहम्मद हारिस की शानदार बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने ओमान को 93 रनों से हराकर एशिया कप क्रिकेट टूर्नोमेंट में अपना पहला मुकाबला जीत लिया है। इस मैच में पाक की ओर से हारिस ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाये। इस जीत के बाद भी पाक टीम अंक तालिका में भारत से पीछे है। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में यूएई को एकतरफा मुकाबले में 9 विकेट से हराया था। अब रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला पाक से होगा।

अब एशिया कप ग्रुप ए अंक तालिका में भारतीय टीम 2 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं पाक को भी एक जीत से 2 अंक मिले हैं पर वह रन रेट के आधार पर दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय टीम का नेटरन रेट 10.483 का हो गया है। वहीं पाक टीम का नेट रन रेट 4.650 है। दूसरी ओर ग्रुप बी में अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीम दो-दो अंक लेकर पहले और दूसरे नंबर पर हैं।

सैमसन पांचवे, छठे सहित किसी भी क्रम पर कर सकते हैं बेहतर बल्लेबाजी - कोटक

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को पाकिस्तान के खिलाफ पांचवें या छठे नंबर पर ही उतारा जाएगा। इसका कारण है कि शुभमन गिल की टीम में वापसी के बाद उन्हे पारी की शुरुआत के लिए रखा गया है। यूएई के खिलाफ पहले मैच में भी शुभमन ने पारी की शुरुआत की थी। वहीं सैमसन ने टी20 में अधिकतर पारी की शुरुआत की है और पांचवें नंबर पर उन्हें बल्लेबाजी का अधिक अनुभव नहीं है। इसी को लेकर कई दिग्गजों ने चिन्ता जतायी है। वहीं बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक का कहना है कि सैमसन पांचवे नंबर पर भी अच्छी बल्लेबाजी करेंगे। कोटक के अनुसार सैमसन ने अधिकतर पारी की शुरुआत की है पर इसका ये अर्थ नहीं है कि वह पांचवे नंबर पर अच्छा नहीं खेल सकते। कोटक ने कहा, 'सैमसन ने पांचवें या छठे नंबर पर अधिक बल्लेबाजी नहीं की है पर इसका मतलब यह नहीं है कि वह ऐसा नहीं कर सकते। मेरा मानना है कि वह ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी नंबर पर अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इसलिए, टीम की आवश्यकता के अनुसार कप्तान और मुख्य कोच फैसला करेंगे कि उन्हें किस नंबर पर उतारा जाना चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में अधिकतर बल्लेबाज ऐसे हैं जो किसी भी क्रम पर उतर सकते हैं। ऐसे में किसको कब उतरना है इसका फैसला कप्तान और कोच मिलकर करते हैं। '

कोटक ने कहा, 'टीम का हर खिलाड़ी किसी पर क्रम पर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है। सैमसन पिछले मैच में पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी करते पर अगले मैच में वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।' कोच के अनुसार भारतीय टीम में कई खिलाड़ी फिनिशर की भूमिका निभाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा,'मुझे लगता है कि हर कोई अपनी भूमिका जानता है और हमारे पास फिनिशर की भूमिका के लिए भी कई विकल्प है। इसलिए हम हालातों के अनुसार उनका उपयोग कर सकते हैं।

चहल की तरफ बनना चाहते हैं आर्यवीर कोहली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली ने इस बार दिल्ली प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आर्यवीर विराट की तरह बल्लेबाज नहीं बल्कि लेग स्पिनर हैं। वह युजवेंद्र चहल जैसा गेंदबाज बना चाहते हैं और दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न को अपना आदर्श मानते हैं। आर्यवीर ने चहल ओर वार्न दोनों के वीडियो देखकर स्पिन की बारीकियां सीखीं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में आर्यवीर ने यह खुलासा किया है।

चहल अच्छे प्रदर्शन के बाद भी करीब दो साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2023 में खेला था। वो अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच में मैदान में उतरे थे। इससे पहले जनवरी 2023 में उन्होंने न्यूजीलैंड के ि ख ल ा फ आखिरी एकदिवसीय मैच खेला था। चहल हालांकि आईपीएल में सक्रिय हैं।

सचिन और विराट हैं मेरे आदर्श-शुभमन

दुबई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उपकप्तान बने शुभमन गिल का कहना है कि वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को वह अपना आदर्श मानते हैं। शुभमन पिछले कुछ समय में तेजी से अपने करियर में बुलंदियों पर आये हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने इंग्लैड दौरे में हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। शुभमन को प्रिंस के नाम से भी जाना जाता है और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह भविष्य में किंग कोहली की तरह बनेंगे। टेस्ट में कप्तानी मिलने के बाद से ही उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी हुई है। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में 700 से अधिक रन बनाये थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिस प्रकार वह ऊपर आये हैं उससे साफ है कि आने वाला समय उनका है। वहीं शुभमन ने कहा , मेरे दो आदर्श रहे हैं। पहले हैं सचिन तेंदुलकर। वह मेरे पिता के पसंदीदा थे और मैं क्रिकेट में आया भी तो उनकी ही वजह से। वह 2013 में रिटायर हुए और 2011-13 के आसपास मैं क्रिकेट को समझने लगा।

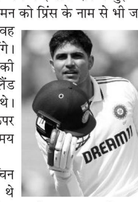

वहीं शुभमन ने आगे कहा, 'उसी समय मैंने विराट को बारीकी से देखना शुरू कर दिया। वह जिस तरह से अपना काम करते थे, उसे देखना मैं पसंद करने लगा। खेल के लिए उनका जुनून और भूख मुझे अच्छी लगने लगी। आप सभी कौशल और सभी तकनीक सीख सकते हैं पर भूख ऐसी चीज है जो या तो आपके पास होगी या नहीं होगी। विराट में यह कूट-कूटकर था और इसने मुझे वाकई प्रभावित किया।' शुभमन ने कहा, प्रतिभा और स्किल एक अलग चीज है पर अगर आपके अंदर भूख और जुनून नहीं है तो इसका कोई अर्थ नहीं है।

इस युवा क्रिकेटर ने कहा कि संगीत में भी उनकी रुचि रही है। मैचों से पहले शास्त्रीय धुनों को सुनने से उनकी खेल पर एकाग्रता बनी रहती है। शुभमन गिल अभी एशिया कप में खेल रहे हैं। करीब सालभर बाद उनकी टी20 टीम में वापसी हुई है।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 146 रन से हराकर सीरीज में बराबरी की

ओल्ड ट्रैफर्ड। जोस बटलर और फिल सॉल्ट की शानदार बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 146 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस मैच में सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने 60 गेंदों पर ही नाबाद 141 रन जबकि बटलर ने 30 गेंदों पर 83 रन बना दिये। इस मैच में ीत से हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 2 विकेट पर 304 रन बनाये। मेजबान टीम ने साल्ट और बटलर की शतकीय साझेदारी से पहले विकेट के लिए ही 126 रन बना दिये। बटलर के आउट होने के बाद सॉल्ट ने जैकब बेथेल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। इंग्लैंड का दूसरा विकेट 221 के स्कोर पर गिरा। वहीं इसके बाद 305 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहमान दक्षिण अफ्रीकी टीम 16.1 ओवर में 158 रनों पर ही सिमट गयी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से

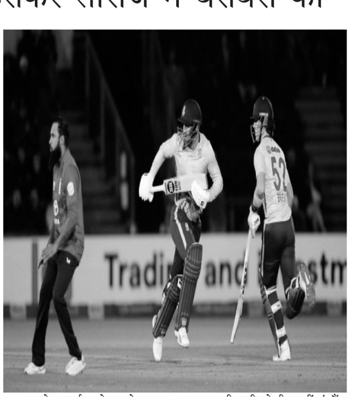

कप्तान एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए जबकि रियान रिकलेटन ने 20 रन बनाये। वहीं डोनोवान फेरेरा और ट्रिस्टन स्टब्स ने 23-23 रन बनाए। ब्योर्म फोर्टन ने 32 रन की पारी खेली। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट जबकि सैम करन, डॉसन और विल जैक्स ने दो दो विकेट लिए।

अब हैम्पशर की ओर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे सुंदर

नई दिल्ली। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर अब इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैम्पशर की ओर से खेलते नजर आयेंगे। हैम्पशर ने समरसेट और सरे के खिलाफ अपने मुकाबलों के लिए सुंदर के नाम की घोषणा की है। हैम्पशर ने सोशल मीडिया में लिखा, "आपका स्वागत है, सुंदर। वह अंतिम दो काउंटी मैचों के लिए हमारी टीम से जुड़ेंगे।" हैम्पशर के क्रिकेट निदेशक जाइल्स वाइट ने भी सुंदर से करार पर खुशी जतायी हैं और कहा कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। वाइट ने कहा, "काउंटी चैंपियनशिप के लिए वॉशिंगटन को क्लब में शामिल कर हमें खुशी हो रही है। समरसेट और सरे के खिलाफ आने वाले दो मैचों में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।" इस पांच मैचों की सीरीज में वॉशिंगटन ने 47 के औसत से 284 रन बनाए जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में बनाया गया उनका पहला शतक भी शामिल है। वॉशिंगटन काउंटी क्रिकेट में दूसरी बार खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में लंकाशर के लिए चैंपियनशिप और वनडे कप खेला था।

यूसुफ पठान की याचिका खारिज

अहमदाबाद । पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने पठान की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने वडोदरा नगर निगल (वीएमसी) के उस नोटिस को रद्द करने की अपील की थी जो प्लाट पर कब्जे को लेकर उन्हें दिया गया था। पठान की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि जिस जमीन पर पठान ने कब्जा किया है वह उनकी नहीं बल्कि नगर निगम की है। ऐसे में उन्हें जगह पर से कब्जा हटाना होगा। अदालत के आदेश के बाद पठान ने जिस जगह पर कब्जा किया है। उसपर अब बुल्डोजर एक्शन का खतरा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पूर्व क्रिकेटर को भूमि का 'अतिक्रमणकारी' पाया गया है और वडोदरा नगर निगम इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करे। गौरतलब है कि पठान ने साल 2012 में अस्तबल बनाने के लिए वडोदरा नगर निगम से प्लॉट लिया था। तब नगर निगम ने प्लॉट का मूल्यांकन 57,270 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय करते हुए बिना नीलामी के उसे बेचने का प्रस्ताव पारित किया था पर साल 2014 में राज्य सरकार ने पठान को प्लॉट आवंटित करने के वडोदरा नगर निगम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इतने साल तक प्लॉट पठान के पास रहा। जून 2024 में जब पठान पश्चिम बंगाल के बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए, तो वीएमसी के एक पार्षद ने पठान के इस प्लॉट पर कब्जे को लेकर आपत्ति जताई. इसके बाद वीएमसी ने उन्हें इस जगह को खाली करने का नोटिस जारी किया जिसपर पठान ने हाईकोर्ट में याचिका लगायी जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। पठान ने इस प्लॉट को बाजार मूल्य पर खरीदने की इच्छा जताई, लेकिन वीएमसी ने उनकी याचिका का विरोध किया।

अब तुर्की के फुटबॉल क्लब से खेलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना अब आने वाले सत्र में तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। त्राब्जोंसपोर ने इस फुटबॉलर को लोन पर शामिल किया है हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस करार को मंजूरी मिलनी शेष है। यह करार तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले ही पूरा किया गया है। इसी को लेकर त्राब्जोंसपोर ने कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ करार हुआ है, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सत्र के लिए हमारे क्लब में ट्रांसफर किया गया है।इस फुटबॉलर ने जुलाई 2023 में इटली के इंटर मिलान क्लब से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं।

लाडली बहना योजना प्रारंभ होने से अब तक जिले की बहनों को मिली 1194 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने बालाघाट जिले की महिलाओं के जीवन में एक नया सबेरा लाया है। इस योजना के अंतर्गत जिले की लाड़ली बहनों को अब तक कुल 1194 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। यह राशि न केवल महिलाओं को आर्थिक संबल दे रही है, बल्कि जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है। 1194 करोड़ रुपये की राशि प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जिले की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जून 2023 में इस योजना की पहली किश्त के रूप में 01-01 हजार रुपये की राशि महिलाओं के खाते में अंतरित की गई थी। जिसमें बालाघाट जिले की 03 लाख 51 हजार 791 बहनों के खाते में 33 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि जमा हुई थी। 12 सितम्बर 2025 को इस योजना की 28 वीं किश्त के रूप में बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 634 बहनों के खाते में 41 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि जमा हुई है। इस प्रकार लाड़ली बहना योजना में बालाघाट जिले की बहनों की खातों में अब तक कुल 1194 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि आ चुकी है। इस राशि से महिलायें सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। लाडली बहनें हर माह मिलने वाली इस योजना की राशि से अपनी दैनिक जरूरतों के लिए परिवार पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि अपनी इच्छा के अनुसार खर्च करने में सक्षम हो गई हैं। कुछ बहनों ने इस राशि का उपयोग अपने सिलाई-कड़ाई एवं अन्य व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया है तो कुछ ने अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए इस राशि का उपयोग किया है। बालाघाट की निवासी रीता गौतम ने लाड़ली बहना योजना की राशि से अपने सिलाई के व्यवसाय को आगे बढ़ाया है । बालाघाट की ही माधुरी खंडेलकर ने हर माह मिलने वाली राशि को बचत करके रखा है और वह इस राशि का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलाने में खर्च करना चाहती है। बालाघाट की ही निर्मला कोकोटे ने इस योजना की राशि अपनी पढ़ाई पर लगाई है और आज वह एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई कर रही है। लाडली बहना योजना ने महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा को पुख्ता किया है। इस योजना में मिली राशि का उपयोग बहनें अटल पेंशन योजना में निवेश कर अपने भविष्य के लिए एक निश्चित पेंशन का इंतजाम कर रही हैं। कुछ बहनों ने इस योजना की राशि से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में अपना बीमा कराया है। इस योजना का लाभ पाकर बहनों ने अपने जीवन को नई दिशा दी है। कहीं सिलाई मशीन की आवाज़ आत्मनिर्भरता की कहानी कहती है, तो कहीं छोटे व्यवसायों से महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। कुछ महिलाओं के लिए पहले घर चलाना मुश्किल था, लेकिन अब उनकी समस्या का हल इस योजना ने कर दिया है अब बच्चों की पढ़ाई और रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। सरकार का यह कदम लाडली बहनों के लिए बहुत बड़ा सहारा बना है। इस योजना ने लाडली बहनों की क्रय शक्ति को मजबूत किया है जिससे बाजारों में स्थानीय खरीदारी बढ़ी है और व्यवसायों को भी लाभ हो रहा है। प्रदेश सरकार की यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक ठोस कदम है।

पीएम श्री शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में एनसीसी ट्रूप द्वारा नई रोशनी योजना पर सेमीनार का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एन.सी.सी ग्रुप के द्वारा एस.एस.सी.डी एक्टिविटिस के अंतर्गत नई रोशनी योजना पर सेमीनार का आयोजन किया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं आर्शिवचन तथा 6 एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन बालाघाट के कमान अधिकार ले. कर्नल वी. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में विचार संगोष्ठी का आयोजन हुआ । जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. आनंद सिंह पारधी, डॉ. ताराचंद बड़गैया, अतुल मेश्राम उपस्थित रहे। संगोष्ठी में प्रस्तावित भाषण एन.सी.सी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे द्वारा दिया गया जिसमें बताया गया कि भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना में नई रोशनी योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सामाजिक राजनीतिक उत्थान की नींव रखी जा रही है? मुख्य वक्ता प्रो. पारधी द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं वर्तमान सरकार की नितियों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. बड़गैया द्वारा सशक्त नारी समाज में शिक्षा की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। संगोष्ठी में सभी एन.सी.सी. कैडेट्स ने अपनी उपस्थिति दी।

सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ देने आंगनवाड़ी केन्द्रों में कैम्प का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं ला बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया एवं परियोजना अधिकारी शैलेंद्र चौकसे के मार्गदर्शन में शहरी क्षेत्र बालाघाट के आंगनवाड़ी केंद्र क्र 27 व 51 में बालिकाओं को सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ देने के लिए कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में बालिकाओं के आधार कार्ड बनवाए गए, जिससे उन्हें सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ जल्द से जल्द दिया जा सकें। इस कैम्प में पर्यवेक्षक श्रीमती नेहा ठाकुर एवं अंजना दुबे उपस्थित रही।

फौती दर्ज कराने जिले के ग्रामों में चलाया गया बी-1 वाचन का विशेष अभियान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना की पहल पर राजस्व विभाग द्वारा बालाघाट जिले में बी-1 वाचन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मृत हो चुके व्यक्तियों के नाम राजस्व अभिलेख से हटाकर उसके स्थान पर मृतक के वारसानों के नाम दर्ज कराना है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के 819 ग्रामों में बी-1 का वाचन किया जाकर फौती नामांतरण दर्ज कराने के लिए 1552 आवेदन प्राप्त किये गये हैं। बी-1 वाचन के इस अभियान से ग्रामीणों में जागरूकता आ रही है और वे फौती नामांतरण के लिए आवेदन कर रहे हैं। बालाघाट जिले में मृत हो चुके व्यक्तियों की राजस्व अभिलेखों में फौती दर्ज कराने के लिए 08 सितम्बर 2025 से ग्रामों में बी-1 वाचन का विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत पटवारी द्वारा ग्राम में जाकर ग्रामीणों के समक्ष बी-1 का वाचन कराया जाता है। बी-वाचन के दौरान राजस्व अभिलेखों में दर्ज लेकिन मृत हो चुके व्यक्तियों की जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके बाद मृत हो चुके व्यक्ति के वारसानों के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने की कार्यवाही की जाती है। बी-1 वाचन के विशेष अभियान के अंतर्गत जिले की 12 तहसीलों के कुल 1318 ग्रामों में बी-1 का वाचन किया जाना है। 08 सितम्बर से प्रारंभ इस अभियान में अब तक 819 ग्रामों में बी-1 का वाचन कर लिया गया है। बी-1 वाचन के दौरान बालाघाट तहसील के 56 ग्रामों में 130, लामता तहसील के 46 ग्रामों में 113, वारासिवनी तहसील के 49 ग्रामों में 178, लालबर्रा तहसील के 71 ग्रामों में 274, खैरलांजी तहसील के 68 ग्रामों में 232, तिरोड़ी तहसील के 66 ग्रामों में 217, बैहर तहसील के 25 ग्रामों में 321,बिरसा तहसील के 125 ग्रामों में 207, परसवाड़ा तहसील के 1114 ग्रामों में 268, किरनापुर तहसील के 69 ग्रामों में 192 एवं लांजी तहसील के 85 ग्रामों में 164 व्यक्ति मृत अर्थात फौत पाये गये हैं। इस प्रकार बी-1 वाचन के दौरान जिले के 819 ग्रामों में राजस्व अभिलेख में दर्ज कुल 2296 व्यक्ति मृत पाये गये हैं। मृत व्यक्तियों के वारसनों से उनके नाम मृतक के स्थान पर दर्ज कराने के लिए आवेदन भी प्राप्त किये जा रहे हैं। बी-1 वाचन के दौरान फौती दर्ज कराने के 1552 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जिनमें कटंगी तहसील के 45, बालाघाट तहसील के 130, लामता के 113, वारासिवनी के 82, लालबर्रा के 69, खैरलांजी के 232, तिरोड़ी के 42, बैहर के 94,बिरसा के 207, परसवाड़ा के 217,किरनापुर के 127 एवं लांजी तहसील के 164 आवेदन शामिल हैं। फौती नामांतरण के आवेदन आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कराये जाकर राजस्व अभिलेखों में मृतकों के वारसानों के नाम दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है।

एनीमिया और कृमि मुक्ति दिवस पर हुई विकासखंड स्तरीय कार्यशाला

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। 23 सितंबर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और 26 सितंबर मॉप-अप दिवस के लक्ष्य की पूर्ति के लिए विकासखंड के समस्त सीएमओ, एएनएम की कार्यशाला का जनपद पंचायत कटंगी के सभागार में आयोजन हुआ. भारत सरकार के निर्देशानुसार फिक्स डे स्ट्रेटेजी के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मध्यप्रदेश सहित समस्त राज्यों और जिलों में 23 सितंबर 2025 (मंगलवार) को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और 26 सितंबर 2025 (शुक्रवार) को माप-अप दिवस का आयोजन किया जाएगा. इस अभियान के अंतर्गत शासकीय, अशासकीय, केंद्र शासित, आदिवासी आश्रम शालाओं, मदरसों, आंगनबाड़ी केंद्रों और किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अंतर्गत संचालित चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट्स में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के समस्त बच्चों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 20 से 49 वर्ष की प्रजनन आयु वर्ग की महिलाएं को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजॉल का सेवन कराया जाएगा. गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन नहीं कराया जाएगा। कार्यशाला के दौरान यह भी बताया गया कि आगामी 27 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान भी चलाया जाएगा. कार्यशाला में डॉ सरवन ठाकरे, डॉ प्रगति सोनी, डॉ आलोक सूर्यवंशी, बीईई जानकी हरिनखेड़े ,बीसीएम वेनिश गेढ़ाम, बीपीएम जवाहरलाल बिसेन, एनएमए नेहरुलाल पारधी, परामर्शदाता चंद्रदीप साहू और एमपीडब्ल्यू पर्यवेक्षक, सेक्टर सुपरवाइजर और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

धीरेन्द्र शास्त्री के कन्वर्ट बयान पर बोली शिवांगी दीदी सभी बड़े भाव से सुनने आते है कथा

एकल अभियान नगर और गांव को जोड़ रहा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट में श्री हरिकथा आयोजन में श्रीमद भागवत कथा बता रही, कथावाचक शिवांगी दीदी का, धीरेन्द्र शास्त्री के दिए गए कन्वर्ट वाले बयान पर कहा की सभी वर्ग उनकी कथा सुनने आते है। शनिवार को प्रेस से चर्चा करते हुए कथाकार शिवांगी दीदी ने बोला कि यह उनका विषय है, लेकिन भारत में भी कुछ लोग है, जो भारतीय संस्कृति को मानते है, सब वैसे नहीं है, जब, हम कथा सुनाने जाते है तो ब? भाव से वे, कथा सुनने आते है, हम सभी के बारे में ऐसा नहीं कह सकते। 8 सितंबर से 14 सितंबर तक नगर के मोतीनगर चौक, दुर्गा मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथावाचक सुश्री शिवांगी दीदी, धर्मप्रेमी लोगो को भागवत कथा सुना रही है। शनिवार को प्रेस से चर्चा में उन्होंने बताया कि वह बचपन से शिक्षक बनना चाहती थी और परमार्थ करने का शौक था, इसलिए ठाकुर जी की कृपा से वह कथावाचक बन गई। उन्होंने बताया कि एकल अभियान नगर और गांव को जोड़ने का काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि एक स्त्री, जब धर्म से जुड़ती है तो वह दो परिवारों को संस्कारित करती है, उन्होने बताया कि कथा, भक्ति के साथ-साथ शक्ति का भी जागरण होता है। उन्होंने युवाओं को धर्म की फील्ड में आने का आह्वान करते बताया कि यह लोक तो बनेगा ही वह लोक भी बनेगा। यदि आज की पीढ़ी कथा और धर्म से जुड़ेगी तो हमारा भारत, अवश्य ही विश्व गुरू बनेगा। इस दौरान कि एकल अभियान की कथाकार गीता किशोरी, चंद्रकला आर्मो, एकल अभियान जिलाध्यक्ष गौरव दुबे, महिला जिलाध्यक्ष श्वेता सेठिया और अन्य मौजूद रहे।

नियमित शिक्षकों को राहत, अतिथि शिक्षकों पर सख्ती

- ऑनलाइन अटेंडेंस न होने से 97 हजार अतिथि शिक्षकों का मानदेय अटका

भोपाल । शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर एक बार फिर विरोध के स्वर उपजे हैं। अतिथि शिक्षकों ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग इस मामले में दोहरा रवैया अपना रहा है। नियमित शिक्षको के विरोध के बाद उन्हें इससे मुक्त रखा गया है जबकि वाहवाही लूटने के चक्कर में अतिथि शिक्षकों के पर अधिकारियों ने शिकंजा कसा है। स्कूल शिक्षा विभाग के 72 हजार और जनजातीय कार्य विभाग के 25 हजार अतिथि शिक्षकों का मानदेय दो माह से नहीं दिया गया है। अतिथि शिक्षक संगठन ने सरकार से इस पर पुनर्विचार कर समान व्यवहार लागू करने की मांग की है। इनका कहना है कि दो माह काम करने के बाद भी एंड्रायड मोबाइल न होने से ऑनलाइन अटेंडेंस लगाने से वंचित हजारों अतिथि शिक्षकों को मानदेय से वंचित किया जा रहा है। अतिथि शिक्षक तीन महीने बेरोजगार रहने के बाद सेवा में लगे हैं। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस से दिक्कत नहीं है लेकिन व्यवहारिक समस्याओं और ऐप में व्याप्त विसंगतियों के कारण ई अटेंडेंस व्यवहारिक नहीं है।

सरकार ने लौटाई विधायकों के वेतन वृद्धि की फाइल

- माननीयों की मंशा पर एक बार फिर फिरा पानी

भोपाल। मप्र के विधायकों के वेतन-भत्तों में 45 फीसदी का इजाफा करने वाले प्रस्ताव का फिलहाल सरकार ने नकार दिया है और विधानसभा की सदस्य समिति की तरफ से सरकार को भेजी गई सिफारिशी फाइल को लौटा दिया गया है। जानकारी के अनुसार विधायकों का वेतन 1.60 लाख रुपए करने की सिफारिश की गई थी। इसके अलावा पूर्व विधायकों की पेंशन में इजाफा करने का प्रस्ताव भी दिया गया था। गौरतलब है कि विधानसभा अध्यक्ष की तरफ से ये प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया गया था। इस पर सरकार की तीन सदस्यीय समिति को फैसला लेना था। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित वरिष्ठ विधायकों के बीच चर्चा के बाद उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में समिति बनाने का निर्णय लिया गया। इसमें भाजपा और कांग्रेस से एक-एक सदस्य रहेंगे। कांग्रेस ने सचिन यादव का नाम दे दिया है, भाजपा से आना बाकी है। विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों का कहना है समिति के सामने सदस्य सुविधा समिति द्वारा की गई अनुशंसा के साथ अन्य राज्यों में विधायक व पूर्व विधायकों को, वेतन-भत्ता, पेंशन सहित जो अन्य सुविधाएं मिल रही हैं, रखी जाएंगी। इसके आधार पर समिति अनुशंसा करेगी।

जानकारी के अनुसार, विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति ने विधायकों के वेतन और पेंशन में वृद्धि का जो प्रस्ताव दिया था, उसकी फाइल सरकार ने

लौटा दी है। अब वित्त विभाग भी देख रहे उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। यह समिति सभी राज्यों में विधायकों में मिले रहे वेतन-भत्तों का अध्ययन करके रिपोर्ट तैयार करेगी। अभी प्रदेश के विधायकों को एक लाख 10 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन-भत्ता मिल रहा है, जो पड़ोसी राज्य, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड और उत्तर प्रदेश से कम है। लंबे समय से विधायक वेतन-भत्ते और पूर्व विधायक पेंशन में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। सामान्यत: वेतन-भत्ते में वृद्धि की अनुशंसा के लिए विधानसभा के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में समिति गठित होती है लेकिन वर्तमान में कोई उपाध्यक्ष नहीं है इसलिए सदस्य सुविधा समिति को विधायकों के मामलों में विचार करने का दायित्व दिया गया। इसने सरकार से विधायकों का प्रतिमाह वेतन-भत्ता एक लाख 10 हजार रुपये से बढ़ाकर झारखंड की तरह दो लाख रुपये और पेंशन छत्तीसगढ़ की तरह करने की अनुशंसा की। वहां पूर्व विधायकों को 58,300 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। इसे अव्यावहारिक मानते हुए फाइल वापस लौटाई गई है।

विधायकों ने सदस्य सुविधा समिति से की थी मांग

विधायकों ने विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह (गुढ़) के सामने वेतन-भत्ते और विधायक निधि बढ़ाने की मांग रखी थी। समिति ने विधायकों की मांग पर विचार कर वेतन-भत्ते और विधायक निधि बढ़ाने की सिफारिश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और डॉ. मुख्यमंत्री मोहन यादव से की थी। ये सिफारिश विचाराधीन थी। इसी बीच जुलाई के आखिरी हफ्ते से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हुआ। सत्र के दौरान कई विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और सदस्य सुविधा समिति की सिफारिश पर विचार करने के लिए कहा। विधायकों ने कहा कि सदन में मुख्यमंत्री और संसदीय कार्यमंत्री दोनों मौजूद हैं, उनके सामने इस मांग को रखा जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अन्य विधायकों ने भी सदन के भीतर वेतन-भत्ते बढ़ाने की मांग की थी।

50 हजार रुपए वेतन-भत्ता बढ़ाने का प्रस्ताव

मप्र में विधायकों के वेतन-भत्ते साल 2016 में बढ़ाए गए थे। पिछले नौ साल से विधायकों को 30 हजार रुपए वेतन मिल रहा है। इसके अलावा 35 हजार रुपए निर्वाचन भत्ता है। बाकी भत्ते मिलाकर कुल 1 लाख 10 हजार रुपए मिल रहे हैं। अब इसमें 50 हजार रुपए बढ़ाने की सिफारिश विधानसभा ने की है यानी विधायकों को 1 लाख 60 हजार रुपए दिए जाने का प्रस्ताव है। वहीं, पूर्व विधायकों को करीब 70 हजार रुपए पेंशन देने की सिफारिश की गई है। वर्तमान में पूर्व विधायकों को 35 हजार रुपए पेंशन मिलती है। विधायकों को रेल कूपन भी दिया जाता है, इससे विधायक राज्य के अंदर और बाहर रेल यात्रा कर सकते हैं। यह रेल कूपन विधायक के अकेले सफर के लिए फर्स्ट क्लास एसी के लिए होता है। वे राज्य के भीतर एक साल में 10 हजार किलोमीटर की यात्रा कर सकते हैं। विधायकों को 10 हजार रुपए मेडिकल अलाउंस और विधानसभा की हर बैठक में भाग लेने के लिए 2500 रुपए तक दैनिक भत्ता दिया जाता है। मप्र के पांचों पड़ोसी राज्य यूपी, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ के विधायकों का वेतन-भत्ता मप्र के विधायकों से ज्यादा है। वेतन-भत्ता 1 लाख 60 हजार रुपए होने पर ये राजस्थान और गुजरात के विधायकों से ज्यादा हो जाएगा।

प्रस्तावित बढ़ोतरी के बाद 99 लाख का अतिरिक्त भार

प्रदेश में 230 विधायकों में से 31 मंत्री हैं। मंत्रियों को वेतन सामान्य प्रशासन विभाग देता है। मुख्यमंत्री को 2 लाख रुपए तो कैबिनेट मंत्रियों को 1.70 लाख और राज्य मंत्रियों को 1.45 लाख रुपए मिलते हैं। शेष 199 विधायकों का वेतन भुगतान विधानसभा से होता है। इनमें विधानसभा अध्यक्ष का 1 लाख 87 हजार रुपए वेतन शामिल है। इस पर 2 करोड़ 19 लाख 67 हजार रुपए का खर्च आता है। प्रस्तावित 50 हजार रुपए की बढ़ोतरी के बाद सरकार के खजाने पर 99 लाख का अतिरिक्त भार आएगा।

हिन्दी दिवस पर सहमत एवं हिन्दी साहित्य भारती का मातृ भाषा अर्चन अनुष्ठान कार्यक्रम आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। साहित्यिक संस्था सहमत एवं हिन्दी साहित्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को नगरपालिका परिषद सभागार में दोपहर 12 बजे से हिन्दी दिवस के अवसर पर मातृ भाषा अर्चन अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नपाध्यक्ष तथा सहमत के संरक्षक रमेश रंगलानी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ श्रीमती अर्चना शुक्ला, पी एम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस प्राचार्य डॉ अशोक मराठे सहित सहमत के प्रमुख संरक्षक राजेश पाठक मंच को विभूषित करेंगे। विशेष आमंत्रित वक्ता राजेन्द्र शुक्ल सहज अध्यक्ष मप्र हिन्दी साहित्य भारती होंगे। कार्यक्रम के संयोजक हिन्दी साहित्य भारती के जिला अध्यक्ष अशोक सागर मिश्र एवं सहमत के महासचिव अमरसिंह ठाकुर हैं।आयोजन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा के साथ साथ वैश्विक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान करने संबंधी विषय पर वक्ताओं द्वारा उद्बोधन दिया जायेगा तत्पश्चात काव्यांजलि प्रस्तुत की जायेगी। उक्ताशय की जानकारी मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीर सागर द्वारा दी गई।

इस वर्ष भी माँ जगत जननी की प्रतिमा का मंडप रहेगा आकर्षण का केंद्र

बैहर(पद्मेश न्यूज)। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड में इस वर्ष मां जगत जननी की प्रतिमा का मंडप इस बार भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। वृंदावन का भगवान कृष्ण का प्रेम मंदिर में स्थापित होगी। इसकी तैयारी अनंत चतुर्दशी के एक दिन पूर्व से जारी है ।इसे बनाने के लिए बेंगलुरु कर्नाटक के इंजीनियर के साथ 20 कारीगर इस कार्य के लिए दिन-रात समय से पूर्व तैयार करने जुटे हैं।

उक्त जानकारी बस स्टैंड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा दी गई है इसमें सभी बस मालिक बस एजेंट एवं छोटे बड़े सभी दुकानदार द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

1383 प्रकरणों का निराकरण कर 4.83 करोड़ रुपए के अवार्ड पारित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्रााधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 13 सितम्बर 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा नेशनल लोक अदालत हेतु समस्त विभागों के अधिकारी, समस्त न्यायाधीशगण की बैठक ली जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश देकर समय-समय पर प्रोत्साहित किया गया एवं निरंतर समीक्षा भी की गई, जिसके परिणामस्वरूप नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया जा सका। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय प्राणेश कुमार प्राण के कर कमलों द्वारा किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा जिला न्यायालय बालाघाट में लोक अदालत के आयोजन के दौरान भ्रमण कर मौके का अवलोकन किया गया। साथ ही जिला न्यायालय परिसर में जिला आयुष विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया है जिसमें पक्षकारगण, अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयों का वितरण किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला न्यायालय परिसर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सहयोग से दिव्यांगजन/हितग्राहियों को व्हील चेयर का वितरण किया गया । साथ ही महिला सशक्तिकरण विषय पर जिला न्यायालय परिसर बालाघाट से विशाल जन जागरुकता बाईक रैली का आयोजन किया गया जो कि शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस जिला न्यायालय परिसर में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीप नारायण सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट, अविनाश छारी, श्रीमती तारा मार्को, श्रीमती शिखा शर्मा, शुभम जैन, श्रीमती शिनी जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता संघ बालाघाट के अध्यक्ष आनन्द टेम्भरे एवं समस्त बैंक, बीमा, पुलिस विभाग के अधिकारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायालय के कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वॉलंटियर्स उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय बालाघाट में 10 खण्डपीठ का गठन किया गया है सिविल न्यायालय बैहर हेतु 03 खण्डपीठ, सिविल न्यायालय कंटगी हेतु 01 खंडपीठ, सिविल न्यायालय लांजी हेतु 1 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी हेतु 06 खंडपीठों का गठन किया गया है। इस प्रकार संपूर्ण जिले में 21 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों में:- आपराधिक शमनीय प्रकरण, पराक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक/मनी रिकवरी संबंधी मामलें, एम.ए.सी.टी. प्रकरण (मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण), वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण एवं जल कर/विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण और दीवानी इत्यादि विभिन्न प्रकृति के महत्वपूर्ण मामले रखे गये। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) के अंतर्गत- बैंक रिकवरी संबंधी मामले तथा विद्युत एवं जल कर/बिल संबंधी (सिर्फ शमनीय प्रकरण), आपराधिक शमनीय प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, दीवानी इत्यादि सभी प्रकार के मामले लोक अदालत में निराकरण हेतु विचारार्थ रखे गये-

मान. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण में जिले के समस्त दैनिक समाचार पत्रों के प्रधान संपादक/संपादकगण, प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के सभी सदस्यगण द्वारा नेशनल लोक अदालत की सफलता हेतु विशेष रूप से सक्रिय सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त न्यायाधीशगण, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं समाजसेवीगण तथा आमजन एवं दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से आए हुए पक्षकारगणों को लोक अदालत के इस पावन कार्य में सहयोग हेतु भी आभार व्यक्त किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा न्यायदान की इस पावन परम्परा को भविष्य में भी इसी प्रकार संचालित करने के लिए सभी से सार्थक सहयोग की अपेक्षा की गयी है।

प्रकरणों के प्रकार	कुल प्रस्तुत प्रकरण		कुल निराकृत प्रकरण	कुल अवार्ड राशि
प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व)	प्रकरण -4763		912	15568069/-.
लंबित प्रकरण (न्यायालयों द्वारा रैफर प्रकरण)-	650		471	32827603/-
कुल योग:	5413	1	383	48395672/

कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी घायल

जिले की सीमा से लगे सिवनी जिले में हुई सड़क दुर्घटना
घायल महिला जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की सीमा से लगे सिवनी जिले में आने वाले कुरई थाना अंतर्गत ग्राम धोबी टोला में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार पति पत्नी घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला किरण पति अनिल येवले 30 वर्ष ग्राम धोबी टोला थाना कुरई जिला सिवनी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में इस महिला के पति अनिल पिता सेवकराम येवले 35 वर्ष को मामूली चोंटे आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल येवले खेती किसानी करते हैं। 13 सितंबर को 1 बजे अनिल येवले अपनी पत्नी किरण येवले के साथ मोटरसाइकिल में अपने खेत घास के लिए जा रहे थे। तभी सीतापठोर से लिंगापोनार की ओर जा रही एक कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी।कार की ठोकर से अनिल येवले और उनकी पत्नी किरण येवले मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। इस दुर्घटना में किरण येवले सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घायल दोनों पति-पत्नी को समीप कटंगी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से गंभीर रूप से घायल किरण येवले को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पंचायत चुनाव की रंजिश

एक व्यक्ति ने दो बेटों के साथ अपने पड़ोसी और उसकी बेटी को मारपीट कर किये घायल

भरवेली थाना के ग्राम पाथरवाड़ा की घटना, मारपीट में घायल व्यक्ति और उसकी बेटी जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पंचायत चुनाव को हुये तीन साल बीते, किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत चुनाव की रंजिश अभी तक बरकरार है और सरपंच जीते और पराजित प्रत्याशी के समर्थक समय समय परआपस में भीड़ कर अपनी चुनावी रंजिश भुनाते रहते हैं।ऐसी ही पंचायत चुनाव की रंजिश के चलते भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर अपने पड़ोसी और उसकी बेटी को कुल्हाड़ी उभारी और हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए। पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर यह घटना ग्राम पाथरवाड़ा में 12 सितंबर की शाम 7:00 बजे करीब हुई। दोनों घायल जिनमे अशोक पिता यशवंत धामड़े 46 वर्ष और उसकी बेटी नीलू पिता अशोक धामड़े 19 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। अशोक धामड़े की पत्नी श्रीमती शिशुमती धामड़े ने पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर अपने पड़ोसी रेमन लिल्हारे ,उसके दो बेटे कमलेश लिल्हारे और नीलेश लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट करने का आरोप लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में 3 वर्ष पहले सरपंच का चुनाव हुआ था। सरपंच के इस चुनाव में अशोक धामड़े का चाचा सुभाष धामड़े और कृष्ण कुमार बघेले जो पूर्व सरपंच भी थे। जिन्होंने सरपंच के लिए दावेदारी की थी। अशोक धामड़े ,सुभाष धामड़े के समर्थक थे और रेमन लिल्हारे और उसका परिवार कृष्ण कुमार बघेले के समर्थक था। संपन्न हुए सरपंच चुनाव में सुभाष धामड़े की जीत हुई और कृष्ण कुमार बघेले को बहुमत नहीं मिलने से उन्हें पराजित होना पड़ा। इसी पंचायत चुनाव को लेकर अशोक धामड़े और रेमन लिल्हारे के बीच चुनावी रंजिश बन गई और समय-समय पर रेमन लिल्हारे, अशोक धामड़े के परिवार को गालियां देकर परेशान करने लगे। अशोक धामड़े की पत्नी शिशुमती धामड़े ने ग्राम जागपुर निवासी अपने मामा भाई से अपनी मां की हिस्से की जमीन ली है।इस जमीन को लेकर शिशुमती धामड़े और उसके मामा भाई के बीच विवाद चला। जिसमे भी रेमन लिल्हारे दखल देने लगा । शिशुमती धामड़े ने अपने मामा भाई से अपनी मां के हिस्से की 4.25 एकड़ जमीन लेकर बिक्री कर दी है। जिसका सीमांकन होना है। शिशुमती धामड़े और उसके मामा भाई के बीच जमीन को लेकर चल रहे विवाद में भी रेमन लिल्हारे पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर हस्तक्षेप कर शिशुमती धामड़े और उसके पति अशोक धामड़े को गाली गलोच कर परेशान करने लगा। 12 सितंबर की शाम को अशोक धामड़े अपने परिवार के साथ घर में था ।तभी पड़ोसी रमन लिल्हारे अपने बेटे कमलेश लिल्हारे और नीलेश लिल्हारे के साथ गाली गलौज करने लगे थे। गालियां सुनकर अशोक धामड़े घर से बाहर निकाला और उन्हें बोला कि आप लोग किसको गाली दे रहे हो।अशोक धामड़े के यह कहते ही रेमन लिल्हारे अपने बेटे कमलेश लिल्हारे और नीलेश लिहारे के साथ बैलगाड़ी की उभारी और टँगीया लेकर अपने घर से आये और अशोक धामड़े को मारपीट करने लगे। कुल्हाड़ी और उभारी का वार सिर में लगने से अशोक धामड़े बेहोश होकर गिर गया। बीच बचाव करने उसकी बेटी नीलू धामड़े आई उसे भी हाथबुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए। मोहल्ले वालों द्वारा बीच बचाव करने के बाद सूचना मिलते ही डायल 112 ग्राम पाथरवाड़ा पहुंची और मारपीट में घायल अशोक धामड़े और उसकी बेटी नीलू धामड़े को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने अशोक धामड़े का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

आवश्यकता है
डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट